सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹103575/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹126500/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹138086/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 25 जून 2026

कंपनियां एनसीएलटी में जाती है तो तुरंत देनी होगी सूचना

डूबती कंपनियां भी लगा रहीं चूना? सरकार सतर्क, अब बकाया छुपा नहीं पाएंगे उद्योगपति, एमओयू के समय ही जोड़ी जाएगी शर्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार को आशंका है कि वित्तीय संकट में फंसकर दिवालिया प्रक्रिया में जाने वाली कुछ कंपनियां और उद्योगपति सरकारी बकायों की पूरी जानकारी छिपाकर राज्य के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यही वजह है कि अब सरकार ने सभी विभागों को ऐसे मामलों पर विशेष निगरानी रखने और समय पर अपने दावे पेश करने के निर्देश जारी किए हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में साफ तौर पर कहा गया है कि राज्य में संचालित कुछ औद्योगिक इकाइयां और कंपनियां जब इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) के तहत नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) पहुंचती हैं, तब विभिन्न विभागों की बकाया शासकीय देनदारियों की पूरी जानकारी प्रस्तुत नहीं करतीं। कुछ मामलों में ▶▶| शेष पेज 8 पर

सरकार को क्यों सताने लगी राजस्व नुकसान की चिंता

छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, बिजली उत्पादन, इस्पात और सीमेंट उद्योगों का बड़ा केंद्र है। इन क्षेत्रों की कंपनियों पर रॉयल्टी, खनिज राजस्व, बिजली शुल्क, कर, उपकर और विभिन्न प्रकार के शुल्क बकाया रहते हैं। जब कोई कंपनी एनसीएलटी में चली जाती है तो उसके लेनदारों के साथ-साथ सरकार को भी अपने दावों के लिए कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। जानकारों का कहना है कि यदि किसी विभाग को समय पर जानकारी नहीं मिले या वह निर्धारित अवधि में अपना दावा प्रस्तुत नहीं कर पाए तो करोड़ों रुपये की सरकारी वसूली प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि वित्त विभाग ने अब सभी विभागों को सक्रिय भूमिका निभाने को कहा है।

नहीं छिपा सकेंगी ये जानकारी

सरकार ने फैसला किया है कि भविष्य में कंपनियों के साथ होने वाले एमओयू, लाइसेंस, पंजीकरण, अनुबंध और अन्य अनुमतियों में एक अनिवार्य शर्त जोड़ी जाएगी। इसके तहत यदि कोई कंपनी आईबीसी या एनसीएलटी प्रक्रिया में जाती है तो उसे तत्काल संबंधित विभाग को लिखित सूचना देनी होगी। इस कदम को सरकार की ओर से एक तरह की अर्ली वार्निंग सिस्टम व्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है ताकि विभाग समय रहते अपने दावे तैयार कर सकें।

फैक्ट फाइल

हर महीने होगी उद्योगों की निगरानी

वित्त विभाग ने निर्देश दिया है कि सभी विभाग अपने अधिकार क्षेत्र में स्थापित उद्योगों की स्थिति की हर महीने समीक्षा करें और यह पता लगाएं कि कहीं किसी कंपनी के खिलाफ एनसीएलटी में मामला तो दर्ज नहीं हुआ है। इसके लिए अलग से निगरानी तंत्र विकसित करने को भी कहा गया है। साथ ही कर, विद्युत शुल्क, रॉयल्टी, उपकर, प्रीमियम, ब्याज, दंड और अन्य सभी देनदारियों के दावे समय-सीमा के भीतर एनसीएलटी अथवा संबंधित प्राधिकरणों के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है।

तथ्य छिपाए तो होगी कानूनी कार्रवाई

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई कंपनी तथ्य छिपाने, गलत जानकारी देने या शासन के राजस्व हितों को प्रभावित करने का प्रयास करती है तो उसके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। यानी सरकार अब केवल दावे पेश करने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि उन कंपनियों पर भी कार्रवाई की तैयारी में है जो दिवालिया प्रक्रिया का इस्तेमाल बकायों से बचने के लिए करती हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही या देरी के कारण सरकारी हितों को नुकसान होता है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। सभी विभागों को एनसीएलटी मामलों की त्रैमासिक रिपोर्ट भी देनी होगी।

खबर संक्षेप

मोदी को खामेनेई के अंतिम संस्कार में आमंत्रण

नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने देश के सर्वोच्च नेता रहे अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। खामनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ीं रस्में पांच से नौ जुलाई तक होंगी। हालांकि, मोदी को आमंत्रण मिलने की पुष्टि भारत ने नहीं की है।

ट्रक में आग, नौ करोड़ का इलेक्ट्रॉनिक सामान खाक

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर ज़िले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर इलेक्ट्रॉनिक सामान ले जा रहे एक कंटेनर ट्रक में आग लग जाने से लगभग नौ करोड़ रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। वसई के पास इस ट्रक में आग लग गयी लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। ट्रक में आग लग जाने की वजह से इस व्यस्त रास्ते पर कुछ घंटों तक यातायात अवरूद्ध रहा। अहमदाबाद की ओर जा रहे इस ट्रक में जब आग लगने की सूचना मिली तब दमकलकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे।

एशियाई शेर के शावक का गुजरात में शव मिला

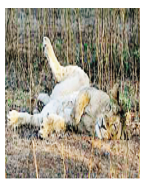

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में एशियाई शेर के एक नर शावक का शव मिला है। प्रारंभिक जांच में मिले संकेतों से आशंका जताई जा रही है कि इस जंगली जानवर की किसी व्यक्ति द्वारा हत्या की गई है। सात से आठ महीने के इस शावक का शव जूनागढ़ शहर के पास स्थित रबारी नेस क्षेत्र में मिला।

साढ़े तीन करोड़ की शराब, गांजा बरामद

चंदौली। चंदौली जिले में पुलिस और विशेष कार्यबल ने अलग-अलग कार्रवाई में क्रमशः ट्रक में अवैध रूप से ले जायी जा रही दो करोड़ 30 लाख रुपए मूल्य की अंग्रेजी शराब और सवा करोड़ रुपये का गांजा बरामद करके तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। टीम ने औद्योगिक नगर चौकी इलाके में मिल्कीपुर-ताहिरपुर मार्ग पर नियमित निरीक्षण के दौरान एक ट्रक की तलाशी ली तो उसमें से आलू की बोरियों के बीच छुपाकर रखी गयी अंग्रेजी शराब मिली।

सीआरपीएफ ने डीआईजी को किया निलंबित

नई दिल्ली। सीआरपीएफ ने हाल ही में सीएपीएफ विधेयक पारित होने के दौरान कथित तौर पर सरकार के खिलाफ मानी जाने वाली सामग्री साझा करने के आरोप में डीआईजी स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी को निलंबित कर दिया है। इस विधेयक को इन बलों के कैडर अधिकारियों ने भेदभावपूर्ण बताया था। देश के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों का पहला मामला है।

अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की खुलती जा रहीं परतें

चंपत राय समेत 17 संदिग्ध, विहिप बोली-फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, यह मामला और ज्यादा दिलचस्प होता जा रहा है। पूरे देश की नजर इस मामले पर है। एसआईटी ने रिपोर्ट सौंप दी है। इसमें चंपत राय समेत 17 लोगों की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। हालांकि एसआईटी के अधिकारियों का कहना है कि यह जांच का पहला ड्राफ्ट है। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद ने चार मांगें रखी है, जिसमें एफआईआर के साथ फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई की बात रखी है।

अयोध्या में राम मंदिर में हुए कथित चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने जांच के बाद प्राथमिक रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें कई गड़बड़ियों का जिक्र किया गया है। एसआईटी ने चढ़ावा प्राप्त होने के जरिए का भी जिक्र किया है, जिसमें चढ़ावा हुंडी, ऑनलाइन के अलावा कैश काउंटर पर रसीद की बात कही गई है।

इधर, राम मंदिर में चढ़ावे और दानराशि प्रबंधन को लेकर सामने आए विवाद के बाद राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से दान की गिनती और सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव लागू कर दिए गए हैं। पहले सीसीटीवी फुटेज 45 दिन बाद स्वतः डिलिट हो जाती थी, लेकिन अब इसे कम से कम 180 दिन तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था लागू की गई है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना की जांच कर रही एसआईटी को पर्याप्त सीसीटीवी फुटेज न मिलने से परेशानी हो रही है।

जांच में सिर्फ 45 दिनों की फुटेज मिली है। इनमें से बीच-बीच में फुटेज डिलीट ▶▶| शेष पेज 8 पर

- बदली प्रक्रिया चढ़ावा गिनती प्रक्रिया की रोजाना हो रही वीडियोग्राफी
- चंदे की गिनती की 180 दिन तक सुरक्षित रहेगी सीसीटीवी फुटेज

ज्यादा श्रद्धालु और औसतन कम चढ़ावे का जिक्र

दरअसल, कई महीने ऐसे रहे जिसमें श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी लेकिन चढ़ावा कम दिखा। इसको लेकर पूछताछ में एसआईटभ को बताया गया कि उस दौरान नोट कम सिक्के ज्यादा चढ़ाये गए। एसआईटी की रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि राम मंदिर में कई कर्मचारी ऐसे कार्य कर रहे थे जिनका लिखित में कोई आदेश नहीं था।

चढ़ावा निगरानी कमेटी की भी लापरवाही

रिपोर्ट में चढ़ावा की गिनती और चढ़ावा निगरानी कमेटी की लापरवाही का भी जिक्र है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय समेत कई पदाधिकारी और कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। मंदिर में कर्मचारियों की नियुक्ति में भी गड़बड़ी मिली है। एसआईटी की रिपोर्ट में ट्रस्ट को मजबूत करने के लिए भी सुझाव दिए गए हैं।

पांच वर्षों में कई गुना बढ़ी कर्मचारियों की संपत्ति

रिपोर्ट में कई कर्मचारियों की सम्पत्ति और आमदनी पिछले 5 वर्षों में तेजी से बढ़ी। एसआईटी ने अपनी जांच के दौरान 60 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। एसआईटभ ने सीसीटीवी फुटेज का भी जिक्र करते हुए कई गंभीर सवाल खड़े किए। चढ़ावा कितना आया और किस स्रोत से आया इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। इसलिए चढ़ावा चोरी हुआ, कितना चोरी हुआ ये सबूतों के साथ बता पाना संभव नहीं, क्योंकि प्रत्येक श्रद्धालु के चढ़ावे का कोई हिसाब नहीं मिला है। एसआईटी ने एक सप्ताह में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट और 15 दिनों में पूरी रिपोर्ट देने की बात कही।

अब ऐसा बदलाव

बैंक के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नकदी को बैंक तक पहुंचाने की प्रक्रिया में भी बड़ा परिवर्तन किया गया है। जिन बॉक्सों में नकदी भरकर बैंक भेजी जाती है, उनमें अब एक के बजाय दो लॉक लगाए जा रहे हैं। दोनों लॉक की चाबियां अलग-अलग जिम्मेदार व्यक्तियों के पास रहती हैं। इससे रास्ते में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या अनधिकृत पहुंच की संभावना को कम करने का प्रयास किया गया है।

विहिप ने रखी चार मांगें

- **तत्काल एफआईआर** : घोटाले और चोरी के आरोपियों के खिलाफ फौरन एफआईआर दर्ज की जाए।
- **तेज जांच** : जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और इसके दायरे का विस्तार किया जाए।
- **फास्ट ट्रैक कोर्ट** : दोषियों को जल्द सजा दिलाने के लिए मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में रोजाना हो।
- **कठोर दंड** : दोष सिद्ध होने पर अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

रायगढ़ इस्पात में हादसा

फर्नेस भट्ठी से अचानक निकलने लगी गैस, मची अफरा- तफरी

चार मजदूर घायल, एक का टूटा हाथ, इलाज जारी

- भट्टी के साइड में पंचर होने से गैस निकलने की बात आ रही सामने
- औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग की जांच में होगा पूरे मामले का खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

खास खबर

बुधवार की सुबह पूंजीपथरा क्षेत्र के देलारी स्थित रायगढ़ इस्पात एंड पॉवर लिमिटेड की फर्नेस से अचानक गैस निकलने लगी। इससे वहां अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। जान बचाने के लिए कई लोग उपर से नीचे कूद गए तो कई मजदूर इधर-उधर भागने लगे। इसी भगदड़ में चार मजदूर झुलस गए। मजदूरों को 20-30 प्रतिशत झुलसने की बात कही जा रही है। दो गंभीर हैं, लेकिन उनकी स्थिति भी अभी स्थिर बनी हुई है। घायलों को रायगढ़ के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इसमें एक मजदूर का हाथ टूट गया है, बाकी को मामूली चोट लगी है। ▶▶| शेष पेज 8 पर

चार मजदूर घायल

रायगढ़ इस्पात में हादसा हुआ है। चार मजदूर घायल हैं। उनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच के बाद ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है।

राहुल पटेल, उप संचालक आईएचएसडी

तीन की हालत ठीक एक को रायगढ़ भेजा

नमी की वजह से गैस उपर उठी तो काम करने वाले डर गए। इधर-उधर भागने लगे, इसी कारण चार लोग झुलस गए। तीन तो पूरी तरह से ठीक हैं, एक को जिंदल अस्पताल जांच के लिए भेजा गया है। देर रात तक रिपोर्ट आएगी। इलाज में किसी तरह की कोई कमी नहीं होगी।

सुनील पंडा, जीएम रायगढ़ इस्पात एंड पॉवर लिमिटेड

एसीबी ने दी दबिश

बाहर निकला 15 साल पहले हुए फर्नीचर घोटाले का जिन्न

दस्तावेज खंगालने पहुंची राजीव गांधी शिक्षा मिशन कार्यालय मचा हड़कंप, 2011-12 में हुआ था घोटाला, लेखापाल के छुट्टी पर होने से नहीं मिले दस्तावेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

खास खबर

सरगुजा के में 15 साल हुए फर्नीचर घोटाले का जिन्न एकबार फिर से बाहर आया है। बुधवार को एसीबी की टीम ने घोटाले से जुड़े दस्तावेजों को खंगालने के लिए राजीव गांधी शिक्षा मिशन के कार्यालय में दबिश दी। इस दौरान टीम ने खरीदी और भुगतान से संबंधित दस्तावेज खंगाले लेकिन दिनभर चली पड़ताल के बाद सिर्फ कलेक्टर द्वारा कराई गई जांच की रिपोर्ट और कुछ अन्य दस्तावेज जब्त कर अधिकारी वापस लौट गए। ऐसा इस लिए क्यों कि कार्यालय का लेखापाल अवकाश पर था। एसीबी ने अब इस मामले में नोटिस जारी कर खरीदी और भुगतान से जुड़े सभी दस्तावेज सौपने का निर्देश दिया है।

बता दें कि बुधवार को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम एसीबी डीएसपी प्रमोद खेस के नेतृत्व में कलेक्ट्रोरेट परिसर स्थित राजीव गांधी शिक्षा मिशन के कार्यालय में ▶▶| शेष पेज 8 पर

क्या था मामला

बताया जा रहा है कि वर्ष 2010-11 में राजीव गांधी शिक्षा मिशन द्वारा फर्नीचर सप्लाई के लिए अलग्भ्ग 2 करोड़ 70 लाख रूपए का टेंडर जारी किया था। इस दौरान लगभग 10-11 फर्म ने स्कूलों में फर्नीचर की सप्लाई की लेकिन बड़ी बात यह थी कि इनमें से दो फर्म ने तो फर्नीचर की सप्लाई ही नहीं की और पूरा बिल भुगतान हो गया। इसके साथ ही शेष फर्मों ने भी आधे अधूरे सप्लाई किए। इस पूरे मामले में बिना सप्लाई के ही मिलीभगत कर कागजों में फर्नीचर की सप्लाई की गई और राशि का आहरण कर लिया गया। इस घोटाले के बाहर आने पर स्थानीय स्तर पर थाना में शिकायत की गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद इस घोटाले को लेकर ईओडब्ल्यू में 2011-12 में अपराध दर्ज किया गया था। इसके साथ ही इस पूरे घोटाले की तत्कालीन कलेक्टर ने वर्ष 2014 में जांच भी कराई थी जिसमें घोटाले की पुष्टि हुई थी।

18.13 करोड़ के गबन का मामला

अपेक्स बैंक के प्रबंधक, लिपिक लेखाधिकारी सहित 8 बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- प्राधिकृत अधिकारी केदार गुप्ता और एमडी के निर्देश पर कार्रवाई

अपेक्स बैंक की बरमकेला शाखा में 18.13 करोड़ के गबन के मामले में कड़ी कार्रवाई की गई है। इस संबंध में बरमकेला शाखा में पदस्थ नियमित कर्मचारी डीआर बाघमारे प्रबंधक, मीनाक्षी मांझी लेखाधिकारी एवं आशीष कुमार पटेल लिपिक को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। 5 आउटसोर्सिंग स्टॉफ लिकेश कुमार बैरागी, रमाकांत श्रीवास, अरुण चंद्राकर, खीरदास महंत, बालकृष्ण कर्ष को नौकरी ▶▶| शेष पेज 8 पर

अब नहीं होगा गबन और फर्जी ऋण वितरण

केदार नाथ गुप्ता ने कहा है कि सहकारी बैंकों में गबन, किसानों के नाम फर्जी ऋण पर रोक लगाने हेतु नया सॉफ्टवेयर अपडेट किया गया है। ई-केसीसी पोर्टल के माध्यम से किसानों को ऋण वितरण हेतु किसानों का बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन का परिचालन किया जा रहा है। ▶▶| शेष पेज 8 पर

नशे के खिलाफ केंद्र सख्त, शाह आज जारी करेंगे राष्ट्रीय रणनीति

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नई दिल्ली में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में देशभर में मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की बढ़ती समस्या पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय को मजबूत बनाने पर चर्चा होगी। उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों तथा मादक पदार्थ नियंत्रण एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक का उद्देश्य नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और नशे के दुष्प्रभावों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों ▶▶| शेष पेज 8 पर

सीएम साय ने शाह को बताया कि कैसे बस्तर में आ रहा सकारात्मक बदलाव

योजनाओं को गांवों तक पहुंचाने विशेष अभियान की दी जानकारी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बस्तर सहित राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में हो रहे तेज़ विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और संचार सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ शासन की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। सेवा केंद्रों और जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से लोगों को सरकारी सेवाएं उनके घर के करीब उपलब्ध हो रही हैं।

शाह ने की सराहना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर में हो रहे विकास कार्यों और जनकल्याणकारी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने राज्य को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

विकास और पर्यटन के रूप में उभर रहा

श्री साय ने कहा कि बस्तर आज विकास और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। चित्रकोट, तीरथगढ़ और कांगेर घाटी जैसे पर्यटन स्थलों में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। विकास और जनकल्याण के प्रयासों से क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है तथा लोगों का विश्वास शासन के प्रति और मजबूत हुआ है।

याचिका खारिज, कहा- देश में डॉक्टरों की बहुत जरूरत

कोर्ट ने कहा- निजी मेडिकल कॉलेज को सरकारी जैसी फीस के लिए नहीं कर सकते मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ईडब्ल्यूएस आय सीमा और निजी मेडिकल कॉलेज फीस पर याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि निजी कॉलेजों को सरकारी कॉलेजों जैसी फीस लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। सरकारी संस्थानों को सरकार से अनुदान मिलता है, जबकि निजी संस्थान अपनी फीस से चलते हैं। केवल इसलिए कि निजी कॉलेजों की फीस अधिक है, उन्हें सरकारी कॉलेजों के ▶▶| शेष पेज 8 पर

स्कॉलरशिप समेत अन्य विकल्प उपलब्ध

याचिकाकर्ता की ऐसी दलील

याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय में दलील दी थी कि शुल्क नियामक समिति का दायित्व है कि वह ऐसा शुल्क ढांचा तय करे जो तर्कसंगत, न्यायसंगत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों की वित्तीय सीमाओं के अनुरूप हो। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2025 में हिस्सा लिया था।

तमिलनाडु की 152 रिक्त सीटों पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए बुधवार को सहमत हो गया, जिसमें तमिलनाडु में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए रिक्त 152 'इन-सर्विस' सुपर स्पेशलिटी मेडिकल सीटों को अखिल भारतीय कोटे में सौंपे जाने से रोकने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और तमिलनाडु सरकार समेत अन्य को नोटिस जारी कर 'तमिलनाडु मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन' की याचिका पर उनसे जवाब मांगा है।

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

A part of aisect india

Bilaspur, Chhattisgarh

Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | NAAC Accredited University

JOIN A NAAC 'A' GRADE UNIVERSITY
AI ENABLED CAMPUS WITH GLOBAL OPPORTUNITIES

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

Approvals & Recognition From Regulatory Bodies

- (University Grants Commission) Act 1956
- The AICTE (All India Council of Technical Education)
- The NCTE (National Council for Teacher Education)
- The BCI (Bar Council of India)
- Dr. C.V. Raman University is the member of the Association of Indian Universities (AIU)
- The University is Approved by CGPURC
- The PCI (Pharmacy Council of India, a statutory body constituted under the Pharmacy Act, 1948)
- University Grants Commission (UGC) Distance Education Bureau

3800 Students Placed (Last 5 years)

Companies Visited 400+

Up to 100% Scholarship Available for Deserving and Eligible Students

25+ International Students from Nepal & Bhutan.

Highest Package up to **₹ 35 LPA**

futureskills prime — A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative

ADMISSION OPEN (2026-27)

FACULTY OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

B.Tech.
- Mechanical Engineering
- Civil Engineering
- Electrical Engineering
- Electronics & Comm. Engg.
- Computer Science Engg.
- Electrical & Electronics Engg.

Polytechnic Diploma
- Civil Engineering
- Mechanical Engineering
- Computer Science Engg.
- Electrical Engineering

M.Tech
- Digital Communication
- Power System
- Computer Science Engineering
- Production Engineering
- VLSI
- Software Engineering

UG Diploma in Fire Safety Management

Admission to Engineering & Pharmacy programmes will be based on the regulations of the DTE, Chhattisgarh.

Information & Technology
Master of Science (IT, CS)
Bachelor of Computer Application (BCA)
Post Graduate Diploma in Computer Application (PGDCA)
Diploma in Computer Application (DCA)

Science
Bachelor of Science (B.Sc.)
Physics | Chemistry | Maths | Microbiology | Biotech
Botany | Zoology | Computer Science
Rural Technology | UG Nutrition & Dietetics
Master of Science (M.Sc.)
PCM | Botany | Microbiology | Biotech | Zoology
Rural Tech | Electronics | Applied Physics
Post Graduate Diploma in Rural Development (PGDRD)

Education & Physical Education
Bachelor of Education (B.Ed)
Master of Education (M.Ed)
Bachelor of Physical Education and Sports (BPES)
Master of Physical Education and Sports (MPES)
Master of Arts in Yoga (MA Yoga)

Law
B.A. (LLB) | B.Com. (LLB) | L.L.B. | L.L.M.

Commerce & Management
Bachelor of Commerce (B.Com)
Master of Commerce (M.Com)
Bachelor of Business Administration (BBA)
Master of Business Administration (MBA) | PGDBM

Arts
Bachelor of Arts (BA) | Master of Arts (MA)
Hindi | English | Chhattisgarhi | Sanskrit | History
Geography | Economics | Political Science | Sociology
Education | Rural Development |
UG Diploma in Foreign Language
PG Diploma in Geospatial Technology
Diploma in Karmakand
Diploma in Jyotish evam Vastu
Bachelor of Library Science (B.Lib)
Master of Library Science (M.Lib)
Master of Social Work (MSW)
Bachelor of Journalism | Master of Journalism
Performing Fine & Folk Arts:
BPA (Dance, Instrumental, Vocal) | MPA
Certificate Courses:
Indian Music (Vocal), Kathak, Tabla, Guitar

Pharmaceutical Sciences
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)- 4 Years
Master of Pharmacy (M.Pharm)-2 Years
Diploma of Pharmacy (D.Pharm)-2 Years

Bachelor of Vocational (B.Voc)
Automobile Servicing | IT Application Development
House Keeping | Production Technology
Banking, Financial Services and Insurance
Home Care | Construction | AC & Refrigeration
Multimedia & Animation | Hospital Administration
Fashion Designing | Interior Designing
Fire & Safety (Industrial & Construction)

Research Programmes Ph.D.

Ph.D. ADMISSION NOTIFICATION 2026–27

in accordance with the UGC (Minimum Standards and Procedures for Award of Ph.D. Degree) Regulations, 2022

Applications are invited for admission to the Ph.D. Programme (Full-Time / Part-Time) for the Academic Session 2026–27 in the following disciplines:

S. No.	Subject	No. of Tentative Vacant Seats
1	Commerce	16
2	Management	12
3	Mathematics	06
4	Chemistry	14
5	Physics	21
6	Microbiology	04
7	Botany	06
8	Rural Technology	05
9	Computer Science	05
10	Information Technology	05
11	Civil Engineering	10
12	Mechanical Engineering	12
13	Electrical Engineering	08
14	Electronics & Comm. Engg.	16
15	Computer Science Engineering	19
16	Education	02
17	Physical Education	20
18	Hindi	10
19	English	17
20	Sanskrit	08
21	Library & Information Science	14
22	Sociology	13
23	Geography	10
24	Political Science	02
25	History	09
26	Economics	03
27	Pharmacy	06

Eligibility: Post Graduate Degree in the relevant subject with minimum 55% marks. A relaxation of 5% marks shall be provided to SC/ST/OBC (Non-Creamy Layer)/PwBD/EWS candidates as per UGC Ph.D. Regulations 2022.

Admission Procedure: Admission shall be made through Ph.D. Entrance Examination, followed by Interview / Research Proposal Presentation, in accordance with the UGC (Minimum Standards and Procedures for Award of Ph.D. Degree) Regulations, 2022.

Candidates qualified in UGC NET / CSIR NET / GATE / CEED / SET / SLET or any other national-level fellowship/eligibility test recognized by UGC may be considered for exemption from the Entrance Examination as per University norms.

Application Procedure: Application forms are available online on the University website www.cvru.ac.in and offline at the Admission Office / Research Cell of the University. The prescribed application fee is Rs. 5000/-, payable through cash or Demand Draft (DD payable at Bilaspur in favour of Dr. C. V. Raman University). **Last Date for Submission of Application Form: 30/06/2026**

***Note:** Final allocation of Ph.D. seats and admission of candidates shall be subject to the availability of recognized research supervisors and the recommendations of the Departmental Research Committee (DRC), as per UGC Ph.D. Regulations 2022.

Entrance Exam Date: 19/07/2026

Venue: Dr. C.V. Raman University, Kargi Road Kota, Bilaspur (C.G.)

Address for Sending the application:
REGISTRAR, DR. C.V.RAMAN UNIVERSITY
Kargi Road, Kota Bilaspur (C.G.) Ph. 07753-253801,
Mo. 9617779322, Email: cvruphd23@gmail.com,

Top Recruiters of AGU

More than **500 companies** for Placements and Internships Offering up to **10 Lakh Package**

NIIT, Star, vivo, Tech Mahindra, vedanta, amazon, IndusInd Bank, Infosys, zomato, pinnacle, LANCO, wipro, genpact, iON

Special Features:

● Accredited by NAAC ● Chhattisgarh's first private university ● Skill Courses offered by PMKK in the University ● 100+ Industry Collaborations for a strong industry academia relationship. ● Fully Automated Central Library ● 12 Centre of Excellence in the field of Art & Culture, Biotechnology, Green Energy, Performing Arts, Future & high end skills and many more Sprawling 70-acre campus surrounded by lush greenery ● Diverse student base from 8 states ● Career Advancement – Upgrade skills, get promotions, and grow in your career. ● Flexible Timings – Ideal for working professionals, homemakers, and rural learners. ● Rich Study Material – Printed self-learning books, e-books, and interactive video lectures. ● Affordable Fee Structure – Quality education at a low cost ● Counselling & Support – Guidance from expert faculty through online/offline modes. ●Technology-Enabled Learning – Online classes, e-resources, and digital libraries for modern education. ● Learner Support Division – Dedicated academic and administrative support through counselling and helplines. ● Inclusive Education – Empowering rural learners, women, and differently-abled students through equal opportunities. ● PSC Coaching integrated UG/PG Programme ● Google Cloud Certified Digital Campus.

ADMISSION HELPLINE : ✆ 6261-900581/88

Campus: Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.) Ph.+91-7753-253801, E-Mail : info@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in

City Office: Dr. C.V. Raman University, Infront of Pallav Bhavan, Ring Road No.2, Bilaspur (C.G.) Ph. 07752-448799, Mo. 9109028878

AdPrayas

बिलासपुर
गुरुवार 25 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष एकादशी
वर्ष : 26, अंक : 95
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 37.0
न्यून. 25.2

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

विभाग में साड़ी खरीदी की केंद्रीकृत खरीदी व्यवस्था समाप्त

आंगनबाड़ियों में घटिया साड़ियों की सप्लाई पर बवाल के बाद सिस्टम बदला, अब साड़ी नहीं, पैसा मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

महिला एवं बाल विकास विभाग में साड़ी खरीदी को लेकर सामने आई अनियमितता के बाद अब विभाग ने साड़ी खरीदी की केंद्रीयकृत व्यवस्था को ही समाप्त करने का निर्णय लिया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए साड़ी खरीदने के बजाय उतनी ही कीमत की राशि उनके बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी जाए। विभाग इसे एक ऐतिहासिक निर्णय बता रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विभाग में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधार का निर्णय लेते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के लिए ▶▶|शेष पेज 8 पर

डायरेक्ट बेनिफिट के माध्यम से राशि का ट्रांसफर

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट सोच है कि शासन की राशि अधिकतम रूप से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लक्षित व्यक्ति तक पहुंचे, ताकि बिचौलियों और अनावश्यक प्रक्रियाओं की कोई गुंजाइश न रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी प्रदेश में अनेक पारदर्शी और तकनीक आधारित सुधार लागू कर सुशासन का नया मॉडल प्रस्तुत किया है। विभाग का यह निर्णय उसी सोच का विस्तार है।

प्रति यूनिफॉर्म 500 रुपये की राशि तय

भारत सरकार की बाल विकास सेवा योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को उनकी पहचान और एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष दो यूनिफॉर्म प्रदान करने का प्रावधान है, जिसके लिए प्रति यूनिफॉर्म अधिकतम 500 रुपये की राशि निर्धारित है। प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग का यह निर्णय प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण आधारित प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इससे न केवल व्यवस्था अधिक पारदर्शी होगी बल्कि हितग्राहियों को निर्णय लेने का अधिकार भी मिलेगा और शासन की राशि का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंचेगा।

साड़ी का रंग एवं डिज़ाइन वेबसाइट पर उपलब्ध होगा

मंत्री ने विभाग को निर्देशित किया है कि साड़ी का डिजाइन पूर्ववत रखा जाए तथा अंतिम स्वरूप आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से परामर्श के बाद निर्धारित किया जाए। साड़ी का रंग एवं डिजाइन विभागीय स्तर पर निर्धारित कर उसकी जानकारी विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि पूरे प्रदेश में एकरूपता बनी रहे। वहीं साड़ी के कपड़े जैसे कॉटन, सिंथेटिक अथवा अन्य विकल्पों का चयन स्थानीय स्तर पर स्वयं कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं कर सकेंगी।

खबर संक्षेप

मादक पदार्थ की बरामदगी के मामले में छापेमारी

नई दिल्ली। ईडी ने 2021 में मुंद्रा बंदरगाह से मादक पदार्थ बरामद होने के मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत बुधवार को दिल्ली में कई स्थानों पर छापे मारे। धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत राष्ट्रीय राजधानी में करीब पांच परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं। इनमें दिल्ली के कारोबारी हरप्रीत सिंह तलवार उर्फ कबीर तलवार और कुछ अन्य लोगों के परिसर शामिल हैं।

10 मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन जब्त

जम्मू। जम्मू कश्मीर के जम्मू, उधमपुर, कठुआ और डोडा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पंजाब के एक निवासी समेत 10 कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में हेरोइन जब्त की है। यहां गांधीनगर पुलिस ने पंजाब आधारित मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए अमृतसर निवासी गगनदीप सिंह और जम्मू के उसके दो सहयोगियों दमनजोत सिंह और विवेक कुमार को गिरफ्तार किया।

टेंपो की भिड़ंत में चार की मौत, चार घायल

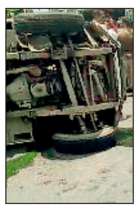

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में बुधवार को एक टेंपो और अन्य वाहन की भिडंत में दो महिलाओं एवं सात वर्षीय एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना पूर्वाह्न करीब 12:30 बजे सुगौली थाना क्षेत्र में छपवा-बेतिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुलवरिया नयका टोला के समीप हुई।

दो बहनों की डूबने से मौत तीन लड़कियां लापता

मुंगेर। बिहार के मुंगेर जिले में बुधवार को गंगा नदी में स्नान करने के दौरान दो बहनों की डूबने से मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लड़कियां लापता हो गईं। यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के श्यामपुर घाट पर हुई। 10 से 16 साल तक की पांच लड़कियां श्यामपुर घाट पर स्नान कर रही थीं। इनमें चार सगी बहनें थीं, जबकि एक लड़की दूसरे परिवार की थी। बचाव दल ने अब तक दो शव बरामद किए हैं। बाकी लड़कियों की तलाश जारी है। जिन दो लड़कियों के शव बरामद किए गए हैं, वे 16 वर्ष और 12 वर्ष की थीं तथा क्रांति पासवान की बेटियां थीं।

ट्रेंट का चेयरमैन पद छोड़ेंगे नोएल टाटा

नई दिल्ली। नोएल टाटा ने कहा है कि ट्रेंट की 74वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) चेयरमैन के तौर पर उनकी आखिरी एजीएम होगी। इसके साथ ही उनका एक ऐतिहासिक कार्यकाल खत्म हो जाएगा, जिसमें उन्होंने बेंगलुरु में एक स्टोर से शुरू हुई टाटा की खुदरा कंपनी को भारत की एक बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल कंपनी बना दिया।

प्रदेश सरकार के निर्देश पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई

अवैध रेत उत्खनन पर बड़ा प्रहार, 200 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत जब्त, वसूला अर्थदंड

छत्तीसगढ़ में अब अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण करने वालों के खिलाफ पहले से कहीं अधिक सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल और उनके सख्त प्रशासनिक रुख के तहत राज्य सरकार ने गौण खनिज नियमों में व्यापक संशोधन किया है। इस बीच, जशपुर जिले में खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। 200 ट्रैक्टर-ट्रॉली में 600 घन मीटर रेत जब्त कर अर्थदंड लगाया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

खास खबर

जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन संबंधी प्राप्त शिकायतों के आधार पर जिला खनिज विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए विभाग द्वारा झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में 11 जून को अवैध रूप से संग्रहित लगभग 200 ट्रैक्टर-ट्रॉली में 600 घन मीटर रेत जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की है। 1 लाख 46 हजार 800 रुपए की अर्थदंड राशि खनिज मद में जमा कराई गई है। जिला सहायक खनिज अधिकारी ने बताया कि ग्राम पोड़ी स्थित शंख नदी क्षेत्र में 11 जून को निरीक्षण के दौरान लगभग 200 ट्रैक्टर-ट्रॉली (करीब 600 घनमीटर) रेत अवैध रूप से संग्रहित पाई गई। इस पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के तहत निर्धारित अर्थदंड की राशि 1,46,800 रुपए का चालान 16 जून को खनिज मद में जमा कराया गया। उन्होंने बताया कि जिले में रेत के वैध उत्खनन एवं आपूर्ति व्यवस्था को ▶▶|शेष पेज 8 पर

> झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में खनिज विभाग ने लिया एक्शन

मुख्यमंत्री साय की सख्ती का असर बढ़ा जुर्माना और कार्रवाई हुई सख्त

मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बाद नए नियम लागू हो गए हैं। इन बदलावों का उद्देश्य अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाना, राजस्व बढ़ाना और खनिज संसाधनों का वैज्ञानिक एवं पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करना है। सबसे बड़ा बदलाव अवैध खनिज परिवहन और उत्खनन पर लगने वाले जुर्माने में किया गया है। अब किसी भी मामले में समझौता राशि 25 हजार रुपए से कम नहीं होगी। अवैध परिवहन के मामलों में प्रति टन 2 हजार रुपये की दर से समझौता शुल्क देना होगा। इसके अलावा अवैध रूप से ले जाए जा रहे खनिज का पूरा मूल्य भी अलग से वसूला जाएगा। उदाहरण के तौर पर यदि कोई वाहन 35 टन खनिज का अवैध ▶▶|शेष पेज 8 पर

जीरो टॉलरेंस की नीति

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस पहल को अवैध खनन के खिलाफ सरकार के जीरो टॉलरेंस और सख्त प्रशासनिक रुख का बड़ा सख्त कदम माना जा रहा है। नए नियमों से एक ओर अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगेगा, वहीं राज्य के राजस्व में वृद्धि, पारदर्शिता और खनिज संसाधनों के बेहतर प्रबंधन को भी मजबूती मिलेगी।

डेड रेंट में बढ़ोतरी

करीब 30 वर्षों बाद खदानों के डेड रेंट (अनिवार्य भाटक) की दरों में भी बढ़ोतरी की गई है। राज्य में 1900 से अधिक गौण खनिज खदानें हैं, जिनमें बड़ी संख्या में खदानें वर्षों से बंद पड़ी हैं। सरकार का मानना है कि बढ़े हुए डेड रेंट से केवल गंभीर पट्टाधारी ही खदानों का संचालन करेंगे। जो खदानें संचालित नहीं होंगी, वे समर्पित होकर दोबारा नीलामी के लिए उपलब्ध हो सकेंगी।

खरीदी में गड़बड़ी एनएचएम के तीन अफसर बर्खास्त

भावना शीतल दिलीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

कोण्डागांव जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच हुई वित्तीय अनियमितताओं और खरीद प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी करने पर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक भावना महलवार, जिला लेखा प्रबंधक शीतल कुमार ताम्रकार तथा जिला प्रशिक्षण समन्वयक दिलीप कुमार मधुकर को बर्खास्त कर दिया गया है।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार गड़बड़ी का मामला विधानसभा में उठने के बाद स्वास्थ्य सेवाएं संचालनालय के वित्त नियंत्रक की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था। समिति ने विभिन्न योजनाओं, निविदाओं और खरीद प्रक्रियाओं की विस्तृत जांच कर अपनी रिपोर्ट राज्य कार्यालय को सौंपी। जांच रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कई मामलों में निर्धारित नियमों और ▶▶|शेष पेज 8 पर

- कोण्डागांव एनएचएम में वित्तीय अनियमितता पर बड़ी कार्रवाई

'श्रृंगार दान नई पहल किट' की खरीद में मिली कथित गड़बड़ी

रिपोर्ट में विशेष रूप से 'श्रृंगार दान नई पहल किट' की खरीद एवं वितरण प्रक्रिया में अनियमितताओं की ओर संकेत किया गया है। जांच में पाया गया कि क्रय प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया, जिससे पारदर्शिता ▶▶|शेष पेज 8 पर

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

बाजार खोलने से लेकर डिजिटल ट्रेड पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत और अमेरिका ने दो दिवसीय मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हुई प्रगति की समीक्षा की और बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार तथा गैर-शुल्क बाधाओं जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, अगले महीने समाप्त हो रही एक महत्वपूर्ण शुल्क समयसीमा से पहले सभी मतभेद सुलझने का कोई संकेत नहीं मिला है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर वार्ता की, जिसे दोनों पक्ष इस वर्ष की शुरुआत में बनी रूपरेखा के बाद से आगे बढ़ा रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को वार्ता समाप्त होने पर जारी बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख तत्वों की व्यापक समीक्षा की, जिनमें बेहतर बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार, ▶▶|शेष पेज 8 पर

पीएम मोदी-ट्रंप की मुलाकात के बाद समीक्षा

यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब दोनों देश अमेरिकी शुल्क नीति में बदलाव के बाद पहले से तय व्यापार ढांचे की समीक्षा और उसमें आवश्यक संशोधन करने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रीर का यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 17 जून को फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर हुई मुलाकात के कुछ दिन बाद हुआ है। इस मुलाकात से व्यापार वार्ताओं को नई गति मिली है। मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले इस महीने दो से चार जून के बीच नयी दिल्ली में मुख्य वार्ताकार स्तर की बातचीत भी हुई थी।

द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिबद्ध

मंत्रालय ने कहा कि बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बीच भारत-अमेरिका आर्थिक साझेदारी के बढ़ते महत्व को देखते हुए दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और विश्वसनीय एवं मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ग्रीर और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठकों का दौर पूरा हुआ।

निर्माणाधीन गोदाम की छत ढही तीन की मौत, 18 लोग बचाए गए

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार दोपहर तीन मंजिला निर्माणाधीन गोदाम की छत ढह जाने से उसके मलबे के नीचे कई लोग दबे गये। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मलबे के नीचे अब भी कुछ लोग फंसे हुए हैं और उन्हें निकालने के लिए राज्य और केंद्र की एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि बचाव कार्य में सेना की पूर्वी कमान की भी मदद ली जा रही है।

मदद के लिए पुकारते रहे श्रमिक

घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान लोहे के बीम और कंक्रीट के बड़े-बड़े हिस्से ढह गए, जहां कई मजदूर काम कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने मलबे के नीचे फंसे लोगों को मदद के लिए चिल्लाते हुए सुना। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, भूतल पर पर निर्माण कार्य चल रहा था, जबकि पहली और दूसरी मंजिल का आरसीसी ढांचा पूरा हो चुका था।

मदद के लिए पहुंची सेना

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया, सेना ने उन लोगों से संपर्क कर लिया है जो अब भी मलबे में फंसे रहे। सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मध्य कोलकाता के तारातला इलाके में निर्माणाधीन एक गोदाम के अचानक ढह जाने के बाद, भारतीय सेना की पूर्वी कमान की चार टुकड़ियों को तुरंत खोज और बचाव अभियान के लिए भेजा गया।

तकनीकी खराबी बनी वजह

दिल्ली से भटककर पाक पहुंचा विमान, इस्लामाबाद में हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बीते सोमवार रात दिल्ली से अमृतसर जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-479 में तकनीकी खराबी आने से विमान अपने तय रास्ते से भटक गया और सीधे पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा पहुंचा। बताया जा रहा है पाकिस्तान एयर ट्रैफिक अथॉरिटी की चेतावनी मिलने के बाद ही पायलट को इस बात का पता चला जिसके बाद विमान ने यू-टर्न लेकर वापस भारतीय एयरस्पेस की ओर रुख किया।

पहलगाम हमले के बाद से रिश्ते तनावपूर्ण

भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम हमले के बाद से रिश्ते पहले से ही तनावपूर्ण हैं। ऐसे में बंद एयरस्पेस में किसी भारतीय विमान का चला जाना मामले को गंभीर बना देता है। हालांकि अमृतसर एयरपोर्ट के सूत्र बताते हैं कि विमान पाकिस्तान सीमा के अंदर डेढ़ मील से ज्यादा अंदर नहीं गया था।

पुलिस पूछताछ में टूट गई सिया, उगल दिए कई राज

सोनम को 'गुरु' मान चुकी थी सिया, फॉलो किए कई स्टेप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पुणे

हरिभूमि फॉलोअप

पुणे के लोहागढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में होने वाले पति केतन अग्रवाल को धक्का देने वाली उसकी मंगेतर सिया गोयल ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। इसके अलावा, सिया के बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी ने भी माना है कि हत्याकांड में वह भी शामिल था। सूत्रों के अनुसार, पुलिस की पूछताछ में दोनों ने बताया कि सिया केतन से शादी नहीं करना चाहती थी, इसलिए उसने उसकी हत्या की। सिया सोनम को गुरु मान चुकी थी, ▶▶|शेष पेज 8 पर

जिस खाई में गिरा केतन, वहां पहले भी गई थी सिया

इस केस का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा केतन के पिता विशाल अग्रवाल का दावा है। उनके मुताबिक, 18 जून से चार दिन पहले यानी 14 जून को भी सिया केतन को उसी जगह लेकर गई थी। वहां केतन अचानक नीचे गिरते-गिरते बचे थे। उस वक्त सिया ने कहा था कि उसे सांप दिखाई दिया था और उसने बचाने के लिए धक्का दिया, लेकिन बेटे की मौत के बाद पिता को वही घटना असफल कोशिश जैसी लग रही है।

फरवरी में हुई थी केतन और सिया की सगाई

सिया और केतन की सगाई इसी साल बड़ी धूमधाम से फरवरी में हुई थी। दोनों को ट्रेकिंग पर जाना बहुत पसंद था, इसी वजह से दोनों अक्सर घूमने जाते थे। हालांकि, कई बार केतन सिया को लेकर चिंतित भी रहता था। वह अपने पिता विशाल अग्रवाल से पूछता रहता था कि क्या उन्होंने सिया का बैकग्राउंड सही से चेक किया है?

दुखी थी सिया, फिर परिवार को कैसे शक

केतन के खाई से नीचे गिरने के बाद जब सिया गोयल काफी दुखी हुई और उसने इंस्टाग्राम पर स्टोरी भी लगाई, जिसमें लिखा कि तुम मुझे छोड़कर क्यों चले गए, जबकि मैं तुमसे इतना ज्यादा प्यार करती थी? इस स्टोरी और सिया की अन्य पोस्ट से किसी को शक नहीं हुआ कि आखिर वही है, जिसने अपने होने वाले पति को धक्का देकर मार डाला। इसी वजह से शुरुआत में केतन के परिवार ने भी इसे हादसा माना, लेकिन ▶▶|शेष पेज 8 पर

चिंतन

मानसून फिर सक्रिय होने के बावजूद सतर्कता जरूरी

देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून ने कुछ दिनों के विराम के बाद फिर रफ्तार पकड़ ली है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार मानसून की प्रगति अब सामान्य दिशा में आगे बढ़ रही है और आने वाले दिनों में कई राज्यों में अच्छी वर्षा की संभावना है। यह खबर किसानों के लिए राहत लेकर आई है, क्योंकि खरीफ का सबसे महत्वपूर्ण दौर इसी समय होता है। हालांकि राहत के साथ-साथ सावधानी की भी आवश्यकता है। मौसम वैज्ञानिक इस वर्ष प्रशांत महासागर में विकसित हो रही अल नीनो जैसी परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए हैं, जो मानसून के वितरण और वर्षा के स्वरूप को प्रभावित कर सकती है। हमारी कृषि आज भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है। देश के लगभग आधे कृषि क्षेत्र में सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और वहां वर्षा ही खेती का मुख्य आधार है। ऐसे में मानसून का समय पर पहुंचना और नियमित वर्षा होना किसानों की आय, उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों का अनुभव बताता है कि केवल कुल वर्षा का आंकड़ा पर्याप्त नहीं होता। असली चुनौती वर्षा के वितरण में होती है। कई बार पूरे सीजन में सामान्य वर्षा दर्ज होती है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश और कुछ क्षेत्रों में लंबे सूखे अंतराल देखने को मिलते हैं। यही स्थिति फसलों के लिए सबसे अधिक नुकसानदायक साबित होती है। अल नीनो का प्रभाव भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है। सामान्यतः अल नीनो की स्थिति में प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग का समुद्री तापमान बढ़ जाता है, जिससे वैश्विक मौसम चक्र प्रभावित होता है। भारत में इसका संबंध अक्सर कमजोर या असमान मानसून से जोड़ा जाता रहा है। हालांकि हर अल नीनो वर्ष में सूखा पड़े, यह जरूरी नहीं है, लेकिन इसके कारण मानसून की अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसलिए किसानों के लिए यह समय केवल बारिश का इंतजार करने का नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन की तैयारी करने का भी है। इसलिए किसान मौसम आधारित खेती को प्राथमिकता दें। खेत में बुवाई, सिंचाई, उर्वरक प्रयोग और कीटनाशक छिड़काव स्थानीय मौसम की जानकारी के आधार पर ही करें। यदि किसी क्षेत्र में भारी वर्षा की संभावना हो तो उर्वरकों और रसायनों का प्रयोग टालना अधिक लाभकारी होगा। दूसरी महत्वपूर्ण बात जल प्रबंधन की है। मानसून के शुरुआती दौर में होने वाली अच्छी बारिश का अधिकतम संग्रह किया जाना चाहिए। खेत तालाब, मेड़बंदी, वर्षा जल संचयन और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों का उपयोग भविष्य में पड़ने वाले सूखे अंतराल से बचाने में मदद कर सकता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू फसल बीमा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी व्यवस्थाओं का लाभ उठाना किसानों के लिए सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। अक्सर किसान इसे अतिरिक्त खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदा की स्थिति में यही सुरक्षा आर्थिक संकट को कम कर सकती है। सरकार और कृषि विभागों की भी जिम्मेदारी है कि वे किसानों तक समय पर और स्थानीय स्तर की मौसम जानकारी पहुंचाएं। केवल पूर्वानुमान जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके आधार पर कृषि सलाह भी उपलब्ध करानी चाहिए। कृषि विस्तार सेवाओं को और अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता है ताकि किसान बदलते मौसम के अनुसार अपने निर्णय ले सकें। इसलिए किसान बारिश का स्वागत करें, लेकिन तैयारी और सतर्कता को भी उतनी ही प्राथमिकता दें। इससे ही बेहतर उत्पादन और अधिक आय हासिल हो सकती है।

दिवस विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

आपातकाल : इंदिरा गांधी की क्षमायाचना और उसके बाद...

इक्यावन साल पहले 1975 में वह आज का ही दिन था, 25 जून का, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सलाह पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत देशव्यापी आपातकाल की घोषणा कर दी थी। इस घोषणा के बाद सारे विपक्षी नेताओं को तुरत-फुरत जेल में डाल दिया गया था, अभिव्यक्ति की आजादी समेत नागरिकों के सारे मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे और इन कदमों के विरुद्ध प्रतिरोध का कोई स्वर न उठ सके, इसके लिए अखबारों पर सख्त सेंसर लगा दिया गया था। ज्ञातव्य है कि उन दिनों अखबार ही लोगों के लिए समाचारों के मुख्य स्रोत हुआ करते थे। यह आपातकाल 21 मार्च,1977 तक कुल मिलाकर लगभग 21 महीनों तक लागू रहा और इंदिरा गांधी ने उसे तब भी नहीं हटाया, जब इस मुगालते में लोकसभा चुनाव करा दिए कि 'आपातकाल की उपलब्धियों से खुश' मतदाता उनको आसानी से जीत दिला देंगे। उनकी उम्मीद के विपरीत इस चुनाव में उनकी करारी हार हुई तो प्रधानमंत्री पद से अपने इस्तीफे से पहले उन्होंने यह सोचकर राष्ट्रपति से आपातकाल हटाने की सिफारिश कर दी कि उनके इस्तीफे के बाद भी वह लागू रह गया तो नई सरकार अपनी बारी पर उसके प्रावधानों को उनके और उनकी पार्टी के खिलाफ इस्तेमाल करना शुरू कर देगी। फिर 23 जनवरी,1978 को अनेक प्रेक्षकों को चकित करते हुए आपातकाल के दौरान हुए अत्याचारों, ज्यादतियों व गलतियों के लिए सार्वजनिक रूप से और बिना शर्त माफी मांग ली। इसके लिए उन्होंने उन दिनों महाराष्ट्र में हो रहे विधानसभा चुनाव के सिलसिले में यवतमाल में अपनी नवगठित पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित सभा को चुना। अलबत्ता, इस सभा में भी उन्होंने आपातकाल को उस दौर की बीमारियों के इलाज के लिए दी गई ऐसी दवा बताया, जो निस्संदेह सुखद नहीं थी। लेकिन उसके बाद? उन्हीं के शब्दों में कहें तो 'उसके बाद नए चुनाव कराने में हमने सभी लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन किया। हमसे हुई गलतियों को लेकर नाराज देश की जनता ने हमारे खिलाफ फैसला दिया तो हमने उसके फैसले को भी विनम्रता से स्वीकार किया।' महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के साथ ही कर्नाटक विधानसभा के भी चुनाव हुए थे, जिसमें इंदिरा गांधी की पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला था और उसने देवराज अर्स के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। बहरहाल, श्रीमती गांधी द्वारा मांगी गई माफ़ी की पृष्ठभूमि पर विचार करें तो केंद्र की सत्ता से उनकी बेदखली के बाद नई-नई बनी जनता पार्टी की सरकार ने उन दिनों आपातकाल की ज्यादतियों की जांच के लिए शाह नामक कमीशन गठित कर रखा था और सरकारी समाचार माध्यमों से उसकी कार्रवाई का भरपूर प्रचार कराकर उनके विरुद्ध फैले जनाक्रोश की उम्र लम्बी करने में लगी हुई थी। ऐसे में उनका यवतमाल में माफी मांगना सिर्फ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जय-पराजय से जुड़ा हुआ मामला नहीं था। उससे उनकी देश भर में अपनी राजनीतिक जमीन वापस पाने की एक बड़ी चुनावी रणनीति जुड़ी हुई थी। इस रणनीति ने देश की राजनीति में उनकी जैसी वापसी कराई, वह भारतीय राजनीति के इतिहास का एक बेहद दिलचस्प अध्याय है। प्रतिद्वंद्वी जनता पार्टी की टूट-फूट का लाभ उठाकर उन्होंने लोकसभा के 1980 के मध्यावधि चुनाव में जिस तरह वापसी की, उसे दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक कमबैक में से एक माना जाता है। फरवरी, 1978 में कर्नाटक विधानसभा का चुनाव जीतने के कुछ ही महीनों बाद नवंबर 1978 में उन्होंने इसी राज्य की चिकमगलूर सीट से लोकसभा का उपचुनाव जीतकर देश की सत्ता में अपनी वापसी की भूमिका लिखनी शुरू की तो जनता पार्टी की सरकार ने उनको घेरने के चक्कर में विशेषाधिकार हनन के आरोप में उन्हें लोकसभा से निष्कासित कर जेल भेज दिया। तब उन्होंने इस कार्रवाई को जनता के सामने राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में पेश किया और उसकी सहानुभूति प्राप्त कर ली। फिर तो 1980 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने 351 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया और वे फिर से देश की प्रधानमंत्री बन गईं। 1977 की हार के बाद वे पल भर भी निराश नहीं बैठी थीं। जुलाई 1977 में बिहार के बेलछी गांव में दलितों के साथ हिंसा हुई तो वे बाढ़ के बावजूद पानी भरे रास्ते को पार करने के लिए हाथी पर सवार होकर वहां उनके आंसू पोंछने पहुंची थीं। उसके बाद पीड़ितों के प्रति दिखाई गई इस गहरी सहानुभूति की तस्वीरों ने देश की गरीब और शोषित जनता के बीच उनकी 'गरीबों की मसीहा' वाली छवि को दोबारा जिंदा कर दिया था।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन

कांतिलाल मांडोत

भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। विवाह से पहले होने वाली सगाई और अन्य रस्में भविष्य के जीवन की नींव मानी जाती हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति किसी रिश्ते को स्वीकार नहीं करना चाहता तो उसके पास उसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार करने का अधिकार है। आधुनिक समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपनी पसंद के अनुसार जीवनसाथी चुनने का अधिकार भी स्वीकार किया जाता है। लेकिन किसी रिश्ते से बाहर निकलने का रास्ता छल और हिंसा नहीं हो सकता। रिश्तों में पारदर्शिता, नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संवाद और कानून का भय इन सभी तत्वों को मजबूत करना होगा।

प्रेम के मुखौटे के पीछे भरोसे की हत्या

महाराष्ट्र के पुणे से सामने आए एक चर्चित हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया है। जिस रिश्ते को विश्वास और जीवनभर के साथ का आधार माना जाता है, उसी रिश्ते के भीतर कथित साजिश और हत्या की कहानी ने समाज को कई कठिन सवालों के सामने खड़ा कर दिया है। एक ओर शादी की तैयारियां चल रही थीं, करोड़ों रुपये खर्च कर भव्य आयोजन की योजनाएं बनाई जा रही थीं। दूसरी ओर रिश्तों की सतह के नीचे अविश्वास और दूसरे संबंधों का ऐसा जाल बुना जा रहा था, जिसने अंततः एक युवा कारोबारी की जान ले ली। पुलिस जांच के अनुसार मंगेतर और उसके कथित प्रेमी पर युवक की हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

मामला केवल एक आपराधिक घटना भर नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों की गंभीर चुनौतियों को भी उजागर करता है। आज समाज का बड़ा वर्ग इस घटना को केवल हत्या के रूप में नहीं बल्कि भरोसे की हत्या के रूप में देख रहा है। भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। विवाह से पहले होने वाली सगाई और अन्य रस्में भविष्य के जीवन की नींव मानी जाती हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति किसी रिश्ते को स्वीकार नहीं करना चाहता तो उसके पास उसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार करने का अधिकार है। आधुनिक समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपनी पसंद के अनुसार जीवनसाथी चुनने का अधिकार भी स्वीकार किया जाता है। लेकिन किसी रिश्ते से बाहर निकलने का रास्ता छल और हिंसा नहीं हो सकता। यही कारण है कि पुणे की इस घटना ने लोगों को भीतर तक विचलित किया है। सवाल केवल यह नहीं है कि एक युवक की मौत कैसे हुई बल्कि यह भी है कि क्या हमारे समाज में संवाद की जगह छल ने ले ली है। क्या सच बोलने का साहस कम होता जा रहा है। क्या लोग अपने निर्णयों की जिम्मेदारी लेने के बजाय गलत रास्ते चुनने लगे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जिनमें प्रेम संबंधों विवाहेतर संबंधों या निजी रिश्तों के विवादों ने हिंसक रूप ले लिया। कभी पति या पत्नी की हत्या की खबर आती है तो कभी प्रेमी या प्रेमिका को रास्ते से हटाने की साजिश का खुलासा होता है। सोशल मीडिया और डिजिटल संचार के युग में रिश्ते बनना आसान हुआ है लेकिन उन्हें निभाने की जिम्मेदारी और ईमानदारी का महत्व भी उतना ही बढ़ गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि समाज में बढ़ती भौतिकता और त्वरित संतुष्टि की मानसिकता ने भी रिश्तों को प्रभावित किया है। बहुत से लोग रिश्तों को एक प्रतिबद्धता के बजाय सुविधा के रूप में देखने लगे हैं। जब तक सब कुछ अनुकूल रहता है, तब तक संबंध चलते हैं लेकिन कठिन परिस्थितियां आते ही कई लोग जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते हैं। यह प्रवृत्ति चिंता का विषय है क्योंकि किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियाद भरोसे और नैतिकता पर टिकी होती है। धोखाधड़ी आज के समय में केवल आर्थिक अपराध तक सीमित नहीं रह गई है। भावनात्मक धोखाधड़ी भी तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। कई बार लोग एक व्यक्ति के साथ भविष्य के सपने दिखाते हैं जबकि समानांतर रूप से किसी और संबंध में

भी जुड़े रहते हैं। जब सच्चाई सामने आती है तो उसके परिणाम केवल व्यक्तिगत नहीं होते बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करते हैं। माता-पिता भाई-बहन और अन्य परिजन भी मानसिक आघात से गुजरते हैं। इस घटना ने अवैध संबंधों और बढ़ते व्यभिचार पर भी बहस छेड़ दी है।

समाजशास्त्रियों का मानना है कि किसी भी रिश्ते में पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। यदि दो लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव समाप्त हो गया है या कोई अन्य संबंध बन चुका है तो उसे ईमानदारी से स्वीकार करना चाहिए। झूठ और दोहरी जिंदगी अंततः बड़े संकट को जन्म देती है। जब भावनाएं स्वार्थ और छल से संचालित होने लगती हैं तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। सोशल मीडिया ने भी रिश्तों के स्वरूप को बदल दिया है। आज लोग अपने निजी जीवन की चमकदार तस्वीरें दुनिया के सामने प्रस्तुत करते हैं, लेकिन वास्तविकता कई बार उससे बिल्कुल अलग होती है। डिजिटल दुनिया में बनाई गई छवि और वास्तविक जीवन के बीच का अंतर कई बार गंभीर मानसिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म देता है। पुणे मामले में भी जांच एजेंसियों ने सोशल मीडिया चैट और डिजिटल साक्ष्यों को महत्वपूर्ण माना है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि आधुनिक अपराधों की जांच में तकनीक की भूमिका कितनी बढ़ चुकी है। समाज के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि नैतिक मूल्यों को कैसे मजबूत किया जाए। केवल कानून अपराध होने के बाद कार्रवाई कर सकता है, लेकिन अपराध होने से पहले उसे रोकने का काम परिवार समाज और शिक्षा व्यवस्था को करना होगा। बच्चों और युवाओं को यह सिखाना आवश्यक है कि किसी भी रिश्ते की नींव ईमानदारी और सम्मान पर टिकी होती है। यदि किसी संबंध में असहमति है तो उसका समाधान संवाद से होना चाहिए, न कि छल या हिंसा से। परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज व्यस्त जीवनशैली के कारण परिवारों के बीच संवाद कम होता जा रहा है। कई युवा अपनी भावनात्मक समस्याओं और व्यक्तिगत संघर्षों को साझा नहीं कर पाते। परिणामस्वरूप वे गलत निर्णयों की ओर बढ़ जाते हैं। यदि परिवारों में खुला संवाद और विश्वास का वातावरण हो तो अनेक संकटों को समय रहते रोका जा सकता है। कानून व्यवस्था के स्तर पर भी ऐसे मामलों में त्वरित और निष्पक्ष जांच जरूरी है ताकि अपराधियों को स्पष्ट संदेश मिले कि किसी भी परिस्थिति में हिंसा स्वीकार्य नहीं है। साथ ही समाज को भी यह समझना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं बल्कि सम्मान है। यदि कोई रिश्ता नहीं निभ सकता तो उसे समाप्त किया जा सकता है, लेकिन किसी व्यक्ति के जीवन को समाप्त करने का अधिकार किसी को नहीं है।

पुणे की यह घटना एक चेतावनी है कि आधुनिकता के साथ यदि नैतिकता और जिम्मेदारी का संतुलन नहीं रखा गया तो समाज गंभीर संकटों का सामना करेगा। रिश्तों में बढ़ता अविश्वास परिवार संस्था को कमजोर कर सकता है। प्रेम यदि ईमानदारी से जुड़ा हो तो जीवन को संवारता है लेकिन यदि उसमें छल और स्वार्थ प्रवेश कर जाए तो वही प्रेम विनाश का कारण बन सकता है। आज आवश्यकता केवल इस एक घटना पर चर्चा करने की नहीं बल्कि उन सामाजिक कारणों को समझने की है जो ऐसे अपराधों को जन्म देते हैं। रिश्तों में पारदर्शिता, नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संवाद और कानून का भय इन सभी तत्वों को मजबूत करना होगा। तभी समाज विश्वास और मानवीय मूल्यों की उस राह पर आगे बढ़ सकेगा, जहां प्रेम जीवन का आधार बने, न कि किसी त्रासदी की वजह।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस स्व नियंत्रण का पर्व

संकलित

दर्शन

स्वाधीनता अर्थात स्व के अधीन होने का पर्व। स्व नियंत्रण का पर्व, जहां पर स्व की इच्छाओं की प्रधानता हो, स्वयं पर स्वयं का नियंत्रण हो। वास्तव में भारत पर भारत का ही नियंत्रण हो सकता है। इस विशाल, समृद्ध, संस्कार और संस्कृति से युक्त राष्ट्र पर नियंत्रण करने की कोशिश तो बहुत से राष्ट्रों द्वारा की गई, परंतु भारत विशाल हृदय और समृद्ध विरासत के साथ सदैव खड़ा रहा। हिमालय जैसे विशाल हृदय, गंगा जैसी पावनता व वेदों के विशाल ज्ञान के भंडार के साथ जीवंत व जाग्रत बना रहा और आगे भी रहेगा। भारत ने महाभारत देखी, भारत ने राम-भरत का प्रेम देखा, कृष्ण-सुदामा की मित्रता देखी। वर्तमान भारत विश्व पटल पर अपना उत्कृष्ट स्थान रखता है। अब हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ें, जहां नक्शे में हर भारतीय के हस्ताक्षर हों। ऐसा भारत, जहां भारत माता की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले और धरती के गर्भ से अन्न पैदा करने के लिए पसीना बहाने वालों के लिए उपयुक्त स्थान हो। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त कहते हैं, 'सब तीर्थों का एक तीर्थ यह, हृदय पवित्र बना लें हम, आओ यहां अजातशत्रु बन, सबको मित्र बना लें हम। भारत माता का मंदिर यह, समता का संवाद जहां, सबका शिव कल्याण यहां है, पावें सभी प्रसाद यहां।' ऐसे भाव जहां हों, वह राष्ट्र केवल गौरव का अधिकारी है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इसीलिए कहा, 'भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, जीता जागता राष्ट्रपुरुष है। इसका कंकर-कंकर शंकर है, इसका बिंदु-बिंदु गंगाजल है।

भगवान को धन की कोई आवश्यकता नहीं

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ के पास एक व्यक्ति काम करता था। सेठ उस व्यक्ति पर बहुत विश्वास करता था। वो व्यक्ति भगवान का बहुत बड़ा भक्त था। वह सदा भगवान के चिंतन भजन कीर्तन स्मरण सत्संग आदि का लाभ लेता रहता था। एक दिन उस ने सेठ से श्री जगन्नाथ धाम यात्रा करने के लिए कुछ दिन की छुट्टी मांगी सेठ ने उसे छुट्टी देते हुए कहा- भाई! मैं तो हूं संसारी आदमी हमेशा व्यापार के काम में व्यस्त रहता हूं, तुम जा ही रहे हो तो यह लो 100 रुपए मेरी ओर से श्री जगन्नाथ प्रभु के चरणों में समर्पित कर देना। भक्त सेठ से सौ रुपए लेकर श्री जगन्नाथ धाम यात्रा पर निकल गया। वह श्री जगन्नाथ पुरी पहुंचा। मंदिर की ओर प्रस्थान करते समय उसने रास्ते में देखा कि बहुत सारे संत, भक्त जन, वैष्णव जन, हरि नाम संकीर्तन बड़ी मस्ती में कर रहे हैं। भक्त भी वहीं रुक कर हरिनाम संकीर्तन का आनंद लेने लगा। उसने सोचा क्यों ना सेठ के सौ रुपए से इन भक्तों को भोजन करा दूँ। सबको भोजन कराने में उसे कुल 98 रुपए खर्च करने पड़े। उसके पास दो रुपए बच गए उसने सोचा चलो अच्छा हुआ दो रुपए जगन्नाथ जी के चरणों में सेठ के नाम से चढ़ा दूंगा। भक्त ने श्री जगन्नाथ जी के दर्शन किए और अंत में उसने सेठ के दो रुपए श्री जगन्नाथ जी के चरणो में चढ़ा दिए। भगवान को आपके धन की कोई आवश्यकता नहीं है। भगवान को वह 98 रुपए स्वीकार है जो जीव मात्र की सेवा में खर्च किए गए और उस दो रुपए का कोई महत्व नहीं जो उनके चरणों में नगद चढ़ाए गए।

अंतर्मन

आज की पाती

सुरक्षा मानकों पर उठते सवाल

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून को एक दो-मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि सात अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे, जो भवन की दूसरी मंजिल पर संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर में अध्ययन कर रहे थे। आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही मिनटों में पूरे भवन में फैल गई। यह भी सामने आया है कि प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन प्रणाली से संचालित था, जो आपातकालीन स्थिति में समय पर नहीं खुल पाया। क्या सुरक्षा एजेंसी ने कभी सुरक्षा मानकों का जायजा लिया। *– विवेक चौहान, राजनांदगांव*

ट्रेंड

कॉरिडोर विज़न

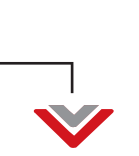

असम एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर का एक नेटवर्क बना रहा है ताकि हर इलाके तक यात्रा का समय मौजूदा 13-15 घंटे से घटकर 6 घंटे के दायरे में आ जाए। बड़े सिलीगुड़ी-सिलचर कॉरिडोर विज़न के तहत सिलचर-शिलांग सेक्शन पर काम पहले ही चल रहा है।

- **हिमंत बिस्वा सरमा,** सीएम, असम

महत्वपूर्ण कदम

आज झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई शुरुआत हुई है। न केवल डॉक्टरों, बल्कि अस्पताल प्रबंधकों और वित्त प्रबंधकों की नियुक्ति से अस्पताल प्रबंधन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

- **हेमंत सोरेन,** सीएम, झारखंड

लखनऊ अग्निकांड

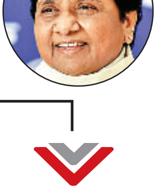

लखनऊ अग्निकांड जैसी जानलेवा घटनाएं अनगिनत परिवारों की उम्मीदें तोड़ देती हैं। ऐसी दुखद घटनाओं को रोकने के लिए सही ढंग से काम करने की ज़रूरत है। सिर्फ़ एक-दूसरे पर आरोप लगाने से काम नहीं चलेगा।

- **मायावती,** पूर्व सीएम, उप्र

छात्रों की आवाज़

लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है, नीट पेपर लीक की वजह से 20 बच्चों ने अपनी जान दे दी...लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देते समय "छात्रों की आवाज़" को "आतंकवादी" कह रहे हैं।

- **मल्लिकार्जुन खड़गे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

चीनी कंप्यूटर 'लाइनशाइन' ने अमेरिकी कंप्यूटर को पछाड़ा

चीन का एक सुपरकंप्यूटर अमेरिकी मशीनों को पछाड़कर अब दुनिया का सबसे शक्तिशाली कंप्यूटर बन गया है। वर्ष 2017 के बाद यह पहला मौका है जब किसी चीनी कंप्यूटर ने उस सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है जिसे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किसी देश की क्षमता के पैमाने के रूप में भी अकसर देखा जाता है। चीन के शेनझेन में स्थित 'लाइनशाइन' कंप्यूटर ने मंगलवार को घोषित 'टॉप500' कंप्यूटर की रैंकिंग के हालिया संस्करण में अमेरिकी कंप्यूटर 'एल कैपिटन' को पछाड़ दिया। 'टॉप500' परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों ने बताया कि चीन के राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग केंद्र में स्थित 'लाइनशाइन' कंप्यूटर ने 2.198 एक्साफ्लॉप्स की क्षमता हासिल की है।

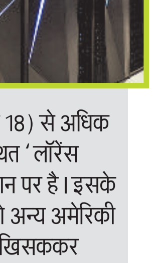

इसका अर्थ है कि यह प्रति सेकंड दो क्विंटिलियन (10 की घात 18) से अधिक गणनाएं कर सकता है। अमेरिकी सरकार की कैलिफोर्निया स्थित 'लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लेबोरेटरी' का 'एल कैपिटन' अब दूसरे स्थान पर है। इसके बाद टेनेसी और इलिनॉय की राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में स्थित दो अन्य अमेरिकी सुपरकंप्यूटर का स्थान है। जर्मनी का 'जुपिटर' सुपरकंप्यूटर खिसककर पांचवें स्थान पर आ गया है। ये पांचों दुनिया के एकमात्र ऐसे 'एक्सास्केल' कंप्यूटर हैं, जिनकी क्षमता की सार्वजनिक रूप से पुष्टि की गई है।

ऑफ बीट

पृथ्वी का ज्ञात क्रेटर तीन अरब वर्ष से भी अधिक पुराना

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पिलबारा क्षेत्र में स्थित प्राचीन चट्टानों पर किए गए एक नए अध्ययन में पुष्टि हुई है कि पृथ्वी पर ज्ञात सबसे पुराना क्रेटर 3.024 अरब वर्ष से अधिक पुराना है। कर्टिन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक क्रिस किर्कलैंड के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि उत्तरी ध्रुव के झुकाव वाले क्षेत्र में मौजूद भूगर्भीय संरचना एक विशाल उल्कापिंड टक्कर का परिणाम है, जो आर्कियन काल (4 से 2.5 अरब वर्ष पूर्व) में हुई थी। इस क्षेत्र की चट्टानें लगभग 3.5 अरब वर्ष पुरानी ज्वालामुखीय चट्टानें हैं, जिनमें 'शॉटर कोन्स' पाए गए हैं। ये संरचनाएं अत्यधिक दबाव और झटके का संकेत देती हैं, जो किसी उल्कापिंड के टकराने से उत्पन्न होते हैं।

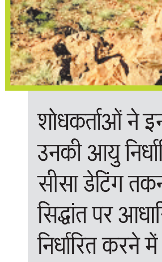

शोधकर्ताओं ने इन चट्टानों के भीतर मौजूद सूक्ष्म खनिजों का विश्लेषण कर उनकी आयु निर्धारित की। विशेष रूप से जिरकॉन के क्रिस्टलों में यूरेनियम-सीसा डेटिंग तकनीक का उपयोग किया गया। यह तकनीक रेडियोधर्मी क्षय के सिद्धांत पर आधारित होती है और अत्यंत प्राचीन घटनाओं की सटीक आयु निर्धारित करने में सहायक होती है। अध्ययन में पाया गया कि कुछ जिरकॉन क्रिस्टल 3.4 अरब वर्ष से भी पुराने थे, जो संभवतः उस प्राचीन चट्टान का हिस्सा थे जिस पर उल्कापिंड का प्रभाव पड़ा था।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर

फोनः 401050,271016,फैक्स-271018

ई-मेलः haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइटः www.haribhoomi.com

यूके की कोर्ट का आदेश!

भगोड़े कारोबारी को लगा कानूनी झटका

बैंक ऑफ इंडिया को 100 करोड़ रुपए देगा नीरव

एजेंसी ▶▶| लंदन

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को यूनाइटेड किंगडम में एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। लंदन हाईकोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में फैसला सुनाया है और कहा है कि नीरव मोदी को अपने बिजनेस एम्पायर से जुड़े लंबे समय से चल रहे लोन विवाद में 10.7 मिलियन डॉलर से ज्यादा (100 करोड़ रुपए से ज्यादा) की रकम चुकानी होगी। कोर्ट के इस फैसले को बैंक ऑफ इंडिया के लिए बड़ी कानूनी जीत माना जा रहा है। अदालत के आदेश से बैंक को विदेश में कानूनी माध्यमों से अपनी बकाया राशि की वसूली का रास्ता साफ हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भी आर्थिक अपराधियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई करने का भरोसा मिलेगा।

विदेश में बकाया राशि की वसूली का रास्ता हुआ साफ

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, मंगलवार को दिए गए एक फैसले में, लंदन सर्किट कमर्शियल कोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि 13,000 करोड़ रुपए के पीएनबी घोटाले का मुख्य आरोपी नीरव मोदी, फायरस्टार ग्रुप की दुबई स्थित यूनिट फायरस्टार डायमंड एफजेडई को दिए गए लोन के भुगतान के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी हैं।

देनदारी में लागू ब्याज भी शामिल

इस देनदारी में लगभग 4.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 38.9 करोड़ रुपए) की बकाया राशि और बैंक द्वारा दावा किया गया लागू ब्याज भी शामिल है, जिससे कुल वसूली योग्य राशि 10.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाती है। यानी कि नीरव मोदी को 100 करोड़ से ज्यादा की रकम बैंक ऑफ इंडिया को चुकानी होगी।

यह है आरोप

नीरव पर मुख्य रूप से पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ करीब 13,000 करोड़ से ज्यादा के महाघोटाले, आपराधिक साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) के गंभीर आरोप हैं। उस पर सबूत मिटाने और विदेशों में गवाहों को धमकाने के भी आरोप लगे हैं। मोदी और उसके सहयोगियों पर आरोप है कि उन्होंने पीएनबी के कुछ अधिकारियों के साथ मिलकर मिलीभगत की। उन्होंने बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम बायपास करके बिना किसी पर्याप्त जमानत के फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग और फॉरेन लेटर्स ऑफ क्रेडिट हासिल कर लिए।

ब्रिटेन की जेल में बंद है

नीरव मार्च 2019 में लंदन में गिरफ्तारी के बाद से ब्रिटेन में हिरासत में है। ब्रिटिश अदालतों ने बीते कई सालों में उसकी कई जमानत याचिकाएं खारिज की हैं। भगोड़े कारोबारी को इससे पहले मार्च में तब बड़ा झटका लगा था, जब लंदन हाईकोर्ट ने भारत में उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ कार्रवाई फिर से शुरू करने के उसके प्रयास को खारिज कर दिया था। 55 वर्षीय नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के करीब 13,000 करोड़ के घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस घोटाले में उसके मामा मेहुल चोकसी भी आरोपी हैं।

2018 में भारत छोड़कर भागा था

नीरव मोदी भारत में पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी मामले के सिलसिले में फरार है, जिसमें कथित तौर पर राज्य की ओर संचालित ऋणदाता के नाम पर जारी की गई फर्जी गारंटी का इस्तेमाल करके विदेशी कर्ज हासिल करने का आरोप है। सीबीआई द्वारा घोटाले की जांच शुरू करने से कुछ ही समय पहले वह जनवरी 2018 में भारत छोड़कर चला गया था।

खबर संक्षेप

बस स्टॉप में घुसा मिट्टी से भरा टिपर, 3 की मौत, 5 घायल

कोल्लम। केरल के कोल्लम जिले के कोट्टारक्करा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर को दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। नीलेश्वरम इलाके में मिट्टी से भरा एक टिपर लॉरी (डंपर) अनियंत्रित होकर बस स्टॉप में जा घुसा। पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार से आ रहा टिपर मिट्टी लेकर जा रहा था। अचानक वाहन का नियंत्रण बिगड़ गया और वह सीधे बस स्टॉप पर खड़े लोगों से टकरा गया। हादसे के दौरान गाड़ी में भरी मिट्टी लोगों के ऊपर गिर गई, जिससे कई लोग उसके नीचे दब गए। मृतकों में एक स्कूली छात्र भी शामिल है। जो स्कूल जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था। हादसे में पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुस्तकालय में गोलीबारी दो लोगों की हुई मौत

चिको। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया के एक पुस्तकालय में हुई गोलीबारी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। शहर के पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सोमवार शाम पांच बजे के बाद पुलिस को 'ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी' की चिको शाखा के अंदर गोलियां चलने की सूचना मिली। जब पुलिस अधिकारी पुस्तकालय के अंदर पहुंचे, तो संदिग्ध पीछे के रास्ते से भाग निकला। एल्ड्रिज के अनुसार, पुस्तकालय के पीछे मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया, 'आज शाम हुई घटना जाहिर तौर पर बेहद दुखद और कई लोगों के लिए बहुत सदमे वाली थी। हमारे समुदाय के लिए यह बहुत ही दुखद घटना है।' पुस्तकालय के आस-पास की सड़कों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया और इमारत के अंदर मौजूद लोगों को अपने परिवार के सदस्यों से मिलाने के लिए एक केंद्र बनाया गया। एक बच्चे को भी मामूली चोट के कारण अस्पताल ले जाया गया। एल्ड्रिज ने बताया कि जनता को कोई गंभीर खतरा नहीं है और पुलिस इस गोलीबारी की जांच कर रही है। पुलिस ने संदिग्ध की पहचान उजागर नहीं की और न ही इस बारे में कोई जानकारी दी कि गोलीबारी की वजह क्या थी।

ऑस्ट्रेलिया के दूसरे राज्य में भी बर्ड फ्लू की पुष्टि

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में H5N1 बर्ड फ्लू का फैलाव बढ़ता दिख रहा है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के बाद अब दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में भी वायरस का मामला सामने आया है। इसके बाद पड़ोसी देश पापुआ न्यू गिनी ने ऑस्ट्रेलिया से पोल्ट्री मांस और अन्य उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। फाउलर्स बे क्षेत्र में दो मृत सब-अंटार्कटिक समुद्री पक्षियों और एक पेलिकन में H5N1 वायरस की पुष्टि हुई है। यह इलाका पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के एस्पेरेंस से करीब 1,200 किलोमीटर दूर है, जहां पहले दो मामलों की पुष्टि हुई थी। ऑस्ट्रेलियाई कृषि विभाग के मुताबिक मामलों की पुष्टि के बाद पापुआ न्यू गिनी ने ऑस्ट्रेलिया से पोल्ट्री मांस और अन्य उत्पादों के आयात पर रोक लगा दी है। पापुआ न्यू गिनी ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा पोल्ट्री निर्यात बाजार है।

पश्चिम एशिया में आई शांति पर फिर गहराने लगे हैं संकट के बादल

परमाणु ठिकानों के निरीक्षण पर आईएईए अड़ा, ईरान का इंकार, ट्रंप ने दी धमकी

पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान समझौते के तहत तीन महीने से ज्यादा समय बाद आई शांति पर फिर संकट के बादल गहराने लगे हैं। ईरान के न्यूक्लियर एनरिचमेंट साइट्स यानी परमाणु ठिकानों के निरीक्षण को लेकर फिर माहौल गर्म हो गया है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने दो टूक कहा है कि वह परमाणु ठिकानों का हर हाल में निरीक्षण करेगा। वहीं ईरान ने अंतिम समझौते के पहले निरीक्षण करवाने से इंकार कर दिया। इधर ईरान के बयान से भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निरीक्षण की अनुमति न देने पर वार्ताओं से जुड़ी बैठकों को रद्द करने की धमकी दी है।

एजेंसी ▶▶| तेहरान/वाशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी ने बुधवार को संकेत दिया कि ईरान के न्यूक्लियर एनरिचमेंट साइट्स का निरीक्षण उनकी टीम द्वारा किया जाएगा। जापान के फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्रॉसी ने पत्रकारों से कहा, 'मैं राजनीतिक बयानों को समझ सकता हूं, वे वास्तविकता का हिस्सा हैं। लेकिन मैं आपको यह याद दिलाना चाहता हूं कि दोनों देशों के राष्ट्रपतियों द्वारा एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उस समझौते में स्पष्ट रूप से लिखा है कि परमाणु सामग्री और परमाणु सुविधाओं से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी आईएईए द्वारा की जाएगी। यह निरीक्षण परसों हो, एक हफ्ते बाद हो या 10 दिन बाद, यह महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि यह होगा।'

परमाणु स्थल का निरीक्षण अंतिम समझौते के बाद ही होगा : ईरान के उप विदेश मंत्री

टोक्यो। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख की उस टिप्पणी को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने परमाणु स्थल के निरीक्षण की बात कही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे निरीक्षण केवल अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता होने के बाद ही संभव होंगे। गरीबाबादी ने 'एक्स' पर यह टिप्पणी की। वह जापान में आईएईए के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी की ओर की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'इन मुद्दों की समीक्षा और उन पर निर्णय केवल अंतिम समझौते के ढांचे के भीतर ही किया जाएगा। साथ ही, यह तभी संभव होगा जब दूसरी ओर से सभी प्रतिबंधों और अन्य दंडात्मक उपायों को समाप्त करने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक कदम उठाए जाएं।'

ट्रंप ने दी धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को अपने परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण करने की अनुमति नहीं देता है, तो वह तेहरान के साथ चल रही तकनीकी वार्ताओं से जुड़ी बैठकों को रद्द कर देंगे। पेंसिल्वेनिया के लीहाई काउंटी स्थित मैक ट्रक्स संयंत्र के दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने ईरान के निरीक्षण संबंधी रुख को लेकर उठ रही आशंकाओं को खारिज किया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के निरीक्षकों की तैनाती से जुड़े सवाल पर ट्रंप ने कहा कि ईरान सैद्धांतिक रूप में पहले ही इसके लिए सहमत हो चुका है।

केरल हाईकोर्ट का फैसला

देवी-देवताओं, भारत माता के नाम पर नहीं ले सकते शपथ

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल हाई कोर्ट ने शपथ को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कहा कि स्थानीय निकायों के चुने हुए प्रतिनिधि शपथ लेते समय कानून में तय शब्दों से बाहर नहीं जा सकते। यानी शपथ ईश्वर के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। उसमें देवी-देवताओं, भारत माता, किसी संगठन, राजनीतिक शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना मान्य नहीं है। इसी आधार पर अदालत ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के कुछ पार्षदों की शपथ को अवैध माना। कोर्ट ने कहा कि अपनी तरफ से कोई भी नया शब्द जोड़ना पूरी तरह गलत माना जाएगा।

यह मामला तब अदालत पहुंचा जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों ने शपथ लेते समय अलग-अलग हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव, अपने राजनीतिक आंदोलन के शहीदों के नाम लिए। इसी से जुड़ी एक दूसरी याचिका पलक्कड़ जिले के वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत सदस्य की शपथ को लेकर भी थी। उस सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी।

कॉकरोच पार्टी फाउंडर ने किया पलटवार

'हम आतंकवादी नहीं, शिक्षामंत्री के हाथ छात्रों के खून से रंगे'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने मंगलवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार चौथे दिन अपना धरना-प्रदर्शन जारी रखा।

इस दौरान दीपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के दहशतगर्दों की बी टीम वाले बयान का जवाब दिया। दीपके ने कहा, 'सोचिए प्रधान ने क्या कहा। जब हम उन छात्रों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिन्होंने आत्महत्या की है। उन्होंने कहा कि सीजेपी आतंकवादियों की बी टीम है। अभिजीत ने कहा- शिक्षा मंत्री देश के युवाओं को आतंकवादी कह रहे हैं। सर, हम आतंकवादी नहीं हैं।

हमें आप जैसे लोगों से देशभक्ति के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। इसके बाद एक्स पर एक और पोस्ट में दीपके ने लिखा, 'धर्मेंद्र प्रधान हमें आतंकवादी कहते हैं। विडंबना यह है कि उनके हाथ 17 से ज्यादा छात्रों के खून से रंगे हैं।'

यह कहा था प्रधान ने

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि जिन्हें डेमोक्रेसी में रिजेक्ट कर दिया गया था, वे भेष बदलकर आए हैं और अब सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं, जो देश को बांटना चाहते हैं। उनकी पहचान हो गई है। प्रधान ने ये भी कहा कि कुछ लोग जानबूझकर शिक्षा को डिरेल करने की कोशिश कर रहे हैं। फिर चाहे वो कोचिंग सेंटर वाले हों या फिर शिक्षा माफिया हों, इन पर नजर रखी जा रही है। हम इन्हें घुटने पर लाएंगे, नहीं तो हम देश के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते।

सेल ने नौसेना के तीन युद्धपोत के लिए की इस्पात की आपूर्ति

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय नौसेना के हाल ही में बेड़े में शामिल किए गए तीन अत्याधुनिक युद्धपोतों के निर्माण के लिए 5,700 टन विशेष श्रेणी के इस्पात की आपूर्ति की है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इन तीन जहाजों में उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट 'आईएनएस दूनागिरी', एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'आईएनएस अग्रय' और सर्वेक्षण पोत 'आईएनएस संशोधक' शामिल हैं। इन तीनों जहाजों को 21 जून को कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। सेल ने इन जहाजों के लिए विशेष गुणवत्ता की 'डीएमआर 249ए' ग्रेड हॉट-रोल्ड शीट और प्लेट की आपूर्ति की है। इस विशेष श्रेणी के इस्पात का उत्पादन कंपनी के बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्रों में किया गया है। कंपनी ने कहा कि वह 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को लगातार बढ़ावा दे रही है। सेल ने इससे पहले भी स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए गए स्टील्थ फ्रिगेट्स आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि के लिए इस्पात आपूर्ति की है।

- युद्धपोत के लिए 5,700 टन विशेष इस्पात की आपूर्ति की

देश की जरूरतों को पूर्ण करने प्रतिबद्ध

सेल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पांडा ने कहा, "भारत के रक्षा क्षेत्र के एक प्रमुख भागीदार के रूप में सेल देश की आत्मनिर्भरता की जरूरतों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इन उच्च-क्षमता वाली इस्पात प्लेट की आपूर्ति न केवल भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता को मजबूती प्रदान करती है, बल्कि यह सेल की प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता को भी प्रमाणित करती है।"

भारत की आर्थिक वृद्धि दर सुस्त पड़ने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऊर्जा की कमी, सामान्य से कम मानसून और वैश्विक वृद्धि में सुस्ती के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बुधवार को यह अनुमान जताया। भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2025-26 में 7.7 प्रतिशत और 2024-25 में 7.1 प्रतिशत रही थी। एसएंडपी ने एक रिपोर्ट में कहा, ''ऊर्जा की कमी, औसत से कम मानसून का अनुमान और वैश्विक वृद्धि में सुस्ती के बीच, हमारा अनुमान है कि मार्च, 2027 में खत्म होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.7 प्रतिशत थी। 2026-27 के लिए वृद्धि का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के 6.6 प्रतिशत के अनुमान के अनुरूप है। अल नीनो के कारण मानसूनी बारिश प्रभावित हुई है। 22 जून तक बारिश की कमी बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई है। कम बारिश की स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने राज्यों के लिए योजनाएं बनाई हैं। कम बारिश वाले हालात के हिसाब से वैकल्पिक फसलों की सिफारिश की गई है।

बारिश में गेट खोलने को लेकर विवाद

मुंबई की चलती लोकल ट्रेन में युवक की हत्या

मुंबई। मुंबई में मानसून की पहली बारिश के बीच लोकल ट्रेन में दरवाजा खुला रखने को लेकर हुए विवाद में एक यात्री ने दूसरे यात्री की जान ले ली। मृतक की पहचान 22 साल के मयंक लोहार के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान नहीं हो पाई है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, घटना मंगलवार रात करीब 10:42 बजे अंधेरी और बोरीवली स्टेशन के बीच चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल ट्रेन के फर्स्ट क्लास डिब्बे में हुई। ट्रेन के बोरीवली स्टेशन पहुंचने से ठीक पहले आरोपी चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, ट्रेन अंधेरी स्टेशन पर पहुंची थी, तभी मयंक और एक अन्य यात्री के बीच गेट खुला रखने को लेकर बहस शुरू हो गई। एक यात्री दरवाजा खुला रखना चाहता था, जबकि दूसरा बारिश का हवाला देकर इसका विरोध कर रहा था।

बहस के दौरान आरोपी ने अपने पास मौजूद धारदार हथियार निकाला और मयंक के पेट में वार कर दिया। मयंक को बोरीवली स्टेशन के मेडिकल रूम में ले जाया गया, हालांकि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सीसीटीवी फुटेज कब्जे में, आरोपी की तलाश जारी

पश्चिम रेलवे ने बताया कि घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य जांच एजेंसियों को सौंप दिए गए हैं। रेलवे के अधिकारियों ने भी रात में बोरीवली स्टेशन पहुंचकर घटना की समीक्षा की। रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

सूचकांक का आधार वर्ष 2024-25 होगा

मासिक सेवा उत्पादन सूचकांक 60 दिन के अंतराल पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के सेवा क्षेत्र के उत्पादन को मापने वाले नये सूचकांक का आधार वर्ष 2024-25 होगा और इसे हर महीने 60 दिन के अंतराल पर जारी किया जाएगा। सांख्यिकी मंत्रालय ने बुधवार को अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) की एक सूची में यह कहा।

- पहला सेवा सूचकांक 14 जुलाई को घोषित किया जाएगा

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2026 के लिए पहला सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) 14 जुलाई को घोषित किया जाएगा। इसके बाद के आंकड़े हर महीने की 29 तारीख (अवकाश होने पर अगले कामकाजी दिन) को जारी किए जाएंगे।

आईएसपी एक अल्पकालिक संकेतक

मंत्रालय ने अक्सर पूछे जाने वाले सवालों में बताया है कि आईएसपी एक अल्पकालिक संकेतक है। इसे एक तय आधार अवधि की तुलना में सेवा क्षेत्र के उत्पादन की मात्रा में समय के साथ होने वाले बदलावों को मापने के लिए बनाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह सूचकांक समय के साथ अलग-अलग तरह के सेवा उद्योग के वास्तविक उत्पादन में होने वाले बदलावों को मापता है।

समिति का गठन मई 2025 में किया गया

इस समिति का गठन मई, 2025 में किया गया था और इसकी अध्यक्षता नीति आयोग की देबजानी घोष ने की थी। तकनीकी परामर्श समिति में शिक्षा क्षेत्र और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा, सेवा क्षेत्र के मंत्रालयों/विभागों के सदस्य भी शामिल हैं।

अल्पकालिक बदलावों को मापने होगा

मंत्रालय ने बयान में कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि को मापने वाले औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की तरह आईएसपी सेवा क्षेत्र की वृद्धि में अल्पकालिक बदलावों को मापने के लिए एक नया वृहद आर्थिक संकेतक होगा। आईएसपी तैयार करने के लिए तौर-तरीके एक तकनीकी परामर्श समिति के साथ विचार-विमर्श के बाद तय किया गया था।

कई उप-क्षेत्र शामिल होंगे

आईएसपी में थोक और खुदरा व्यापार, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, दूरसंचार, होटल और रेस्तरां, रियल एस्टेट, पेशेवर, वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएं, कला, मनोरंजन आदि जैसे कई उप-क्षेत्र शामिल होंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं जैसे दो उप-क्षेत्रों को भी आईएसपी रूपरेखा में शामिल करने का प्रस्ताव है।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

कुछ समयांतराल पर जब बार-बार हो फीवर

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले एक हफ्ते से शाम ढलते ही मुझे ठंड के साथ बुखार आ जाता है। दवा लेने पर ठीक हो जाता है, लेकिन अगली शाम फिर ऐसा होता है। कृपया बताएं इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-आशुतोष, रायपुर

जैसा आप बता रहे हैं कि आपको रोज शाम को बुखार आ जाता है और दवा लेने के बाद ठीक हो जाता है। इससे ऐसा लग रहा है कि आपको टाइफाइड हो सकता है, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। टाइफाइड को ही मियादी बुखार बोलते हैं, जो एक तय समय पर आता है और उतर जाता है। बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे जांच करके यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि फीवर होने का कारण क्या है, और फिर उसके बाद ट्रीटमेंट ठीक से हो सकेगा।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मेरी जीभ पर अकसर फफोले निकल आते हैं, जिससे खाने-पीने में काफी तकलीफ होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और इसे होने से कैसे रोका जा सकता है?

-मनीष, बलौदा बाजार

कई बार इस तरह की समस्याएं अधिक गर्म खाना खाने से होती हैं, अगर ऐसा आप कर रहे हैं तो उसमें बदलाव करें और अधिक गर्म खाना ना खाएं। अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वे जांच करने के बाद कारण के बारे में बता पाएंगे। फिलहाल आप अधिक मिर्च-मसाले वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। 10-15 दिन के अंतराल पर मुझे लूज मोशन या वॉमिटिंग होती है। जिससे काफी कमजोरी महसूस होती रहती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-हरीश, महेंद्रगढ़

जैसा आप बता रहे हैं, इससे लगता है कि आपको डाइजेशन की समस्या है। इसलिए सबसे पहले आप खान-पान में सुधार करें। अधिक तेल और मिर्च-मसाले वाला खाना ना खाएं। साथ ही साफ पानी पिएं। कई बार बाहर का पानी पीने से भी इंफेक्शन हो जाता है, जिससे इस तरह की समस्याएं दिखती है। आप घर से निकलते समय पानी की बोतल लेकर निकलें। इस तरह बदलाव से आपको आराम मिल सकता है। अगर फिर भी आराम ना मिले तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मेरी गर्दन और कंधे पर बार-बार दाद निकल आता है। इसमें काफी ईचिंग होती है। प्लीज बताएं कि इससे कैसे निजात मिलेगी?

-सौरभ, बिलासपुर

जिन लोगों को अधिक पसीना निकलता है और देर तक सूख नहीं पाता है, उनको इस तरह की समस्याएं हो सकती हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको जहां इचिंग होती है, उस हिस्से में लगातार पसीना पोंछते रहना चाहिए, क्योंकि पसीने की नमी में फंगल इंफेक्शन से ही दाद होती है, जिससे खुजली शुरू होती है। अधिक दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर ऑइंटमेंट लिखवा लें, इससे आराम जल्दी से मिल जाएगा।

मेरी उम्र 52 वर्ष है। मेरे ब्लड टेस्ट में आयरन और विटामिन डी कम है, जबकि विटामिन बी 12 और कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। इसकी क्या वजह हो सकती है? ऐसे में मुझे कैसी डाइट लेनी चाहिए?

-कुलदीप, दुर्ग

विटामिन-डी की कमी शहरों में रहने वाले लोगों को अधिक होती है, क्योंकि उनका धूप में एक्सपोजर कम होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको विटामिन-डी और बी-12 की दवा लेनी चाहिए। साथ ही आप बता रहे हैं कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है और आयरन कम है। बेहतर होगा कि आप डॉक्टर से संपर्क कर लें, वे आपको इसकी मेडिसिन बता देंगे। साथ में डाइटिशियन से भी आपको संपर्क कर लेना चाहिए, वो आपका डाइट चार्ट तैयार कर देंगे, जिसके अनुसार आप डाइट लेंगे तो भविष्य में विटामिन-डी, बी-12 और आयरन बैलेंस रहेंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नवदीप सिंह
प्रिंसिपल-इंडस कॉलेज ऑफ नर्सिंग
खांडा खेड़ी, हिसार

हाल के वर्षों में यंग और मिड एज की महिलाओं में पीएमओएस (पूर्व नाम पीसीओएस) की समस्या काफी देखने को मिल रही है। हालांकि इसके पीछे कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अनबैलेंस्ड लाइफस्टाइल की वजह से यह समस्या ज्यादा बढ़ती है। ऐसे में इससे ग्रस्त महिलाओं को बिना चिंता और डर के इसके स्पेशलिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए, ताकि इसे कंट्रोल किया जा सके। इस बारे में यहां दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

सही ट्रीटमेंट-बैलेंस्ड लाइफस्टाइल से पीएमओएस को कर सकते हैं कंट्रोल

बहुसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम, जिसे पहले पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के नाम से जाना जाता था, अब वैश्विक सहमति के बाद आधिकारिक रूप से पॉलिएंडोक्राइन मेटाबॉलिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीएमओएस) कहलाया जा रहा है। यह नाम परिवर्तन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि यह स्थिति केवल ओवरी की सिस्ट तक सीमित नहीं, बल्कि बहुग्रंथि (पॉलिएंडोक्राइन) हार्मोनल असंतुलन और व्यापक मेटाबॉलिक गड़बड़ी से जुड़ी लॉन्ग पीरियड बीमारी है।

काफी महिलाएं होती हैं प्रभावित

पीएमओएस आज प्रजनन-आयु की महिलाओं में सर्वाधिक पाए जाने वाले हार्मोनल और मेटाबॉलिक रोगों में प्रमुख माना जा रहा है। उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि विश्व-स्तर पर लगभग हर आठ में से एक महिला इससे प्रभावित हो सकती है, जबकि भारतीय अध्ययनों में इसका प्रचलन कई समुदायों में लगभग 3.7 से 22.5 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से गंभीर चेतावनी है।

ऐसे होता है डायग्नोज

2023 की अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य आधारित पीएमओएस गाइडलाइन के अनुसार इस स्वास्थ्य समस्या के निदान के लिए अनियमित या अनुपस्थित ओवुलेशन, एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता के लक्षण तथा अल्ट्रासाउंड में स्पेसिफिक ओवरी इमेज, इन तीन में से कम से कम दो क्राइटेरिया की उपस्थिति आवश्यक मानी जाती है, बशर्ते अन्य कारणों की वैज्ञानिक रूप से जांच कर उन्हें अलग कर दिया गया हो। पीएमओएस को अब केवल एक स्त्री रोग नहीं, बल्कि व्यापक मेटाबॉलिक स्थिति के रूप में स्वीकार किया जा रहा है, जो टाइप 2 डायबिटीज, हाई बीपी, हृदय रोग, फैटी लिवर और कुछ विशिष्ट कैंसरों के बढ़े रिस्क से भी जुड़ी है।

रोग होने के कारण

पीएमओएस के लगातार बढ़ते मामलों के पीछे आनुवंशिक प्रवृत्ति और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसे जैविक कारणों के साथ-साथ आधुनिक जीवनशैली की अनेक अस्वास्थ्यकर आदतें भी जिम्मेदार हैं। इंसुलिन रेजिस्टेंस को पीएमओएस की रोग जनन प्रक्रिया का मेन फैक्टर माना जाता है, जो सामान्य बॉडी मास इंडेक्स (नॉर्मल बीएमआई) वाली महिलाओं में भी पाया जा सकता है। मोटापे और पेट की अधिक चर्बी से यह और अधिक गंभीर हो जाता है। तीव्र शहरीकरण, शारीरिक गतिविधि में कमी, एनर्जीफुल और शुगर रिच डाइट, फास्ट फूड हैबिट, कार्यस्थल और पारिवारिक तनाव, देर रात तक जागने की आदत और अपर्याप्त नींद लेने जैसे कारण, भारतीय शहरी और अर्ध शहरी युवतियों में पीएमओएस होने की आशंका को और बढ़ा रहे हैं।

रोग का उपचार

मेडिकली पीएमओएस का पर्मानेंट ट्रीटमेंट अभी उपलब्ध नहीं है। लेकिन इसमें संदेह नहीं है कि समुचित मेडिसिनल ट्रीटमेंट और डिसिप्लींड लाइफस्टाइल के माध्यम से इसे प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। अधिकांश महिलाएं प्रॉपर लाइफ मैनेजमेंट के साथ नॉर्मल लाइफ जी सकती हैं और मातृत्व सुख भी प्राप्त कर सकती हैं।

ट्रीटमेंट प्रोसीजर

पीएमओएस के ट्रीटमेंट का प्रोसीजर हमेशा व्यक्तिगत होना चाहिए। इसमें पेशेंट की आयु, उसके प्रमुख लक्षण, मेटाबॉलिक रिस्क और प्रेग्नेंसी की इच्छा जैसे प्वाइंट्स को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पीरियड्स को नियमित करने और एंड्रोजन स्तर को नियंत्रित करने के लिए हार्मोनल गर्भनिरोधी मेडिसिंस या प्रोजेस्टिन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और वेट मैनेजमेंट के लिए मेटफॉर्मिन समूह की दवाएं, अनचाहे बाल और मुंहासों के लिए एंटी एंड्रोजन और त्वचा संबंधी उपचार, प्रेग्नेंसी की इच्छा होने पर ओवुलेशन प्रेरित करने वाली दवाएं और आवश्यकता पड़ने पर सहायक रिप्रोडक्शन तकनीक जैसे आज के समय में कई ऑप्शंस उपलब्ध हैं। इन सभी का प्रयोग केवल योग्य स्त्री रोग विशेषज्ञ या एंडोक्राइनोलॉजिस्ट की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

प्रभावी है लाइफस्टाइल मैनेजमेंट

इंटरनेशनल गाइडलाइंस में लाइफस्टाइल मैनेजमेंट यानी जीवनशैली प्रबंधन में विशेष रूप से डाइट, फिजिकल एक्टिविटी और व्यावहारिक परिवर्तन को पीएमओएस का फर्स्ट लेवल ट्रीटमेंट माना गया है। खासकर तब जब पेशेंट का बॉडी वेट सामान्य से अधिक हो। एविडेंस बेस्ड स्टडीज से यह स्पष्ट है कि ओवर बॉडी वेट में मात्र 5-10 प्रतिशत की कमी से भी पीरियड्स की रेग्युलेरिटी, नॉर्मल ओवुलेशन, इंसुलिन सेंसिटिविटी और लिपिड प्रोफाइल में महत्वपूर्ण सुधार प्राप्त किया जा सकता है।

बैलेंस्ड डाइट है लाभकारी

बैलेंस्ड, हाई फाइबर और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला डाइट, जिसमें साबुत अनाज, दालें, ताजी सब्जियां, विभिन्न फल, मेवे (ड्राय फ्रूट्स), बीज और स्वस्थ असंतृप्त वसा (हेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) शामिल हों, पीएमओएस कंट्रोल करने में विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुआ है, जबकि रिफाइंड मैदा, अत्यधिक चीनीयुक्त खाद्य पदार्थ, मीठे पेय, तले-भुने और प्रोसेस्ड फूड्स, इंसुलिन रेजिस्टेंस और निम्न स्तरीय सूजन को बढ़ाते हैं।

महत्वपूर्ण हैं फिजिकल एक्टिविटीज

नियमित शारीरिक गतिविधि, पीएमओएस के लगभग सभी क्लीनिकली रिलेटेड इश्यूज जैसे-बॉडी वेट, पेट की चर्बी, इंसुलिन रेजिस्टेंस, ब्लड प्रेशर, कार्डियो मेटाबॉलिक रिस्क और मेंटल हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। उपलब्ध मेटा विश्लेषण, प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट मीडियम से फास्ट एरोबिक वर्कआउट के साथ सप्ताह में दो या अधिक दिन प्रतिरोधात्मक (रेजिस्टेंस) व्यायाम की सिफारिश करते हैं। संरचित, पर्यवेक्षित व्यायाम कार्यक्रमों (स्ट्रक्चर्ड, सुपरवाइज्ड एक्सरसाइज प्रोग्राम) और उच्च तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण (एचआईआईटी) ने कमर की माप, इंसुलिन सेंसिटिविटी और कार्डियो रेस्पिरेट्री फिटनेस में विशेष लाभ दिखाए हैं।

समग्र रूप से पीएमओएस, 'होल पर्सन केयर' की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जिसमें जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सभी आयामों को समन्वित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इसके लिए डॉक्टर्स, नर्सेज और एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स को सहानुभूतिपूर्ण परामर्श के माध्यम से यह संदेश देना चाहिए कि पीएमओएस किसी व्यक्तिगत गलती का परिणाम नहीं है। यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करने वाली मेडिकल कंडीशन है, जिसे मैनेज-कंट्रोल किया जा सकता है। यदि पेशेंट को समय पर, सही ट्रीटमेंट दी जाए और उसके साथ संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी उपायों को अपनाया जाए तो पीएमओएस के अधिकांश नेगेटिव प्रभावों को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है। *

मेंटल-इमोशनल हेल्थ का रखें ध्यान

आहार और व्यायाम के अतिरिक्त मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य (मेंटल-इमोशनल हेल्थ) पर ध्यान देना भी पीएमओएस (होल पर्सन केयर) प्रबंधन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। तुलनात्मक अध्ययनों में पीएमओएस से प्रभावित महिलाओं में अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (स्ट्रेस), विकृत भोजन आचरण (बैड फूड हैबिट) और नेगेटिव बॉडी इमेज की दर, सामान्य महिलाओं की तुलना में अधिक पाई गई है। इससे उपचार अनुपालन तथा जीवन गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। योग, प्राणायाम, ध्यान और संज्ञानात्मक व्यावहारिक उपचार (कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी) जैसे तरीके तनाव घटाने, नींद सुधारने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। हालांकि उनके रुटीन क्लीनिकल प्रैक्टिस में स्थान को डिफाइन करने के लिए, हाई क्वालिटी रिसर्च की आवश्यकता बनी हुई है।

फिटनेस

संध्या सिंह

इन दिनों के लिए परफेक्ट फिटनेस मंत्रा

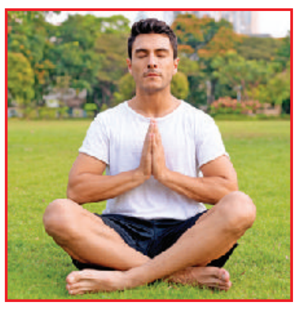

जून महीने के इन अंतिम दिनों में जब जमकर बारिश शुरू नहीं हुई है और वातावरण में उमस भरी बेचैन करने वाली गर्मी है, ऐसे में अपनी फिटनेस को मेंटेन रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सूर्योदय के समय से कुछ देर बाद तक हल्की शारीरिक गतिविधि करें। दिन के समय हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पीएं। दोपहर 11 से 4 बजे के बीच ज्यादा देर तक लगातार धूप में न रहें।

इन दिनों अगर आप यहां बताए जा रहे नियमों का पालन करें तो पूरी तरह से फिट रह सकते हैं। यह नियम न केवल गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाता है बल्कि पूरी तरह से फिट और एक्टिव रखता है। इन दिनों अगर आप सर्दियों जैसी ही हैवी एक्सरसाइज जारी रखते हैं तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है, लगातार थकान बनी रहती है, चक्कर आने लगते हैं, मांसपेशियों में खिंचाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसलिए इस मौसम में फिटनेस का अर्थ केवल कैलोरी बर्न करना नहीं बल्कि शरीर को ठंडा रखना, ऊर्जावान रखना और सुरक्षित रखना भी होता है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

सुबह जल्दी व्यायाम करें: इन दिनों बेहतर है कि आप सुबह पांच बजे व्यायाम के लिए तैयार हो जाएं और साढ़े छ-सात बजे तक व्यायाम पूरा कर लें। इस समय तापमान कम तो रहता ही है, शरीर पर अतिरिक्त दबाव भी नहीं पड़ता। इस दौरान तेजगति से चलना, कुछ आसन, प्राणायाम, हल्की स्ट्रेचिंग और साइकिलिंग फिट रहने के लिए पर्याप्त व्यायाम हैं। इस मौसम में भारी जिम वर्कआउट के बजाय कुछ आसन करना बेहतर विकल्प होता है। खास तौर पर ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, शीतली और शीतकारी प्राणायाम इन दिनों शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखते हुए ठंडक प्रदान करते हैं।

पीते रहें पानी: दिन के समय प्यास लगने का इंतजार न करें बल्कि हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पिएं। सादा पानी, नीबू पानी, छाछ, नारियल पानी, बेल या सत्तू का शर्बत इन दिनों शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाकर रखते हैं।

हल्का आहार: इस मौसम में फिटनेस बनाए रखने के लिए आहार भी हल्का लेना चाहिए। इसलिए खीरा, ककड़ी, खरबूजा, लौकी, तोरी और दही का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इन दिनों तले हुए, ज्यादा मसाले वाले और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। *

अवेयरनेस

डॉ. मोलिशा भंडारी
डर्मेटोलॉजिस्ट, पेसिफिक वन हेल्थ हॉस्पिटल, नई दिल्ली

विटिलिगो एक प्रकार की ऑटोइम्यून डिजीज है, जिसमें स्किन कलर को कंट्रोल करने वाले मेलेनोसाइट्स नष्ट होने लगते हैं। इससे व्हाइट स्पॉट्स दिखने लगते हैं। **वर्ल्ड विटिलिगो डे** (25 जून) के अवसर पर जानिए, इससे जुड़ी बहुत इंपॉर्टेंट इंफॉर्मेशंस।

विटिलिगो को कर सकते हैं कंट्रोल

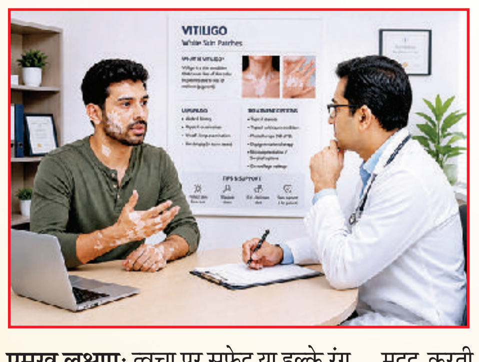

विटिलिगो को सफेद दाग या ल्यूकोडर्मा भी कहते हैं। यह ऐसी बीमारी है, जिसमें त्वचा की रंगत चली जाती है, जिससे सफेद धब्बे बन जाते हैं। विटिलिगो को ऑटोइम्यून बीमारी माना जाता है, जिसका आशय है कि यह समस्या शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा त्वचा की मेलेनोसाइट्स पर हमला करने के कारण होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह तब होता है, जब त्वचा में मेलेनिन नामक पिगमेंट बनाने वाली कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं।

क्या हैं कारण: विटिलिगो के होने का सटीक कारण अज्ञात है। लेकिन कुछ फैक्टर्स इससे रिलेटेड हो सकते हैं।

आनुवंशिक कारक: ऐसे लोगों में विटिलिगो होने की संभावना अधिक होती है, जिनके परिवार में विटिलिगो हो चुका है।

तनाव: कुछ मामलों में अत्यधिक तनाव विटिलिगो को ट्रिगर कर सकता है या इसे और बदतर बना सकता है।

अन्य बीमारियां: थायरॉइड संबंधी समस्याएं, टाइप 1 डायबिटीज और एडिसन रोग आदि भी विटिलिगो की समस्या बढ़ा सकते हैं या उत्पन्न कर सकते हैं।

प्रमुख लक्षण: त्वचा पर सफेद या हल्के रंग के धब्बे शरीर के किसी भी भाग पर हो सकते हैं। आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथों और पैरों पर सफेद धब्बे अधिक दिखाई देते हैं। धब्बे आमतौर पर शरीर के दोनों तरफ दिखाई देते हैं। त्वचा का रंग पैच में बदल जाता है। ऐसे लक्षण दिखने पर डर्मेटोलॉजिस्ट से मिलें।

इलाज के बारे में: विटिलिगो का स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन विभिन्न उपचार विधियों से इस त्वचा रोग को नियंत्रित व प्रबंधित किया जा सकता है, जिनसे त्वचा के रंग को वापस लाया जा सकता है। विटिलिगो के उपचार के विकल्पों में शामिल हैं-

टॉपिकल उपचार: विशेषज्ञ डॉक्टर आमतौर पर टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' या नॉन-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसेंट आदि से उपचार शुरू करते हैं। टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' दवाएं सूजन को कम करने और त्वचा के रंग को वापस लाने में मदद करती हैं। वहीं गैर-स्टेरॉयडल दवाएं, लंबे समय तक उपयोग के लिए बेहतर होती हैं, क्योंकि स्टेरॉयड्स की तुलना में उनके कम दुष्प्रभाव होते हैं, खासकर बच्चों के लिए या शरीर के संवेदनशील भागों के उपचार में।

फोटोथेरेपी: इस थेरेपी के अंतर्गत विशेष प्रकाश किरणों का उपयोग करके त्वचा के विकारों या खामियों को दूर किया जाता है।

दवाएं: अतीत में उपचार के विकल्प काफी कम थे, लेकिन अब ओरल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स से लेकर नए गैर-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसिव और इम्यूनोमॉडुलेटरी दवाओं की लॉन्ग रेंज दवाएं उपलब्ध हैं। दवा का चयन पूरी तरह से त्वचा रोग विशेषज्ञ पर निर्भर करता है। इन दवाओं को नियमित रूप से लेना जरूरी है।

सर्जिकल प्रोसेस: अनेक मामलों में सर्जरी का उपयोग किया जा सकता है, जहां अन्य उपचार असरदार नहीं होते। स्थिर विटिलिगो वाले मरीजों के लिए, पंच ग्राफ्टिंग, सक्शन ब्लिस्टर ग्राफ्टिंग और एडवांस्ड नॉन-कल्चर्ड मेलेनोसाइट सस्पेंशन तकनीक सहित कई सर्जिकल उपचार उपलब्ध हैं। ये सभी प्रोसेस काफी कारगर हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

गलतफहमियों से रहें दूर

मिथः एक गंभीर बीमारी है विटिलिगो।
तथ्यः विटिलिगो गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन यह व्यक्ति के शारीरिक सौंदर्य को प्रभावित कर सकती है।
मिथः विटिलिगो एक संक्रामक रोग है।
तथ्यः विटिलिगो संक्रामक नहीं है। इस कारण यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।
मिथः विटिलिगो कैंसर का कारण बनता है।
तथ्यः विटिलिगो का कैंसर से कोई संबंध नहीं है।
मिथःविटिलिगो केवल गोरी त्वचा वाले लोगों को होता है।
तथ्यः विटिलिगो किसी भी उम्र या किसी भी रंग की त्वचा वाले व्यक्ति को हो सकता है।

गृह निर्माण समिति में चार करोड़ का घोटाला

तत्कालीन लिक्विडेटर के खिलाफ कोर्ट में साढ़े तीन हजार पन्नों का चालान पेश

एक दशक पूर्व भैरव सोसाइटी की घटना

एसीबी, ईओडब्लू ने राजकुमार नायडू के खिलाफ पेश किया चालान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

भैरव सोसाइटी में एक दशक पूर्व 2012 को चार करोड़ रुपए से ज्यादा की आर्थिक गड़बड़ी के मामले में बुधवार को एसीबी, ईओडब्लू की टीम ने तत्कालीन वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक (परिसमापक) राजकुमार नायडू के खिलाफ साढ़े तीन हजार पन्नों का चालान पेश किया है। चालान ईओडब्लू, एसीबी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया है।

आरोप है कि राजकुमार ने भैरव गृह निर्माण समिति एवं राष्ट्रीय खनिज विकास निगम गृह निर्माण समिति रायपुर के परिसमापक के पद पर रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया। उसके द्वारा राष्ट्रीय खनिज विकास निगम गृह निर्माण समिति में निर्धारित प्रक्रिया एवं अधिकार क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप है। चालान में उल्लेख किया गया है कि नायडू ने छलपूर्वक समिति के सदस्यों को आबंटित एवं पंजीकृत 13 भूखंडों के पंजीयन को निरस्त करवाकर एवं नए सदस्य बनाकर उन्हें कलेक्टर दर से कम दर पर विधि विरुद्ध अन्य लोगों को विक्रय किया तथा समिति के रोड रास्ते के लिए संरक्षित भूमि को विक्रय कर करोड़ों रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाई।

एक ही परिवार के तीन लोगों को भूमि आबंटन

गृह निर्माण समिति में विधि विरुद्ध एक ही परिवार के तीन सदस्यों को भूमि आबंटित कर पंजीयन करा दिया गया। समिति के एक सदस्य को भूखंड आबंटित कर विक्रय रकम प्राप्त करने के बाद उक्त आबंटित भूखंड को बिना सूचित किए नये सदस्य के नाम से पंजीयन कराया गया। भूखंड बेचने के बाद आरोपी ने प्राप्त राशि अपने निलंबन की तिथि के बाद संस्था के खाते से आहरित की। इसके बाद उसने उक्त राशि को स्वयं के लिये उपयोग कर 20 लाख रुपए का गबन किया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पुराने भवन में अब फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) का नवा रायपुर में स्थायी कैंपस बनने तक एनआईएफटी रायपुर का संचालन पुराने विधानसभा भवन से किया जा रहा है। नए विधानसभा भवन के नवा रायपुर स्थानांतरित होने के बाद पुराने भवन को फैशन डिजाईनिंग की पढ़ाई के लिए के अस्थायी कैंपस के रूप में उपयोग में लाया जा रहा है। नए शैक्षणिक सत्र से संस्थान ने यहां पर अपना काम शुरू कर दिया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पुराने भवन को अब नए उपयोग के लिए राज्य सरकार ने पुराने विधानसभा परिसर में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एआईएफटी) की गतिविधियां शुरू करने की दिशा में पहल की है। विधानसभा के नए भवन में स्थानांतरण के बाद पुराने भवन के उपयोग को लेकर लंबे समय से विचार किया जा रहा था। विधानसभा सचिवालय ने विधानसभा भवन के खाली होने की सूचना देने के बाद राज्य शासन की पहल पर केंद्रीय संस्थान एनआईएफटी ने पुराने विधानसभा भवन में अपना कार्य प्रारंभ कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का नया एवं अत्याधुनिक भवन नवा रायपुर में स्थापित किया गया है, जिसका लोकार्पण 1 नवंबर 2025 को हुआ था। पुराना विधानसभा भवन खाली होने के बाद इसकी सूचना राज्य सरकार को जनवरी में भेज दी गई थी। इसके बाद पुराने विधानसभा भवन के बेहतर उपयोग की योजना बनाई गई थी। राज्य सरकार का मानना है कि पुराने विधानसभा परिसर में एनआईएफटी के संचालन से भवन का प्रभावी उपयोग होगा तथा प्रदेश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की डिजाइन शिक्षा अपने राज्य में ही उपलब्ध हो सकेगी। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना की औपचारिक घोषणा और मंजूरी 17 अप्रैल 2025 को हुई थी। कैबिनेट की बैठक में नवा रायपुर में एनआईएफटी कैंपस स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 271.18 करोड़ तय की गई थी।

इधर पुलिस ने पति को समझाया, दूसरी ओर पत्नी ने राजभवन मार्ग पर खुद को जलाया

रायपुर। न्याय नहीं मिलने की बात कहते हुए सीएम हाउस के सामने परिवार सहित आत्मदाह करने की धमकी देने वाले परिवार की एक महिला ने चार दिन पूर्व राजभवन से सीएम हाउस जाने वाले मार्ग पर खुदकुशी करने की कोशिश की। महिला ने खुद पर पेट्रोल डाल कर आग लगा ली। मौके पर उपस्थित सुरक्षाकर्मियों ने महिला को बचाने के बाद उपचार के लिए डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार जारी है। आग लगाए जाने की घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में 21 जून शाम छह बजे के करीब की है। अभनपुर, भुरकोनी निवासी पूरन लाल साहू की पत्नी ने खुदकुशी करने की कोशिश की। घटना के एक दिन पूर्व पूरन लाल ने प्रेस क्लब में कांन्फ्रेंस कर बताया था कि पिछले एक वर्ष से गांव के कुछ लोगों ने उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर हुक्का-पानी बंद कर दिया है।

NOTICE MAHADHAN

In order to make the Indian Farmers internationally competitive, Mahadhan Agritech Limited, brings to you the following Imported & Indigenous 100% Water Soluble Mixture of Fertilisers as per order dated 24.10.2015, issued by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India, New Delhi.

Sr. No.	Particulars / Grade	NPK 16-8-34	NPK 8-52-17	NPKFe 0-42-47-2.8	NPKS 30-0-0-5	NPKS 24-0-12-6
1	Moisture percent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
2	Total Nitrogen percent by weight, minimum	16	8	0	30	24
3	Total Phosphorous and water soluble phosphorous (as P_2O_5) percent by weight, minimum	8	52	42	0	0
4	Water Soluble Potassium (as K_2O) percent by weight, minimum	34	17	47	0	12
5	Sulphur (as S) percent by weight, minimum	0	0	0	5	6
6	Ferrous Iron (as Fe) percent by weight, minimum	0	0	2.8	0	0
7	Total Chloride per cent by weight, maximum	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5
8	Matter insoluble in water per cent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
9	Sodium as NaCl percent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
10	Lead (as Pb) per cent by weight, maximum	0.003	0.003	0.003	0.003	0.003
11	Cadmium (as Cd) per cent by weight, maximum	0.0025	0.0025	0.0025	0.0025	0.0025
12	Arsenic (as As) per cent by weight, maximum	0.01	0.01	0.01	0.01	0.01

Salient Features:
1. 100% Water Soluble.
2. Improves quality and yield of the produce.
3. Suitable to use through drip irrigation and foliar application.

Supply and sales of above Mahadhan WSF grades will be done after 30-35 days.

Manufactured / Imported & Marketed by -
MAHADHAN AGRITECH LIMITED
Registered Office : Sai Hira, Survey No. 93, Mundhwa Road, Mundhwa, Pune - 411036, Maharashtra.
www.mahadhan.co.in

नवा रायपुर में बन रहा नया वीआईपी इलाका, विधानसभा और आसपास होगा विकास, 34.56 करोड़ मंजूर

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ की नई राजधानी नवा रायपुर अब केवल एक योजनाबद्ध स्मार्ट सिटी नहीं रह गई है, बल्कि तेजी से राज्य के नए वीआईपी और प्रशासनिक केंद्र के रूप में विकसित हो रही है। इसी दिशा में राज्य सरकार ने नवनिर्मित विधानसभा, वीवीआईपी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जल आपूर्ति के बुनियादी ढांचे के विकास एवं उन्नयन के लिए 34 करोड़ 56 लाख 86 हजार रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

राज्य स्तर के सभी महत्वपूर्ण कार्यालय, संस्थान हैं यहां, राजधानी के दूसरे चरण की तैयारी, क्यों बन रहा है नवा रायपुर नया वीआईपी क्षेत्र?

आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह राशि नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) को उपलब्ध कराई जाएगी। धनराशि का उपयोग नई विधानसभा और वीआईपी क्षेत्र सहित अन्य महत्वपूर्ण परिसरों में जलापूर्ति नेटवर्क को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। विभाग द्वारा जारी आदेश में विधानसभा और उसके आसपास के इलाके को वीआईपी क्षेत्र कहा गया है।

पिछले कुछ वर्षों में राज्य सरकार ने प्रशासनिक और संवैधानिक संस्थानों को चरणबद्ध तरीके से नवा रायपुर में विकसित करने की रणनीति अपनाई है। नई विधानसभा भवन पहले ही तैयार हो चुका है और भविष्य में राज्यपाल के नए राजभवन, मुख्यमंत्री निवास, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के आवासीय परिसरों के विकास की योजनाएं भी इसी क्षेत्र के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं। नवा रायपुर में पहले से मौजूद हैं कई प्रमुख संस्थाननवा रायपुर में पहले ही राज्य और राष्ट्रीय स्तर की कई महत्वपूर्ण संस्थाएं स्थापित हो चुकी हैं। इनमें मंत्रालय महानदी भवन, विभागाध्यक्ष कार्यालय, पुलिस मुख्यालय, इंद्रावती भवन, जंगल सफारी, शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) का परिसर तथा विभिन्न सरकारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान शामिल हैं।इसके अलावा केंद्रीय और राज्य स्तरीय कार्यालयों के लगातार स्थानांतरण से नवा रायपुर का प्रशासनिक महत्व लगातार बढ़ रहा है। जानकारों का मानना है कि नई विधानसभा के निर्माण के बाद नवा रायपुर के विकास का दूसरा चरण शुरू हो चुका है। अब सरकार का ध्यान केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन सभी आधारभूत सुविधाओं के विकास पर है जो किसी राजधानी क्षेत्र को पूर्ण रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक होती हैं। जलापूर्ति परियोजना के लिए स्वीकृत 34.56 करोड़ रुपये इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। इससे भविष्य में बढ़ने वाली आबादी, सरकारी कार्यालयों और वीआईपी परिसरों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जाएगा।

राजधानी का केंद्र बदलने की दिशा में बड़ा संकेत

राज्य सरकार के हालिया निवेश और परियोजनाओं को देखें तो संकेत साफ हैं कि आने वाले वर्षों में नवा रायपुर ही छत्तीसगढ़ की वास्तविक प्रशासनिक राजधानी के रूप में उभरेगा। नई विधानसभा, निर्माणाधीन राजभवन, मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों के आवास तथा लगातार बढ़ते सरकारी संस्थानों की मौजूदगी इसे राज्य का सबसे महत्वपूर्ण वीआईपी और प्रशासनिक क्षेत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

उद्योग मंत्री ने 'सहयोग केंद्र' में सुनी कार्यकर्ताओं की समस्याएं

रायपुर। प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में 'सहयोग केंद' पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनकी विभिन्न समस्याओं व शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कार्यकर्ताओं की मांगों और जनसमस्याओं के आवेदन स्वीकार करते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित व समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। मंत्री ने इस दौरान कहा, कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान करना और जनता को राहत पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'सहयोग केंद्र' में जनसुनवाई के इस कार्यक्रम के दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, सहयोग केन्द्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने और प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज उपस्थित थे।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
www.cghb.gov.in

आवासीय एवं व्यवसायिक भवन/भूखण्ड प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

www.cghb.gov.in → ONLINE BOOKING → BOOK PROPERTY ONLINE

बुकिंग की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2026

सबके लिए आवास

कोहका तिल्दा, रायपुर में प्रस्तावित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
1	एम. आई. जी.-। (2 बी. एच. के.)	1694.70	904.38	735.02	32.11	3.21
2	एल. आई. जी. (2 बी. एच. के.)	1063.09	604.17	523.37	19.05	0.50
3	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी. एच. के.)	591.80	359.81	299.56	9.35	0.25

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

भुरकोनी, रायपुर में प्रस्तावित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
4	एल. आई. जी. (2 बी. एच. के.)	1063.08	595.35	523.37	20.56	0.50
5	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी. एच. के.)	591.80	373.16	319.36	9.71	0.25

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

बंसुला बसना, जिला-महासमुंद में प्रस्तावित स्वतंत्र आवास योजना अंतर्गत ई.डब्ल्यू.एस. भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
6	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी. एच. के.)	553.17	343.00	307.74	10.66	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9302712623, 9479179131, 9893719882, 9074644266, 7697192220, 7354147254

अर्जुनी, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा में निर्मित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
7	जूनि. एम. आई. जी. -।। (2 बी. एच. के.)	1936.26	982.90	717.05	27.70	2.77

सम्पर्क सूत्र - 9302712623, 9479179131, 9893719882, 9074644266, 7697192220, 7354147254

मचेवा, जिला-महासमुंद में निर्मित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
8	जूनि. एम. आई. जी. -। (3 बी. एच. के.)	1533.30	1212.43	-	32.87	3.28

सम्पर्क सूत्र - 9302712623, 9479179131, 9893719882, 9074644266, 7697192220, 7354147254

परसदा कुम्हारी में प्रस्तावित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
9	एच. आई. जी. -।। (स्वतंत्र भवन 2 बी.एच.के.)	2517.84	1127.10	964.09	43.23 से 44.56	4.32 से 4.46
10	सिनि. एम. आई. जी. -।। (स्वतंत्र भवन 2 बी.एच.के.)	2041.71	1076.00	865.31	35.20 से 36.23	3.52 से 3.62
11	जूनि. एम. आई. जी. -।। (स्वतंत्र भवन 2 बी.एच.के.)	1507.70	982.92	752.87	30.91 से 31.93	3.09 से 3.19

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 7024101786, 9425577575, 9827999119, 9424284256

पुलगांव, जिला-दुर्ग फेस-।। में प्रस्तावित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन एवं दुकान उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
12	एम. आई. जी. डुप्लेक्स (2 बी.एच.के.)	1549.44	1395.14	1262.47	65.23	6.52
13	एल. आई. जी. (स्वतंत्र भवन 2 बी.एच.के.)	968.40	580.60	551.56	31.83	0.50
14	कियोस्क दुकान	-	159.78	159.78	17.28	1.73

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 7024101786, 9425577575, 9827999119, 9424284256

तालपुरी ब्लॉक बी में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन एवं हॉल उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
15	जूही एल. आई. जी. फ्लैट्स (2 बी. एच. के.)	658.62	551.57	17.79	0.50
16	पारिजात ई. डब्ल्यू. एस. फ्लैट (1 बी. एच. के.)	358.09	234.59	3.91 से 4.89	0.25
17	ऑफिस हॉल	827.77	827.77	54.47	5.45

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 8770579721, 9827999119, 9424284256

चॉदनी चौक, जगदलपुर में निर्माणाधीन रिडेव्हलपमेंट योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
18	एच. आई. जी. (जी+5) (2 बी.एच.के.)	1263.01	884.11	45.75	4.58
19	एम. आई. जी. (जी+5) (2 बी.एच.के.)	923.64 से 934.61	646.55 से 654.23	34.15 से 34.45	3.42 से 3.45
20	एम. आई. जी. (जी+6) (2 बी.एच.के.)	923.64 से 940.75	646.55 से 658.52	34.10 से 35.15	3.41 से 3.52

सम्पर्क सूत्र - 9993233629, 96302 28540, 70006 28523, 99933 35774

चोकावाड़ा, जगदलपुर में निर्मित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
21	एच. आई. जी. (2 बी. एच. के.)	2517.84	1239.01	867.31	41.62	4.16
22	सिनि. एम. आई. जी. (2 बी. एच. के.)	2041.71	1076.00	753.20	35.05	3.51

सम्पर्क सूत्र - 9993233629, 96302 28540, 70006 28523, 99933 35774

हाटकचोरा, जगदलपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
23	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी. एच. के.)	348.95	244.26	9.59	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9993233629, 96302 28540, 70006 28523, 99933 35774

पंडरीपानी, जगदलपुर में निर्मित अटल विहार योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
24	एल. आई. जी. प्रकोष्ठ (2 बी. एच. के.)	656.36	459.45	17.44	0.50
25	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी. एच. के.)	386.07	270.25	7.41	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9993233629, 96302 28540, 70006 28523, 99933 35774

अघनपुर, जगदलपुर में निर्मित व्यवसायिक दुकान उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	दुकान का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
26	दुकान	337.43 से 429.43	236.20 से 300.60	17.36 से 19.62	1.74 से 1.96

सम्पर्क सूत्र - 9993233629, 96302 28540, 70006 28523, 99933 35774

रतनपुर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
27	एच. आई. जी. (3 बी. एच. के.)	2324.16	1565.47	1333.46	42.42	4.24
28	एल. आई. जी. (1 बी. एच. के.)	968.04	592.66	558.87	14.82	0.50

सम्पर्क सूत्र - 7587231214, 8103002219, 9993361859, 7000508808, 8103618401, 8269571504

झगरहा, जिला-कोरबा में निर्मित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
29	एच. आई. जी. -। (3 बी. एच. के.)	1907.75 से 2942.00	1645.00	1379.00	45.40 से 60.60	4.54 से 6.06

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

जांजगीर चांपा में निर्माणाधीन हसदेव विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
30	एम. आई. जी. डुप्लेक्स (2 बी. एच. के.)	1223.95	1076.00	522.29	45.50	4.55

सम्पर्क सूत्र - 7987816291, 9407934008, 7089553050

झगरहा, कोरबा में अटल विहार योजना अंतर्गत व्यवसायिक भूखण्ड उपलब्ध

स.क्रं.	उपलब्ध भूखण्ड का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भूखण्ड का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
31	व्यवसायिक भूखण्ड	4564.39	95.26	9.52

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

बारगरी, चारामा में अटल विहार योजना में व्यवसायिक भूखण्ड उपलब्ध

स.क्रं.	उपलब्ध भूखण्ड का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भूखण्ड का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
32	व्यवसायिक भूखण्ड	4734.43	25.25	2.53

सम्पर्क सूत्र - 8109135551, 7725067027, 8319110750, 9399584208

कराठी, भानुप्रतापपुर में अटल आवास योजना में व्यवसायिक भूखण्ड उपलब्ध

स.क्रं.	उपलब्ध भूखण्डो का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भूखण्ड का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
33	व्यवसायिक भूखण्ड	1550.00	7.65	0.77
34	व्यवसायिक भूखण्ड	1743.76	8.53	0.85

सम्पर्क सूत्र - 8109135551, 7725067027,8319110750, 9399584208

नियम एवं शर्तें : 1. धरोहर राशि ऑनलाईन पेमेंट गेटवे के माध्यम से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यू.पी.आई., आर.टी.जी.एस. एन.ई.एफ.टी. द्वारा जमा किया जा सकता है। 2. स. क्र. 1 से 6, 9 से 14, 18 से 20, 27 से 28, 30 तक के भवन/दुकान का आबंटन स्ववित्तीय ऑफर आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से किया जाएगा। 3. स. क्र. 7, 8, 15 से 17, 21 से 26, 29, 31 से 34 के भवन/ऑफिस हॉल/दुकान/भूखण्ड का आबंटन "जहाँ है जैसा है" की स्थिति में एकमुश्त ऑफर आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से किया जाएगा। 4. ऑफसेट मूल्य से अधिक ऑफर प्रत्येक 15 दिवस में प्राप्त किया जाएगा जिन हितग्राहियों द्वारा भुगतान हेतु चालान के माध्यम से आर.टी.जी.एस., एन.ई.एफ.टी. का विकल्प चयन किया जाएगा, उन्हे एक अतिरिक्त बैंकिंग कार्य दिवस भुगतान हेतु प्रदान किया जाएगा। तदुपरांत आगामी कार्य दिवस में ऑफर खोला जाएगा। अवकाश होने की स्थिति में ऑफर अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। 5. ऑनलाईन ऑफर आवेदन केवल मण्डल की वेबसाईट : www.cghb.gov.in के माध्यम से किया जा सकता है। 6. उपरोक्त भवनों के दर्शित मूल्य स्टैंडर्ड है, बैटर लोकेशन, कार्नर तथा अतिरिक्त भूखण्ड की स्थिति में मूल्य नियमानुसार अधिक होंगे, भवनों के वास्तविक मूल्य बुकिंग पोर्टल से देखे जा सकते है। 7. अन्य नियम एवं शर्ते आवेदन पत्र में उल्लेख अनुसार मान्य होगा। 8. अधिक जानकारी हेतु संबंधित संपदा अधिकारी/कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र कार्यालय में सम्पर्क करें या विजीट करें मण्डल की वेबसाईट : www.cghb.gov.in

टोल फ्री नंबर 1800 121 6313
अधिक जानकारी के लिए विजीट करें www.cghb.gov.in

"हितग्राहियों की संतुष्टि...हमारा उद्देश्य"

सबके घर की आस, सबके लिए आवास, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल पर सबका विश्वास

follow us on : Facebook Instagram Twitter

अधिक जानकारी के लिये स्कैन करें

रीवा का किराया 3656, जगदलपुर 4500, इसलिए खत्म नहीं हो रहा हवाई यात्रियों का टोटा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

जगदलपुर-रायपुर को हवाई मार्ग से जोड़ने वाली अलायंस एयर की फ्लाइट में यात्रियों का टोटा खत्म ही नहीं हो पा रहा है। आने वाले दो-तीन महीनों में इसका संचालन हैदराबाद-जगदलपुर तक सीमित हो सकता है और रायपुर से संपर्क टूट हो सकता है। दोनों शहरों के बीच यात्रियों की संख्या कम होने की बड़ी वजह ज्यादा किराया है। रीवा के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट का फेयर 3656 है, वहीं जगदलपुर का किराया 4500 देना पड़ता है। रीवा-रायपुर प्लाइट को बेहतर रिस्पांस मिल रहा है और हर उड़ान में साठ फीसदी तक यात्री सफर कर रहे हैं। क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत जगदलपुर-रायपुर-जगदलपुर फ्लाइट की योजना कारगर नहीं हो पा रही है। पूर्व की दो कोशिशों की तरह इस बार भी एयरलाइंस कंपनी को इस सेक्टर में यात्री संकट का सामना करना पड़ रहा है। विमानन कंपनी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इस 72 सीटर फ्लाइट में कई बार 2 से 3 यात्री ही अपना सफर पूरा कर रहे हैं। इसकी वजह से फ्लाइट के फ्यूल का खर्च भी निकालना मुश्किल हो रहा है। यह फ्लाइट हैदराबाद से जगदलपुर के बीच भी आवाजाही करती है, जिसमें पर्याप्त संख्या में यात्री रहते हैं, जबकि रायपुर कनेक्टिविटी के दौरान इनकी संख्या दहाई तक भी बहुत कम पहुंचती है। आशंका जताई जा रही है कि घाटे का सौदा होने की वजह से इस फ्लाइट का संचालन अगले दो से तीन महीने में हैदराबाद-जगदलपुर के बीच सिमट जाएगा। इधर सूत्रों का कहना है कि यात्रियों की संख्या बेहद कम होने की बड़ी वजह इसका ज्यादा किराया है। रायपुर-जगदलपुर का किराया 4500 है, वहीं इससे ज्यादा दूरी वाले रायपुर-रीवा के लिए यात्रियों को 3656 रुपए की खर्च करने पड़ रहे हैं।

कमियां दूर करने के दावों पर 'पॉजिटिव रिस्पांस', नए मेडिकल कालेजों तक पहुंचेगी एनएमसी की टीम

कबीरधाम, जांजगीर, मनेन्द्रगढ़, दंतेवाड़ा और कुनकुरी में खोलना है मेडिकल कालेज

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

शुरुआती आवेदन पर गिनाई गई कमियों को दूर करने के दावों पर चिकित्सा शिक्षा विभाग को प्रस्तावित नए मेडिकल कालेज के मामले में राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद से पॉजिटिव रिस्पांस मिला है। संभावना है कि आने वाले दिनों में एनएमसी की टीम इन निरीक्षण के लिए इन कालेजों तक पहुंच सकती है। इन कालेजों को अगर एनएमसी मान्यता दे देती है तो अगस्त-सितंबर में होने वाले एडमिशन के दौरान एमबीबीएस सीटों का इजाफा हो जाएगा है।

राज्य में कबीरधाम, जांजगीर-चांपा, मनेंद्रगढ़, दंतेवाड़ा और कुनकुरी में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खोला जाना है। इनमें एक कालेज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, दूसरा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और तीसरा गृहमंत्री विजय शर्मा का क्षेत्र है। यहां चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए मेडिकल कालेज खोलने शासन की महत्वकांक्षी योजना है। एनएमसी से इन कालेजों की मान्यता हासिल करने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से निरीक्षण के लिए एनएमसी को आवेदन किया गया था। इस दौरान विभिन्न कमियों को गिनाकर पांचों कालेजों के आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए थे। इससे स्वास्थ्य विभाग समेत राज्य शासन को बड़ा झटका लगा था। इसके बाद कमियों को दूर करने के लिए हाईलेवल पर काम शुरू किया गया। स्वयं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल दिलचस्पी दिखाते हुए कालेजों के निर्माण कार्यों का जाकर निरीक्षण करते हैं। दावा किया गया है कि सभी कालेजों के आवश्यक निर्माण समय-सीमा पर पूरा कर लिया जाएगा। इस आधार पर गिनाई गई कमियों को दूर करने के दावे के साथ एनएमसी को सूचना भेजी। सूत्रों के अनुसार जानकारी लेकर चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े कुछ अफसर काफी दिनों तक दिल्ली तक पहुंचे। दावा किया जा रहा है कि इस बार राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद की ओर से पॉजिटिव रिएक्शन मिला है। आने वाले दिनों में कालेज का निरीक्षण किए जाने के बाद एमबीबीएस कोर्स के लिए इन्हें मान्यता भी मिलने की गुंजाइश है। इन कालेजों को अगर एनएमसी से मान्यता मिल जाती है तो अगस्त-सितंबर में शुरू होने वाली काउंसिलिंग के दौरान राज्य में एमबीबीएस की शासकीय सीटों की संख्या ढाई सौ बढ़ जाएगी। साथ ही शासकीय कालेजों की संख्या भी दस से बढ़कर 15 हो जाएगी। पचास-पचास सीटों के साथ कालेजों को मान्यता मिलने से ज्यादा छात्रों को चिकित्सा की पढ़ाई करने का मौका मिल सकेगा। इसके अलावा राज्य में पांच प्रायवेट मेडिकल कालेजों में साढ़े सात सौ के लगभग एमबीबीएस की सीट मौजूद है।

इन मेडिकल कालेजों के खुलने से संबंधित क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा का विस्तार होगा। कालेजों में संचालित होने वाले विभिन्न विभागों में चिकित्सा शिक्षक (डाक्टरों) की नियुक्ति होगी। इससे स्थानीय मरीजों को अपने मर्ज की दवा के लिए लंबा सफर तय नहीं करना होगा। अभी दंतेवाड़ा के जिस इलाके में मेडिकल कालेज प्रस्तावित है वहां के मरीजों को अपने इलाज के लिए जगदलपुर मेडिकल कालेज तक का सफर करना पड़ता है। कालेज प्रारंभ होने के बाद वहां के लोगों की समस्या समाप्त हो जाएगी।

कमियां दूर कर भेज दी गई जानकारी

मान्यता के आवेदन पर कमियां बताना रूटीन प्रक्रिया है। खामियों को दूर कर एनएमसी को इसकी सूचना भेजी जा चुकी है। सभी कालेजों से संबंधित कार्य अपनी समय-सीमा पर पूरा किया जाएगा। नए मेडिकल कालेज से स्वास्थ्य सुविधा और चिकित्सा शिक्षा का विस्तार होगा।

- श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री \

तकनीकी आधार पर न्याय से नहीं कर सकते वंचित, राजस्व मंडल को मामला वापस

सुदूर वनाचंल क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण आदिवासियों के बेदखली का मामला

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

हाईकोर्ट ने विधिक प्रक्रिया और समय-सीमा को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि सुदूर व वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले कम पढ़े-लिखे और आदिवासी वर्ग के लोग पूरी तरह अपने वकीलों पर निर्भर होते हैं। नियमित संपर्क न होने के कारण समय पर अपील या पुनरीक्षण याचिका दायर नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति में उनकी घोर लापरवाही मानकर तकनीकी आधार पर उनका मामला खारिज नहीं किया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट के जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल के सिंगल बेंच ने इस टिप्पणी के साथ छग राजस्व मंडल बिलासपुर के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसके तहत ग्रामीणों की विलंब से दायर याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने मामले को दोबारा राजस्व मंडल को सौंपते हुए इसे गुण-दोष के आधार पर तय करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि समय-सीमा में छूट देने से जुड़े कानून का मूल उद्देश्य जन-कल्याण और न्याय सुनिश्चित करना है न कि तकनीकी आधार पर किसी का हक मारना। राजस्व मंडल का यह निष्कर्ष कि ग्रामीणों ने खुद लापरवाही की, कानूनन टिकने योग्य नहीं है। कोर्ट ने रिट याचिका को मंजूर करते हुए मामले को वापस राजस्व मंडल को भेज दिया है। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनकर कानून सम्मत अंतिम फैसला सुनाने का निर्देश राजस्व मंडल को दिया है।

मामला इस तरह है कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के मरियमपारा निवासी कोदिया उरांव और अन्य 6 ग्रामीणों के खिलाफ तहसीलदार द्वारा बेदखली की कार्रवाई शुरू की गई थी। ग्रामीण लंबे समय से वहां मकान बनाकर रह रहे हैं। तहसीलदार के आदेश के खिलाफ ग्रामीणों ने कमिश्नर सरगुजा संभाग के समक्ष अपील पेश की थी। सुनवाई के बाद कमिश्नर कोर्ट ने 21 जुलाई 2025 को तहसीलदार के निर्णय को सही ठहराते हुए ग्रामीणों के खिलाफ फैसला सुनाया। ग्रामीण अनपढ़ और दूरस्थ क्षेत्र के होने के कारण इस फैसले से अनजान रहे और जब प्रशासन उनके मकानों को तोड़ने पहुंचा तब जनवरी 2026 में उन्हें कमिश्नर कोर्ट के फैसले की जानकारी हुई।

हाईकोर्ट में दी गई थी चुनौती

कमिश्नर कोर्ट के फैसले के खिलाफ ग्रामीणों ने बिलासपुर राजस्व मंडल में पुनरीक्षण याचिका दायर की। कमिश्नर कोर्ट का आदेश पुनरीक्षण याचिका दायर करने के सात महिने पहले आ गया था। इसलिए लिमिटेशन एक्ट की धारा 5 के तहत देरी की माफी के लिए ग्रामीणों ने आवेदन दिया और पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए सुनवाई की मांग की। राजस्व मंडल ने 9 मार्च को यह कहते हुए अर्जी खारिज कर दी कि ग्रामीणों ने अपने वकीलों से अपने केस की वस्तुस्थिति के बारे में जानने की कोशिश ही नहीं की, इसे लापरवाही दर्शाते हुए पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया। इस पर कमिश्नर कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए ग्रामीणों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता आदिवासी समाज के गरीब और निरक्षर लोग हैं। वे सुदूर इलाके में रहते हैं और पूरी तरह वकील पर आश्रित थे जैसे ही उन्हें बेदखली की भनक लगी, वे लोग राजस्व मंडल पहुंचे। मामला उनके आशियाने से जुड़ा है इसलिए उन्हें केवल तकनीकी आधार पर न्याय से वंचित न किया जाए।

हाईकोर्ट ने शिक्षाकर्मियों के पेंशन मामले में सरकार को स्पष्ट नीति बनाने दिए निर्देश

बिलासपुर। शिक्षाकर्मियों की पेंशन पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला आया है। कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर स्पष्ट नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने शिक्षाकर्मी से शिक्षक एलबी संवर्ग में समाहित कर्मचारियों की पेंशन पात्रता से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में राज्य सरकार को बड़ा झटका दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की रिट अपील खारिज करते हुए सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सिंगल बेंच ने सरकार की नीति में हस्तक्षेप नहीं किया था बल्कि शासन को इस मुद्दे पर स्पष्ट और न्यायसंगत नीति बनाने का अवसर दिया था। शिक्षाकर्मियों ने पेंशन पात्रता को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि उन्होंने वर्षों तक शिक्षाकर्मी के रूप में सेवा दी और बाद में 1 जुलाई 2018 को स्कूल शिक्षा विभाग में नियमित शासकीय सेवा में समाहित किए गए। सरकार उनकी पेंशन पात्रता के लिए सेवा अवधि की गणना केवल समावेशन की तिथि से कर रही थी। ऐसे में कई शिक्षक, शिक्षाकर्मी के रूप में एक दशक से अधिक सेवा देने के बावजूद पेंशन के लिए आवश्यक 10 वर्ष की सेवा पूरी नहीं कर पा रहे थे। 23 जनवरी 2026 को सिंगल बेंच ने मामले का निपटारा करते हुए राज्य सरकार को इस विषय पर व्यापक और स्पष्ट नीति बनाने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि पेंशन एक कल्याणकारी व्यवस्था है और शिक्षाकर्मियों द्वारा वर्षों तक दी गई सेवाओं को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सिंगल बेंच ने सरकार को समानता, निष्पक्षता और न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए यह तय करने को कहा था कि शिक्षाकर्मियों की पूर्व सेवा को पेंशन गणना में किस सीमा तक शामिल किया जाए।

राज्य सरकार ने की थी अपील

राज्य सरकार ने इस आदेश को चुनौती देते हुए डिवीजन बेंच में रिट अपील दायर की थी। सरकार का तर्क था कि यह मुद्दा पहले ही तय हो चुका है और सिंगल बेंच का आदेश पुराने मामलों को दोबारा खोलने जैसा है। हालांकि डिवीजन बेंच ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि सिंगल बेंच ने न तो सीधे पेंशन देने का आदेश दिया था और न ही किसी नीति में बदलाव किया था। उन्होंने केवल सरकार को मामले पर पुनर्विचार करने और स्पष्ट नीति बनाने का सुझाव दिया था। डिवीजन बेंच ने कहा कि यह किसी एक कर्मचारी का मामला नहीं है बल्कि शिक्षाकर्मियों के बड़े वर्ग से जुड़ा व्यापक प्रशासनिक मुद्दा है। इस विषय पर स्पष्ट नीति नहीं होने के कारण लगातार मुकदमेबाजी बढ़ रही है। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार यदि इस संबंध में पारदर्शी और तर्कसंगत नीति बनाती है तो प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ेगी और भविष्य में ऐसे विवादों में कमी आएगी।

एनडीपीएस के आरोपी सुनवाई से बचने कर रहे बेल जंप, 15 दिन में 12 आरोपी दूसरे राज्य से किए गए गिरफ्तार

- पुलिस, कोर्ट की सख्ती से बेदम हुए एनडीपीएस के आरोपी, एनडीपीएस के प्रकरण में हर दो दिन में तीन को मिल रही सजा

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

एनडीपीएस के प्रकरणों में पुलिस के साथ कोर्ट की सख्ती से आरोपी सहमे हुए हैं। आरोपी सुनवाई से बचने बेल जंप कर सुनवाई में नहीं पहुंच रहे। पुलिस की मॉनिटरिंग टीम ने पिछले 15 दिनों में अलग-अलग राज्यों से बेल जंप के 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर उनकी जमानत रद्द करवाई है।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर साक्षियों की समयबद्ध उपस्थिति, समन एवं वारंट की प्रभावी तामिली तथा बेल जंप कर फरार हुए आरोपियों की गिरफ्तारी पर विशेष फोकस किया जा रहा है। पुलिस द्वारा किए गए सतत प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2026 में मई तक एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित कुल 128 प्रकरणों में 198 दोषियों को सजा सुनाई जा चुकी है। विशेष न्यायाधीश पंकज सिन्हा की कोर्ट में 52, किरण थवाइत की कोर्ट में 63 तथा शैलेष शर्मा के न्यायालय में 13 एनडीपीएस प्रकरणों में 198 आरोपियों को सजा सुनाई जा चुकी है।

साक्षियों की मॉनिटरिंग

विशेष व्यवस्था के तहत प्रत्येक प्रकरण के साक्षियों की सूची तैयार कर यह सुनिश्चित किया गया कि निर्धारित पेशी तिथि पर सभी आवश्यक साक्षी न्यायालय में उपस्थित रहें। समन एवं वारंट की समय पर तामिली, साक्षियों से सतत संपर्क, उनकी उपस्थिति संबंधी समन्वय तथा न्यायालयीन तिथियों की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। इस कारण कई लंबित प्रकरणों का विचारण तेजी से पूर्ण हो सका। मॉनिटरिंग से न्यायालयों में साक्ष्य दर्ज होने की प्रक्रिया में तेजी आई है।

कोर्ट में सुनवाई का डेटा चार्ट जनवरी से मई

- पंकज सिन्हा - 31 प्रकरण में 44 आरोपियों को 10 वर्ष से कम की सजा
- 13 प्रकरण में 18 आरोपियों को 10 वर्ष की सजा
- 08 प्रकरण में 19 आरोपियों को 10 वर्ष से अधिक सजा
- किरण थवाईत - 35 प्रकरण में 40 आरोपियों को 10 वर्ष से कम की सजा
- 07 प्रकरण में 13 आरोपियों को 10 वर्ष से की सजा
- 21 प्रकरण में 40 आरोपियों को 10 वर्ष से अधिक सजा
- शैलेश शर्मा -05 प्रकरण में 08 आरोपियों को 10 वर्ष से कम की सजा
- 03 प्रकरण में 06 आरोपियों को 10 वर्ष की सजा
- 05 प्रकरण में 10 आरोपियों को 10 वर्ष से अधिक की सजा

पुनर्मूल्यांकन से असंतुष्ट छात्र क्षेत्रीय कार्यालय में जंचवा सकेंगे उत्तरपुस्तिका

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट को लेकर अगर किसी छात्र के मन में अब भी कोई सवाल है, तो उसके लिए राहत की खबर है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस साल पहली बार छात्रों को एक अतिरिक्त मौका देने का फैसला किया है। अब छात्र सीधे सीबीएसई के क्षेत्रीय कार्यालय जाकर अपनी उत्तर पुस्तिका की जांच करवा सकेंगे। यह कदम बोर्ड परीक्षा की मूल्यांकन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। सीबीएसई ने साफ किया है कि यह सुविधा सभी छात्रों के लिए नहीं होगी।

इसका लाभ केवल उन विद्यार्थियों को मिलेगा जिन्होंने पहले अपने अंकों के वेरिफिकेशन के लिए आवेदन किया था और जिनका परिणाम नो चेंज आया है यानी जिन छात्रों ने उत्तर पुस्तिका की दोबारा जांच के लिए आवेदन किया था, लेकिन जांच के बाद उनके अंकों में कोई बदलाव नहीं हुआ। वे अब एक और स्तर पर अपनी कॉपी की जांच करवा सकेंगे। बोर्ड का मानना है, उत्तर पुस्तिका की फिजिकल जांच की अनुमति देने से मूल्यांकन प्रक्रिया पहले की तुलना में ज्यादा पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी। जिन छात्रों को अपने अंकों को लेकर अब भी संदेह है, उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है।

सीबीएसई ने एक आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर बताया है कि ऐसे छात्र चाहें तो संबंधित रीजनल ऑफिस में जाकर अपनी आंसर बुक की फिजिकल जांच करवा सकते हैं। बोर्ड जल्द ही इसके लिए विस्तृत शेड्यूल और प्रक्रिया जारी करेगा। यह व्यवस्था पहली बार लागू की गई है। इससे पहले वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद छात्रों को अपनी कॉपी की फिजिकल जांच कराने का कोई विकल्प नहीं मिलता था।

इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि छात्रों को अपने रिजल्ट को लेकर अधिक स्पष्टता मिलेगी। कई बार छात्र यह मानते हैं कि उनकी कॉपी की जांच में कोई गलती हुई है, लेकिन वेरिफिकेशन के बाद भी जब अंक नहीं बदलते तो उनके पास आगे कोई विकल्प नहीं बचता था। अब ऐसे छात्र सीधे बोर्ड कार्यालय में जाकर प्रक्रिया को समझ सकेंगे और अपनी शंकाओं का समाधान कर पाएंगे। इधर, सीबीएसई ने कक्षा 12वीं के री-इवैल्यूएशन के नतीजे भी जारी करने शुरू कर दिए हैं। जिन छात्रों ने री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन किया था, वे अब अपना अपडेटेड रिजल्ट देख सकते हैं। बोर्ड के अनुसार री-इवैल्यूएशन और वेरिफिकेशन के नतीजे एक साथ नहीं बल्कि चरणबद्ध तरीके से जारी किए जा रहे हैं। बोर्ड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि अब तक प्राप्त आवेदनों में से 87 प्रतिशत से ज्यादा के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। शेष आवेदनों की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी की जा रही है और जल्द ही बाकी छात्रों के परिणाम भी उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

रायपुर ग्रामीण में आरआई की नियुक्ति वैभव मिश्रा को मिली जिम्मेदारी

रायपुर। पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने रायपुर ग्रामीण में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए रक्षित निरीक्षक (आरआई) की नियुक्ति की है। यह जिम्मेदारी निरीक्षक वैभव मिश्रा को सौंपी गई है। इस संबंध में मंगलवार को आदेश जारी हुआ है। शहर के अलावा रायपुर ग्रामीण थाना क्षेत्रों में भी अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने अब ग्रामीण क्षेत्र में भी कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आरआई की नियुक्ति की है। जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक वैभव मिश्रा वर्तमान में पुलिस कमिश्नरेट रायपुर में पदस्थ थे। अब रायपुर ग्रामीण क्षेत्र में वीआईपी और महत्वपूर्ण व्यक्तियों के भ्रमण के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आवश्यक संसाधनों के प्रबंधन से संबंधित काम संभालेंगे। आदेश के अनुसार वैभव मिश्रा का कार्य पर्यवेक्षण पुलिस कमिश्नरेट रायपुर में पदस्थ सहायक पुलिस आयुक्त (लाइन) निलेश द्विवेदी के निर्देशन में होगा।

सरकारी अस्पतालों को मिले 653 बांडेड डाक्टर प्रस्तावित मेडिकल कालेजों में भी हुई पोस्टिंग

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने वाले 653 अनुबंधित डाक्टरों को सरकारी अस्पतालों में पदस्थ किया गया है। इस बार राज्य में प्रस्तावित शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों और योजनाओं तक सीमित सिकलसेल संस्थान में भी इन्हें पोस्टिंग दी गई है। 2 साल की सेवा अवधि के दौरान उन्हें मानदेय भी प्रदान किया जाएगा। शासकीय कालेजों में पढ़ाई कर डाक्टर बनने वालों को दो साल तक विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पताल और चिकित्सा महाविद्यालयों में अपनी अनुबंधित ड्यूटी करनी पड़ती है। स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे 653 बांडेड डाक्टरों की पोस्टिंग की है। इससे उन हेल्थ सेंटरों में डाक्टरों की कमी दूर हो जाएगी जहां के चिकित्सक पीजी करने अध्ययन अवकाश पर हैं अथवा उनकी अनुबंध सेवा समाप्त हो चुकी है। पदस्थ डाक्टर अब दो साल बांड ड्यूटी करेंगे। इस दौरान उन्हें तीस दिन का आकस्मिक और तीन दिन का ऐच्छिक अवकाश दिया जाएगा। इस बार पुराने चिकित्सा महाविद्यालयों के साथ डाक्टरों की ड्यूटी प्रदेश में प्रस्तावित पांच नए मेडिकल कालेज भी लगाया गया है। इससे वहां उपचार व्यवस्था प्रारंभ होगी। वहीं राजधानी में मौजूद सिकलसेल संस्थान जहां अभी सुविधाएं जुटाई जा रही वहां भी डाक्टरों की पोस्टिंग की गई है। बांडेड डाक्टरों को 15 दिन के भीतर ड्यूटी ज्वाइन करने और बीच में सेवा नहीं छोड़ने की हिदायत दी गई है।

संचालनालय वित्तीय प्रबंध एवं सूचना प्रणाली,
छत्तीसगढ़ मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा निरस्तीकरण सूचना

क्रमांक/I/484373/2026 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 23/06/2026

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक I/215735/2025 दिनांक 17/12/2025 द्वारा आमंत्रित ऑनलाईन निविदा निरस्त किया जाता है।

(संचालक द्वारा अनुमोदित)

सहायक संचालक
वित्तीय प्रबंध एवं
सूचना प्रणाली, छत्तीसगढ़

जी. 262701680/2

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा),
जिला उत्तर बस्तर कांकेर

क्रमांक/692/आ.वि/ प्रयास/2026-27 कांकेर, दिनांक 23 जून 2026

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय कांकेर के कक्षा 9वीं से 12वीं में अध्यापन सह कोचिंग कार्य हेतु फैकल्टी की व्यवस्था के लिए पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं से

"रूचि की अभिव्यक्ति" (वर्ष 2026-27)

-: संशोधित निविदा सूचना :-

निविदा क्रमांक / 563 दिनॉक 09 जून 2026 में वित्तीय प्रस्ताव-भाग-तीन FB-1 (तृतीय लिफाफा हेतु) का संशोधित फार्मेट जारी किया गया है। संशोधन की विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in एवं कांकेर जिले के वेबसाईट www.kanker.gov.in में अवलोकन कर सकते हैं ।

कलेक्टर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर

जी.262701688/1

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर

नगर निगम मुख्यालय, गांधी मैदान के पास, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2535780, 90 फैक्स 0771-2227395 ईमेल-dc rmc@rediffmail.com

क्रमांक /220/ स्वभामि /न.पा.नि./ 2026-27 रायपुर, दिनांकः 24/06/2026

नगर पालिक निगम रायपुर सीमा क्षेत्र में 15वें वित्त आयोग अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 का मिलियन प्लस सिटी हेतु ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु महिलाओ के लिये बाजारों में सखी सुविधा केन्द्र (महिला यूरिनल सह गुमटी) का निर्माण एवं स्थापना कार्य हेतु तृतीय निविदा आमंत्रण जेम के माध्यम से किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

बिड संख्या	कार्य का नाम	स्वीकृति राशि
GEM/2026/B/7704460	महिलाओ के लिये बाजारों में "सखी सुविधा केन्द्र" (महिला यूरिनल सह गुमटी) का निर्माण एवं स्थापना कार्य ।	150.00 लाख

टीपः- उपरोक्त कार्य हेतु अन्य जानकारी https://gem.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता (SBM)
नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)

Dream City, Clean City, Green City

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग बीजापुर,
जिला-बीजापुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना क्रमांक 09/ व.ले.लि./2025-26, बीजापुर दिनांक 24.03.2026, सिस्टम निविदा क्रमांक 187544 (प्रथम आमंत्रण), (कार्य का नाम :- बीजापुर जिले के विकासखण्ड उसूर की बासाबुड़ा (बासागुड़ा) व्यपवर्तन योजना), जिसका जी-नंबर 252607393 है, उक्त निविदा में मात्र दो निविदाकारों द्वारा भाग लेने से प्रतिस्पर्धा के अभाव की स्थिति होने के कारण से निविदा को निरस्त की जाती है।

सहपत्र :-शून्य।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग,
बीजापुर

जी-262701706/5

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन सर्वेक्षण एवं बैराज निर्माण संभाग क्रमांक 1 खरसिया,
जिला रायगढ़ (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. 01 एवं 02/व.ले.लि./2026-27 दिनांक. 23.06.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 14.07.2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:

निविदा क्र.01- कार्य का नाम रायगढ़ जिले के विकासखण्ड व तहसील-खरसिया के आराझर एनीकट का निर्माण कार्य।
निविदा सिस्टम क्र.- 193807, अनुमानित
लागत- रू. 213.26 लाख, (जी.एस.टी. छोडकर)
(एस.ओ.आर. 01.05.2025 एवं संशोधित 08.08.2025 के आधार पर)

निविदा क्र.02 कार्य का नाम -रायगढ़ जिले के विकासखण्ड व तहसील - खरसिया के छोटे डूमरपाली एनीकट का निर्माण कार्य।
निविदा सिस्टम क्रं.-193809,
अनुमानित लागत- रू. 217.97 लाख (जी.एस.टी. छोडकर)
(एस.ओ.आर.01.05.2025 एवं संशोधित 08.08.2025 के आधार पर)

अन्य की ई-प्रोक्योरमेंट वेब शासन साइट विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 30.06.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट :
1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य हैं।
2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2025 में जारी किए गये Pre Bid Qualification certificate (Valid up to 30.09.2026) का उपयोग अनिवार्य है।
3. निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में जी.एस.टी. छोडकर निविदा भरा जाता है।

कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन सर्वेक्षण एवं बैराज निर्माण
संभाग क्र. 1, खरसिया, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

जी-262701678/5

सैलरी के मामले में मस्क के पीछे खड़े हैं भारतीय सीईओ मित्रा, रोज कमा रहे 21 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाने वाले अधिकारियों की ग्लोबल लिस्ट में टेस्ला सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क पहले पायदान पर हैं।

- सीईओ के रूप में टेस्ला के मस्क को 158 .4 अरब डॉलर का पैकेज

सीईओ के रूप में एलन मस्क को टेस्ला से 158.4 अरब डॉलर का पैकेज मिला है। इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं भारतवंशी शंख मित्रा। अमेरिका की मशहूर कंपनी 'वेलटॉवर'के सीईओ शंख मित्रा का पैकेज 821 मिलियन डॉलर यानी 7775 करोड़ रुपए है। अगर इस जादुई आंकड़े को दिनों के हिसाब से समझें, तो शंख मित्रा हर दिन के हिसाब से लगभग 21 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर रहे हैं।

वेलटॉवर के सीईओ शंख मित्रा का पैकेज 821 मिलियन डॉलर

सैलरी का 99 प्रतिशत हिस्सा शेयरों का

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, शंख मित्रा को मिलने वाले इस भारी-भरकम पैकेज का 99 फीसदी हिस्सा कैश सैलरी के रूप में नहीं है, बल्कि उन्हें 'स्टॉक ग्रांट' यानी कंपनी के शेयरों के रूप में दिया गया है। इसमें पिछले साल अक्टूबर में दिए गए 789 मिलियन डॉलर के शेयर भी शामिल हैं। जैसे-जैसे कंपनी का कारोबार बढ़ रहा है, वैसे-वैसे मस्क की ही तरह मित्रा के इन शेयर्स की वैल्यू भी बढ़कर अब 1 अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है।

मित्रा के सामने काफी कड़ी शर्तें रखी गई

हर दिन 21 करोड़ रुपए घर ले जाने के लिए कंपनी ने उनके सामने कुछ बेहद कड़ी शर्तें भी रखी हैं। इस अवॉर्ड से जुड़े शेयरों का लगभग आधा हिस्सा शंख मित्रा को साल 2031 में तब मिलेगा, जब वे लगातार कंपनी के साथ बने रहेंगे। बाकी बचा आधा हिस्सा उन्हें तभी मिल पाएगा जब अगले पांच वर्षों में वेलटॉवर का मार्केट कैप कम से कम 45 फीसदी की रफ्तार से बढ़े और कंपनी का शेयर बाजार के कई प्रमुख सूचकांकों को पछाड़कर नंबर वन साबित हो।
जादवपुर यूनिवर्सिटी से पढ़े हैं शंख मित्रा : शंख मित्रा ने कोलकाता की जादवपुर यूनिवर्सिटी से इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में अपनी बीई की डिग्री ली थी। इसके बाद वे अपने सपनों को पूरा करने अमेरिका चले गए और वहां कोलंबिया बिजनेस स्कूल से एप्लाइड वैल्यू इन्वेस्टिंग में एमबीए किया।

वेलटॉवर आवास व हेल्थकेयर से जुड़ी कंपनी

वेलटॉवर कोई आम कंपनी नहीं है, बल्कि यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए आलीशान आवास और हेल्थकेयर से जुड़ी संपत्तियों का मैनेजमेंट करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी रियल एस्टेट निवेश कंपनियों में से एक है। साल 2020 में कोरोना महामारी जैसे कठिन दौर में शंख मित्रा को कंपनी की कमान मिली थी। कंपनी को घाटे से निकालकर मुनाफे में ले आए।

2016 में वेलटॉवर से जुड़े : साल 2016 में वे एक सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के रूप में वेलटॉवर से जुड़े थे। सिर्फ 4 साल के भीतर चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) से होते हुए 2020 में कंपनी के सर्वोच्च पद पर जा बैठे। आज वे अमेरिका की किसी भी लिस्टेड रियल एस्टेट निवेश कंपनी का नेतृत्व करने वाले सबसे महंगे और इकलौते भारतीय मूल के ग्लोबल लीडर बन चुके हैं।

खबर संक्षेप

यस बैंक कोष जुटाने पर 29 जून को करेगा विचार

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक का निदेशक मंडल 29 जून को होने वाली बैठक में कोष जुटाने पर विचार करेगा। यस बैंक ने कहा कि निदेशक मंडल यह तय करेगा कि इक्विटी प्रतिभूतियां जारी करके पूंजी जुटाई जाए या नहीं। बैंक ने बताया कि इसके अलावा बॉन्ड के जरिये भी कोष जुटाने के विकल्पों पर विचार किया जाएगा।

सरकार आईआरएफसी में दो फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली। सरकार भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) में दो प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएगी। हिस्सेदारी बिक्री 91 रुपये प्रति शेयर के भाव पर की जाएगी। आईआरएफसी के लिए 91 रुपये प्रति शेयर का भाव मंगलवार के बंद मूल्य से 7.79 प्रतिशत कम है।

रुपया 11 पैसे चढ़कर 94.65 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को 11 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.65 (अस्थायी) पर रहा। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 2.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.50 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहा।

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा, ब्याज दर बढ़ाना जल्दबाजी होगी

आरबीआई 'देखो और इंतजार करो' की स्थिति में, रेपो दर बढ़ाने पर चर्चा जल्दबाजी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि केंद्रीय बैंक पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर रख रहा है और इस समय नीतिगत ब्याज दर में वृद्धि के बारे में बातचीत करना जल्दबाजी होगी।

उन्होंने कहा, ''अगर हम सही में उन्हें (बाजार) नीतिगत दर बढ़ाने के लिए तैयार करना चाहते, तो हमें अपना रुख बदलना होगा...। अगर यह पक्का होता कि हम आने वाले महीनों में दर बढ़ाने वाले हैं, तो हम अपना 'तटस्थ' रुख को बदलकर 'सख्त' कर लेते? लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। गवर्नर ने कहा, ''इसलिए, मुझे लगता है कि नीतिगत दर बढ़ाने के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। हमने बस इतना कहा है कि हम सतर्क हैं। हमें पता है कि महंगाई और वृद्धि, दोनों के मामले में जोखिम हो सकते हैं। खासकर महंगाई पर, क्योंकि यह ऊपरी सीमा के करीब पहुंच रही है...। हम सतर्क हैं और आंकड़ों पर नजर रखेंगे।

महंगाई के व्यापक रूप लेने का कोई सबूत नहीं

महंगाई पर गवर्नर ने कहा कि आरबीआई बारीकी से नजर रख रहा है कि क्या ईंधन की वजह से थोक कीमतों पर बना दबाव पूरी अर्थव्यवस्था में फैल रहा है। उन्होंने कहा, ''सच कहूं तो हमें पक्का नहीं पता कि दूसरे दौर का प्रभाव होगा या नहीं। अगर हमें पक्का पता होता, तो मौद्रिक नीति समिति ने कोई कदम उठाया होता। मल्होत्रा ने कहा कि अभी तक केंद्रीय बैंक को महंगाई के व्यापक रूप लेने का कोई सबूत नहीं मिला है।

खास बातें

- केंद्रीय बैंक पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर रख रहा
- नीतिगत दर बढ़ाने के लिए बाजार तैयार करना होगा
- महंगाई और वृद्धि, दोनों के मामले में जोखिम हो सकते हैं

कच्चे तेल की कीमतें कम हुई है

मल्होत्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव में कमी पूरी दुनिया और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक बात है। यह वृद्धि और महंगाई, दोनों के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें कम हुई हैं और यूरिया की कीमतें भी काफी घटी हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को राहत मिली है।

देखो और इंतजार करो की स्थिति में

गवर्नर ने कहा, ''जैसा कि हमने अपनी मौद्रिक नीति में कहा है कि हम 'देखो और इंतजार करो' की स्थिति में हैं। देखते हैं कि यह युद्धविराम कब तक चलता है और उसके आगे हम सभी के लिए बेहतर समय है। मल्होत्रा ने कहा कि हालांकि जोखिम कम हुए हैं, लेकिन नीति निर्माता अभी महंगाई परिदृश्य पर कोई ठोस नतीजा निकालने के लिए तैयार नहीं हैं।

रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने की सहमति

उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में, आरबीआई ने पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी संघर्ष, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण वृद्धि और महंगाई पर बढ़ते जोखिमों के बीच अपनी नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। मौद्रिक नीति समिति ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने और 'तटस्थ' रुख को कायम रखने का निर्णय किया।

केंद्रीय बैंक ने वृद्धि अनुमान कम किया

केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को कम किया है और 2026-27 में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो अप्रैल के 6.9 प्रतिशत के अनुमान से कम है। यह अनुमान 2025-26 के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत से भी कम है। आरबीआई ने 2026-27 के लिए महंगाई बढ़कर 5.1 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया है जो पहले के 4.6 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है।

नकली और अवैध उत्पादों पर सख्ती बढ़ाने की मांग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआरएआई) ने सरकार से अवैध व्यापार एवं नकली उत्पादों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का बुधवार को आग्रह किया। संघ ने कहा कि इनका बढ़ता प्रसार उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए खतरा है और लाखों छोटे खुदरा व्यापारियों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रहा है।

- एफआरएआई ने सरकार से की मांग
- बढ़ता प्रसार उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए खतरा

एफआरएआई ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक संगोष्ठी में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय को एक ज्ञापन सौंपकर अवैध व्यापार एवं नकली उत्पादों पर रोक लगाने के लिए कड़े नीतिगत कदम उठाने की मांग की। संघ ने अवैध उत्पादों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, बार-बार नियम तोड़ने वालों पर कठोर दंड, डिजिटल मार्केटप्लेस की अधिक जवाबदेही, बेहतर निगरानी और बाजार निरीक्षण व्यवस्था तथा प्रवर्तन एवं नियामक एजेंसियों के बीच समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो और निष्पक्ष बाजार व्यवस्था को बढ़ावा मिल सके। एफआरएआई ने खाद्य एवं पेय पदार्थ, किराना, व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद, सौंदर्य प्रसाधन, तंबाकू उत्पाद, सिगरेट, ई-सिगरेट, नए निकोटीन उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामान जैसी कई श्रेणियों में नकली तथा मानकों का पालन न करने वाले उत्पादों में ''चिंताजनक वृद्धि'' की ओर ध्यान दिलाया।

सरकार कानूनी ढांच को मजबूत करने प्रतिबद्ध

खंडेलवाल ने कहा, '' सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है और कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रौद्योगिकी नकली उत्पादों से लड़ने में एक शक्तिशाली साधन बन सकती है। साथ ही पारदर्शी व भरोसेमंद खुदरा व्यवस्था बनाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी महत्वपूर्ण है।''

कच्चे तेल के दाम में नरमी से शेयर बाजार में तेजी लौटी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- सेंसक्स 791 अंक चढ़ा, निफ्टी भी लाभ में
- बैंक,वित्तीय तथा आईटी शेयरों में निकली खरीदारी

कच्चे तेल के दाम में नरमी और बैंक, वित्तीय तथा आईटी शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। बीएसई सेंसेक्स 791 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 197 अंक की तेजी रही।

कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर की बढ़ती उम्मीद और घरेलू बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के शुद्ध रूप से लिवाल बनने से भी बाजार को समर्थन को मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 790.54 अंक के लाभ में रहा। कारोबार के दौरान एक समय यह 989.69 अंक तक चढ़ गया था। बीएसई में सूचीबद्ध 2,215 शेयर लाभ में रहे, जबकि 2,034 में गिरावट आई। वहीं 181 के भाव अपरिवर्तित रहे। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 197.55 अंक बढ़कर 24,021.65 अंक पर बंद हुआ।

इन शेयरों में रहा नफा- नुकसान

सेंसेक्स की कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, टाटा स्टील, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट
जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत, होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही बेहतर होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट और भारत-अमेरिका के बीच जल्द ही व्यापार समझौता होने की उम्मीद के चलते घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।''

बैंकिंग शेयरों में तेजी और आईटी क्षेत्र में सुधार

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी 'एनरिच मनी' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर ने कहा, ''बैंकिंग शेयरों में मजबूत बढ़त और आईटी क्षेत्र में सुधार के कारण भारतीय शेयर बाजार ने अच्छी वापसी की।

सोना 1,200 रुपए सस्ता, चांदी 4,000 रुपए टूटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना घटकर 1.48 लाख रुपए दस ग्राम रह गया
- चांदी टूटकर 2,31,000 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंची

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1,200 रुपये घटकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। वहीं चांदी की कीमत 4,000 रुपये टूट गई। ऐसा कमजोर वैश्विक रुख के बीच डॉलर के मजबूत होने की वजह से हुआ।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत मंगलवार के 1,49,300 रुपये के बंद स्तर से 1,200 रुपये घटकर 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। चांदी की कीमतों में भी लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही और यह 4,000 रुपये टूटकर 2,31,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। पिछले सत्र में यह 10,500 रुपये की भारी गिरावट के बाद 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी, जो दो सप्ताह से ज्यादा समय में सबसे बड़ी गिरावट थी। बहालिया गिरावट से चांदी की कीमतें अप्रैल की शुरुआत वाले स्तर पर आ गई हैं, जब यह 2.37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही, क्योंकि डॉलर में तेज उछाल और सख्त मौद्रिक नीति की बढ़ती संभावना ने कीमती धातुओं पर दबाव बनाए रखा।''

विदेशी बाजार में सोना-चांदी टूटी : विदेशी बाजारों में, हाजिर सोना 52.01 डॉलर या 1.3 प्रतिशत टूटकर 4,058.10 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी लगभग दो प्रतिशत टूटकर 60.48 डॉलर प्रति औंस रह गई।

नैक पैकेजिंग का आईपीओ एक जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली। पैकेजिंग समाधान प्रदाता नैक पैकेजिंग लिमिटेड का करीब 440 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) एक जुलाई को खुलेगा। कंपनी ने सार्वजनिक बयान में कहा कि इसके लिए मूल्य दायरा 161-170 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इससे ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन 2,080 करोड़ रुपये आंका गया है। आईपीओ एक जुलाई को खुलेगा और तीन जुलाई को बंद होगा।

बंधन बैंक ने एफडी पर ब्याज दर 0.20 प्रतिशत तक बढ़ाई

कोलकाता। निजी क्षेत्र के बंधन बैंक ने चुनिंदा परिपक्वता जमा (एफडी) योजनाओं पर ब्याज दरों में 0.20 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। संशोधित दरों के तहत दो वर्ष से लेकर तीन वर्ष से कम अवधि की जमाराशि पर वरिष्ठ नागरिकों को अधिकतम 7.95 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

अमिताभ बच्चन ने डीपी वायर्स में हिस्सेदारी बेची

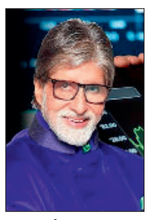

नई दिल्ली। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने स्टील वायर विनिर्माता डीपी वायर्स लिमिटेड में अपनी करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी 2.48 करोड़ रुपये से अधिक में बेच दी है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अमिताभ हरिवंश राय बच्चन ने मध्य प्रदेश स्थित कंपनी के 1,23,622 शेयर बेचे, जो 0.79 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के बीएलसी घटक अंतर्गत आबादी (सुरक्षित/प्रचलित) भूमि पर निवासरत 141 आवेदकों की परीक्षण उपरांत दावा आपत्ति आमंत्रित किये जाने के संबंध में।

विज्ञापन क्र.1281 — **दावा आपत्ति सूचना** — दिनांक 24/06/2026

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के बीएलसी घटक अंतर्गत आबादी (सुरक्षित/प्रचलित) भूमि पर निवासरत परिवारों को ''पात्र हितग्राही'' प्रमाण पत्र के द्वारा योजना से लाभावित किये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गये है।

बहतराई एवं बिजौर क्षेत्र में निवासरत 141 परिवारों (जोन क्र. 01 वार्ड क्र. 02 के 32 आवेदक, जोन क्र. 02 वार्ड क्र. 09 के 45 आवेदक, जोन क्र. 06 वार्ड क्र. 43 के 29 आवेदक एवं जोन क्र. 07 वार्ड क्र. 47 एवं 49 के 35 आवेदक) द्वारा प्राप्त आवेदनों के सर्वेक्षण एवं परीक्षण समिती से अनुमोदन उपरांत दिनांक 25/06/2026 से 07/07/2026 तक कुल कार्यालीन 07 दिवस तक दावा आपत्ति आमंत्रित की जाती है। दावा आपत्ति कार्यालयीन समय में प्रधानमंत्री आवास योजना कक्ष में प्रस्तुत की जा सकती है। निर्धारित तिथि के पश्चात् दावा आपत्ति मान्य नही होगी।

आयुक्त
नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी मर्यादित,
विद्युत सेवा भवन परिसर, डंगनिया, रायपुर (छ.ग.) 492013

आम सूचना

माननीय छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की याचिका क्रं. 102/2025 (T) पर दिनांक 15.06.2026 को पारित आदेश में राजस्व कमी (कैरिंग कास्ट सहित) रू. 171.89 करोड़ अनुमोदित की गई है। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा स्वीकृत समग्र वार्षिक राजस्व आवश्यकता निम्नानुसार है :

वित्तीय वर्ष 2026–27 से 2029–30 के लिये आवश्यक वार्षिक राजस्व का सार (करोड़ रु. में)

उत्पादन संयंत्र	एच.टी.पी.एस.	डी.एस.पी.एम. टी.पी.एस.	के.डब्लू.टी. पी.पी.	ए.बी.वी.टी. पी.एस.	एच.बी.एच.पी. एस.
वित्तीय वर्ष 26–27	1670.83	1069.55	1106.92	3036.90	31.19
वित्तीय वर्ष 27–28	1717.73	1089.08	1122.40	3067.01	33.21
वित्तीय वर्ष 28–29	1763.66	1119.78	1136.94	3071.03	35.21
वित्तीय वर्ष 29–30	1818.93	1155.19	1156.94	3086.20	32.50

टीपः विनियमों एवं आदेशों में उल्लेखित पास–थ्रू प्रभार वास्तविक खर्च के आधार पर प्रतिपूर्ति योग्य होंगे। उक्त आदेश www.cserc.gov.in एवं https://cspgcl.co.in पर उपलब्ध है।

मुख्य अभियंता (सी. एण्ड आर.ए.)
सी.एस.पी.जी.एल, रायपुर

SAVE ELECTRICITY

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)

No. 03-03/ TN-134/899 — Raipur, Dtd 23/06 /2026

E-TENDER NOTICE NO. TN-134/2026-27

Online bids are invited for Supply/ work as mentioned below:-

S. No.	Tender no. /RFx no.	Description	Submission Date & time
1.	DW-171/26-27 8100052246 (With RLA)	Engagement of a Liaisoning Agency for Monitoring of Coal Loading, Rake Movement, Coordination with SECL & Railways, and Supervision of LDCC/TRS Supply System for DSPM TPS Korba East, ABV TPS Marwa & HTPS Korba West	03.07.2026 Up to 15:00 Hrs
2	HW-172/26-27 8100052330 (With RLA)	Supply & Dozing operation of Coal Additive (SUDOCAD) in CSPGCL Thermal Power Station(West).	13.07.2026 Up to 15:00 Hrs
3	DW-173/26-27 8100052378 (Without RLA)	Deployment of Private Security Personnel for DSPM TPS, Korba East and KTPS, Korba East.	17.07.2026 Up to 15:00 Hrs

For details please visit our website **https://cspc.co.in** or e-bidding portal:– **https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal**

SAVE ELECTRICITY

EXECUTIVE DIRECTOR(S&P:GEN)
CSPGCL:RAIPUR

कार्यालय, नगर पंचायत देवकर, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

क्रं./542/ न.पं. /2026 — देवकर दिनांक 23/06/2026

// ई – प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

सिस्टम टेंडर क्रं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड की अंतिम तिथि
01	02	03	04
194001	वार्ड 10 में बबली यादव के घर से पुरूषोत्तम साहू के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	29.11	15/07/2026
194006	सामुदायिक भवन निर्माण कार्य ।	20.63	
194039	वार्ड क्र. 06 में मुक्तिधाम उन्नयन कार्य ।	20.74	

टीप :- उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल www.eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत देवकर

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT PAMGARH DISTIRCT - JANJGIR-CHAMPA (C.G.)

E-procurement Tender Notice (2nd)
Main Portal: https://cgeprocurement.gov.in

NIT. No. 605 — Pamgarh, Date-24/06/2026
Online bids are invited for followings works up to 13/07/2026

Sr. No.	System Tender no	Name of work	Probable Amount of Contract (In Lakh	Earnest Money (In Rs.)	Class of Contractor
1	194002	Muktidham Upgradation Work Located in Ward No. 05	39.10	29,500/-	D & Above Class

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from 24/06//2026 at 17:30 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पंचायत पामगढ़

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 1433/न.पा.नि./2026 — रायगढ़, दिनांक 24.06.2026

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	193986	FLEDER LINE AND DISTRIBUTION LINE SHIFTING / LAYING WORK AT KOTBA ROAD FLY OVER TO BARMUDA. (2nd Call)	153.91	10.07.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता न.पा.नि. रायगढ़

कार्यालय नगर पंचायत देवकर, जिला – बेमेतरा (छ. ग.)

क्र. / 563/ न.पं. / लो.नि.वि. / 2026 — **निविदा आमंत्रण सूचना** — देवकर दिनांक 23/06/2026

एतद् द्वारा नगर पंचायत देवकर द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम क्षेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग में प्रचलित पी.डब्ल्यू. डी. एस. ओ. आर (भवन / सड़क 20/04/2026) के तहत निविदा दो लिफाफा पद्धति से रिजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रतिशत दर पर फार्म "ए" में निम्न विवरण अनुसार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 15/07/2026 शाम 5.00 बजे तक
2. निविदा खोलने की तिथि - 16/07/2026 दोपहर 1.00 बजे ।

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि
1	वार्ड क्र. 02 में रामगोपाल के घर से दुर्गेश निषाद के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	3.27
2	वार्ड क्र. 02 में ओमप्रकाश निषाद के घर से पानी टंकी तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	1.90
3	वार्ड क्र. 08 में उषा शर्मा के घर से बबला अग्रवाल के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	0.86
4	वार्ड क्र. 07 में राम मंदिर के सामने आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	0.73
5	वार्ड क्र. 07 में मनोज कुंजाम के घर से देव ताम्रकार के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	2.35
6	वार्ड क्र. 09 में शत्रुहन साहू के घर से राजेन्द्र साहू के घर तक आर. सी. सी. नाली निर्माण कार्य ।	6.80
7	वार्ड क्र. 09 में धर्मेन्द्र पटेल के घर से शत्रुहन के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	1.37
8	वार्ड क्र. 09 में छन्नू के घर से धर्मेन्द्र पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	3.37
9	वार्ड क्र. 09 में शेखर ढीमर के घर से विष्णु ढीमर के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	1.17
10	वार्ड क्र. 10 में बबली यादव से घर से पुरूषोत्तम साहू के घर तक आर. सी. सी. नाली निर्माण कार्य ।	0.95
11	वार्ड क्र. 03 में राधेश्याम के घर से श्रवण साहू के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	0.98
12	वार्ड क्र. 15 हबीब अली के घर से मीरा दतार तक आर.सी.सी. नाली निर्माण	0.93
13	वार्ड क्र. 03 में नगर पंचायत आफिस से नगर पंचायत क्वाटर तक सी.सी. रोड नवीनीकरण कार्य	3.00
14	वार्ड क्र. 15 में हबीब के घर से मुनउर के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	2.57
15	वार्ड क्र. 15 में मुनउर के घर पुलिया निर्माण कार्य	0.91
16	क्लोरीनेशन कार्य (आटोमेटिक) 1 से 3 एच.पी. मोटर पंप हेतु (05 नग) तृतीय निविदा	5.04

टीप :- (1) उरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है । (2) विस्तृत नियम एवं शर्ते विभागीय वेब साईट http://uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है एवं निविदा प्रपत्र विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड करते हुए भरकर निर्धारित तिथि तक स्पीड पोस्ट या रजिस्टर्ड डॉक के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। निकाय द्वारा किसी भी प्रकार का भौतिक निविदा प्रपत्र प्रदाय नही किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत देवकर

प्रथम पृष्ठ का शेष

डूबती कंपनियां भी...

तथ्यों को छिपाने या अधूरी जानकारी देने के कारण राज्य सरकार के राजस्व हित प्रभावित हुए हैं और सरकार को मिलने वाली राशि पर असर पड़ा है।

चंपत राय समेत...

की गई है। माना जा रहा है कि बैंकअप की नई व्यवस्था लागू होने से भविष्य में किसी भी जांच के दौरान पर्याप्त डिजिटल साक्ष्य उपलब्ध रह सकेंगे। राम मंदिर में अब चढ़ावे की गिनती से लेकर बैंक में जमा होने तक पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए कई नए प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव सीसीटीवी निगरानी और डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन में किया गया है। चढ़ावे की गिनती पहले की तरह दो शिफ्टों में की जा रही है, लेकिन अब दानपात्र खोलने से लेकर नकदी की गिनती पूरी होने तक पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी अनिवार्य कर दी गई है। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाली गिनती और जमा राशि की ऑनलाइन एंट्री भी की जा रही है, जिससे रिकॉर्ड का डिजिटल ट्रैक उपलब्ध रहे।

फर्नेस भट्ठी से...

हादसे के बाद औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकता है। जानकारी के अनुसार फर्नेस में अत्यधिक नमी जमा होने की वजह से भट्ठी का एक साइड गरम होकर पंचर हो गया। इस कारण गैस उपर निकल गई। गरम मैल उपर निकलने देख आसपास काम कर रहे मजदूर और कर्मचारी घबरा गए। इस घबराहट में वहां भगदड़ मच गई। डर में लोग इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान चार मजदूर झुलस गए। घायलों में अमरेश कुमार, फिरोज खान, रामनाथ सूर्यवंशी और फुलेंद्र सिंह शामिल हैं। सभी जांजगीर-चांपा निवासी बताए जा रहे हैं। सभी घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर होने की बात कही जा रही है।

बाहर निकला 15 ...

पहुंचे थी। अधिकारी वर्ष 2011-12 में की गई फर्नीचर घोटाले की फाइल खंगालने पहुंचे थे। करोड़ो रूपए के फर्नीचर घोटाला के मामले में राजीव गांधी शिक्षा मिशन के एसपी पाण्डेय समेत छह अन्य व सप्लाई करने वाली लगभग 10 फर्म के खिलाफ ईओडब्ल्यू में आईपीसी की धारा 420,120(बी), पीसी एक्ट की धारा 13(1), 13(2) के तहत अपराध दर्ज कराया गया था। इसी प्रकरण के जांच की जिम्मेदारी एसीबी को दी गई थी और अधिकारी वर्षों से विभाग को पत्र लिखकर प्रकरण से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने को बोल रहे थे ताकि जांच की जा सके लेकिन विभाग के अधिकारियों ने घोटाले से जुड़े फाइल को दबा दिया। बिना दस्तावेजों के घोटाले की जांच आगे नहीं बढ़ पा रही थी। यही वजह है कि घोटाले की जांच हेतु एसीबी की टीम बुधवार को एसीबी डीएसपी प्रमोद खेस के नेतृत्व में राजीव गांधी शिक्षा मिशन के कार्यालय पहुंची थी। एसीबी की टीम के कार्यालय पहुंचने के बाद हड़कंप मच गया। एसीबी की टीम ने कार्यालय में लगभग 15 साल पहले हुए घोटाले से संबंधित दस्तावेज खंगाले। **नहीं मिले घोटाले से जुड़े दस्तावेज**-बताया जा रहा है कि जांच के दौरान अधिकारियों को सिर्फ प्रकरण से जुड़े फोटो कॉपी ही मिले। बड़ी बात यह है कि प्रकरण से जुड़े दस्तावेज कार्यालय के लेखापाल के पास थे लेकिन लेखापाल छुट्टी पर थे। ऐसे में अधिकारियों को घोटाले से जुड़े दस्तावेज, नोटशीट, रजिस्टर नहीं मिल पाए। दिनभर चली जांच के बाद अधिकारी कुछ दस्तावेज, तत्कालीन कलेक्टर द्वारा कराई गई जांच से जुड़े दस्तावेज जब्त कर अधिकारी वापस लौट गए। इसके साथ ही विभाग के अधिकारी को नोटिस जारी कर जल्द से जल्द सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने को एसीबी की ओर से कहा गया है। **जारी किया है नोटिस**-प्रकरण से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए लगातार पत्राचार किया जा रहा था लेकिन विभाग द्वारा दस्तावेज पेश नहीं किए गए। दस्तावेज नहीं होने से जांच आगे नहीं बढ़ रही थी। इस लिए टीम खुद दस्तावेज लेने पहुंची थी। कार्यालय का लेखापाल छुट्टी पर था। हमें वहां प्रकरण से जुड़े कुछ फोटो कॉपी व तत्कालीन कलेक्टर द्वारा कराई गई जांच की रिपोर्ट मिली। दस्तावेज को जब्त किया गया है इसके साथ ही नोटिस जारी कर दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया है। दस्तावेज मिलने पर आगे की जांच होगी। **प्रमोद खेस**, डीएसपी एसीबी सरगुजा

अपेक्स बैंक के ...

से बाहर किया गया है। इन संलिप्त अधिकारियों व कर्मचारियों से गबन की राशि की वसूली की जाएगी। बताया गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदार नाथ गुप्ता द्वारा बैंकिंग गतिविधियों के साथ संदिग्ध लेन-देन, गबन तथा वित्तीय अनियमितओं की लगातार समीक्षा करते हुए दोषियों पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में छग राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) की शाखा-बरमकेला, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1 अप्रैल 2021 से नवंबर 2024 के मध्य शाखा-बरमकेला के कर्मचारियों द्वारा शाखा बरमकेला से संबद्ध समितियों के खातों को नामे कर डीएमआर खातों से नियम विपरीत ट्रांजेक्शन कर नकद आहरण करने तथा समितियों के केसीसी खातों को अनाधिकृत रूप से ट्रांजेक्शन करते हुए लगभग 18.13 करोड़ राशि अंतरण कर गबन किया जाना पाया गया। गबन में सम्मिलित कुल 8 कर्मचारियों पर अपेक्स बैंक द्वारा थाना बरमकेला जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 4 मई.2025 को एफआईआर दर्ज कराया जा चुका है। बैंक प्रबंधन द्वारा पूर्ण पारदर्शिता एवं सख्त रवैया अपनाते हुए उच्च स्तरीय जांच कराया गया एवं गबन प्रकरण का विशेष आडिट कराया गया। **1451 समिति प्रबंधक नवीन संवर्ग के पदों पर होगी भर्ती**-अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदार नाथ गुप्ता की पहल पर अपेक्स बैंक एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केदार कश्यप, सहकारिता मंत्री के निर्देश पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, द्वारा 1451 समिति प्रबंधक (नवीन संवर्ग) के पदों की भर्ती की सैद्धांतिक अनुमति प्रदान की गई है। सहकारिता के जरिये गांवो तक सुविधाएं तथा सेवाएं पंहुचाने का दायरा तेजी से बढ़ाने के लिए 515 पैक्स सोसाइटी का गठन किया गया है। किसानों के लिए यह बड़ी पहल है। श्री गुप्ता ने आगे बताया कि बैंक में गबन-घोटाले करने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही करने के कारण लाभ में वृद्धि हुई है। अपेक्स बैंक ने गत वर्ष 2024-25 में 38.99 करोड़ शुद्ध लाभ अर्जित किया था जो कि वर्ष 2025-26 में राशि रूपये 1.87 करोड़ से बढ़कर राशि रुपए 40.86 करोड़ का शुद्ध लाभार्जन किया गया।

अब नहीं होगा ...

बैंकिंग निरीक्षण को मजबूत किया जा रहा है। आडिट से सुरक्षा की कार्यवाही की जा रही है। पैक्स कम्प्यूटराइजेशन से संपूर्ण प्रविष्टि को पारदर्शी किया जा रहा है। अब किसानों के मन में सहकारी बैंकों के प्रति विश्वास बढ़ने लगा है।

नशे के खिलाफ...

की समीक्षा करना तथा भविष्य की रणनीति तय करना है। बैठक के दौरान अमित शाह नारकोटिक्स कंट्रोल विज़न डॉक्यूमेंट 2026-2029/" जारी करेंगे। विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार इस दस्तावेज़ में अगले तीन वर्षों के लिए मादक पदार्थ नियंत्रण की राष्ट्रीय रणनीति का खाका प्रस्तुत किया जाएगा। **नशे के खिलाफ तीन स्तंभों पर आधारित होगी रणनीति**-गृह मंत्रालय के मुताबिक विज़न डॉक्यूमेंट में नशे की मांग को कम करने (डिमांड रिडक्शन), मादक पदार्थों की आपूर्ति पर रोक लगाने (सप्लाई रिडक्शन) और नशा मुक्ति एवं पुनर्वास (रीहैबिलिटेशन) को केंद्र में रखकर समन्वित कार्ययोजना तैयार की गई है। दस्तावेज़ में सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के उपायों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही जनजागरूकता बढ़ाने, उपचार सुविधाओं का विस्तार करने और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। **एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट भी होगी जारी**-गृह मंत्री इस अवसर पर एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट-2025 भी जारी करेंगे, जिसमें देशभर में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए अभियानों, बरामदगी, गिरफ्तारियों और नीति संबंधी पहलों का विवरण होगा। इसके अलावा अमित शाह जम्मू और गुवाहाटी में नव-निर्मित एनसीबी क्षेत्रीय कार्यालयों का उद्घाटन भी करेंगे। माना जा रहा है कि इन कार्यालयों के संचालन से सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूती मिलेगी। **6 हजार करोड़ रुपये के मादक पदार्थ होंगे नष्ट**- बैठक के दौरान गृह मंत्री ऑनलाइन ड्रग डिस्पोज़ल पखवाड़ा अभियान का भी शुभारंभ करेंगे। इस अभियान के तहत देशभर में जब्त किए गए लगभग 2 लाख 9 हजार 500 किलोग्राम मादक पदार्थों को कानूनी प्रक्रिया के तहत नष्ट किया जाएगा। इन जब्त मादक पदार्थों का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 6 हजार करोड़ रुपये बताया गया है। सरकार का मानना है कि यह अभियान अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का मजबूत संदेश देगा। **'ड्रग-फ्री इंडिया' लक्ष्य पर रहेगा फोकस**-गृह मंत्रालय ने कहा कि एनसीओआरडी की यह बैठक मादक पदार्थों की तस्करी के प्रति सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को और मजबूत करेगी। साथ ही यह मंच केंद्र और राज्य सरकारों समेत सभी संबंधित एजेंसियों के सामूहिक प्रयासों की समीक्षा करने और अगले तीन वर्षों के लिए प्रभावी रणनीति तय करने का अवसर प्रदान करेगा। सरकार का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के विज़न को आगे बढ़ाना और देश में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। बैठक में लिए जाने वाले निर्णयों को इस दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कोर्ट ने कहा-...

बराबर फीस लेने का आदेश नहीं दिया जा सकता। यदि निजी मेडिकल कॉलेजों को पर्याप्त फीस लेने से रोका गया तो चिकित्सा शिक्षा में उनका योगदान प्रभावित होगा। देश को अधिक डॉक्टरों की जरूरत है। निजी मेडिकल कॉलेज इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ राजस्थान उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने एक मेडिकल अभ्यर्थी की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि राजस्थान के निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में वार्षिक शुल्क 18.90 लाख रुपए से 25 लाख रुपए तक है, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की पात्रता के लिए निर्धारित आठ लाख रुपये की आय सीमा के बिल्कुल विपरीत और असंगत है। सुनवाई के दौरान, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि स्व-वित्तपोषित संस्थानों को सरकारी संस्थानों के बराबर ही शुल्क लेना चाहिए। पीठ ने कहा, कोई यह नहीं कह सकता कि निजी संस्थानों में शुल्क बहुत ज़्यादा है और उसे सरकारी संस्थानों के बराबर कर दिया जाए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने राजस्थान में शुल्क ढांचे का ज़िक्र करते हुए कहा कि यह 25 लाख रुपये तक है। पीठ ने कहा कि छात्रों के पास छात्रवृत्ति का लाभ लेने का विकल्प उपलब्ध है।

आंगनबाड़ियों में घटिया...

साड़ी की संचालनालय स्तर पर होने वाली केंद्रीकृत खरीदी व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। अब साड़ी खरीदी के लिए निर्धारित राशि सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में अंतरित की जाएगी। हाल के दिनों में साड़ी खरीदी प्रक्रिया को लेकर सामने आए विभिन्न मुद्दों तथा प्राप्त सुझावों का गंभीरता से परीक्षण करने के बाद यह निर्णय लिया गया है। यह कदम न केवल व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को अपनी पसंद और आवश्यकता के अनुरूप साड़ी चयन करने की स्वतंत्रता भी प्रदान करेगा।

अवैध रेत उत्खनन...

सुदृढ़ बनाने के लिए झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में स्थित ग्राम पोड़ी एवं ग्राम पुत्रीचौरा में 5-5 हेक्टेयर क्षेत्रफल की रेत खदान घोषित की गई हैं। इन खदानों के संचालन हेतु निविदा आमंत्रण सूचना जारी कर खदान स्वीकृति की कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री साय की...

परिवहन करता है, तो उसे केवल प्रशमन शुल्क के रूप में 70 हजार रुपये और खनिज का मूल्य अलग से देना होगा। वहीं ट्रैक्टर से अवैध रेत परिवहन करने पर भी न्यूनतम 25 हजार रुपये का प्रशमन शुल्क तथा रेत का मूल्य देना अनिवार्य होगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि अवैध खनन में पकड़े गए वाहन आसानी से दोबारा अपराध में इस्तेमाल न हो सकें। अब जब्त वाहन, मशीन या अन्य सामग्री की सुपुर्दगी से पहले संबंधित न्यायालय में वाहन के प्रकार के अनुसार 50 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक की सुरक्षा राशि जमा करनी होगी। इसके बाद ही वाहन सुपुर्द किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार ने विकास कार्यों को गति देने के लिए उत्खनन अनुज्ञापत्र के नियम भी आसान बनाए हैं। शासकीय निर्माण कार्यों के लिए उत्खनन क्षेत्र की सीमा 1 हेक्टेयर से बढ़ाकर 2 हेक्टेयर कर दी गई है, जबकि अनुज्ञापत्र की अवधि 2 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष कर दी गई है। इससे निर्माण कार्यों के लिए पर्याप्त खनिज उपलब्ध होगा और व्यवस्थित खनन को बढ़ावा मिलेगा। खनिजों के वैज्ञानिक अन्वेषण और आधारभूत संरचना के विकास के लिए छत्तीसगढ़ राज्य खनिज अन्वेषण न्यास-2025 की स्थापना भी की गई है। अब गौण खनिजों से प्राप्त रॉयल्टी का 2 प्रतिशत इस न्यास में जमा होगा, जिससे हर वर्ष लगभग 5.25 करोड़ रुपये अतिरिक्त प्राप्त होने का अनुमान है। सरकार ने खनन पट्टों के समामेलन की प्रक्रिया को भी सरल बनाया है। इससे अलग-अलग प्रकार से स्वीकृत पट्टों के एकीकरण में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयां दूर होंगी और शासन को प्रीमियम राशि प्राप्त करने में सुविधा होगी। निर्माण विभागों में खनिज रॉयल्टी कटौती की व्यवस्था को भी एक समान बनाया गया है। अब सभी विभाग खनिज की कीमत के साथ रॉयल्टी, डीएमएफ, पर्यावरण उपकर, अधोसंरचना उपकर और सुरक्षा के तौर पर अतिरिक्त राशि निर्धारित नियमों के अनुसार काटेंगे। खनिज विभाग से रॉयल्टी क्लीयरेंस मिलने पर यह राशि वापस कर दी जाएगी, अन्यथा विभाग इसे खनिज मद में जमा करेगा। इससे अवैध स्रोतों से खनिज के उपयोग पर भी प्रभावी रोक लगेगी। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय के तहत गौण खनिज से मिलने वाले राजस्व का लाभ अब केवल नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों और जनपद पंचायतों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जिला पंचायतों को भी इसका हिस्सा मिलेगा।

खरीदी में गड़बड़ी...

प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। रिपोर्ट के अनुसार कई कार्य बिना आवश्यक नियमों का पूर्ण अनुपालन किए संपादित किए गए, जिन्हें गंभीर वित्तीय अनियमितता माना गया।

'श्रृंगार दान नई...

और प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए। जांच के दौरान भंडार शाखा में स्टॉक पंजी के संधारण, अभिलेखों के रख–रखाव तथा सामग्री के भौतिक सत्यापन में भी गंभीर लापरवाही सामने आने की बात कही गई है। इसके बाद राज्य कार्यालय द्वारा संबंधित तीनों संविदाकर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। हालांकि, विभाग ने उनके प्रस्तुत जवाब को संतोषजनक नहीं माना। इसके बाद उनकी संविदा सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी किया गया।

बाजार खोलने से...

आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, गैर-शुल्क बाधाओं में कमी और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग शामिल हैं।

सोनम को 'गुरु'...

उसके कई स्टेप को फॉलो किया। सोशल मीडिया पर सिया और केतन के कई वीडियो वायरल हैं। कहीं दोनों डांस कर रहे हैं। कहीं परिवार के साथ हंस रहे हैं। कहीं शादी की तैयारियों को लेकर उत्साहित दिख रहे हैं। बिल्कुल वैसे ही जैसे साल भर पहले सोनम और राजा रघुवंशी के वीडियो वायरल हुए थे। उन्हें देखकर कोई नहीं कह सकता था कि आने वाले दिनों में उनकी जिंदगी इतनी दर्दनाक दिशा ले लेगी। पुलिस के अनुसार सिया और चेतन दोनों ही केतन को बीच रास्ते से हटाना चाहते थे। केतन बड़े बिजनेसमैन का बेटा था और उम्र महज 26 साल थी। उसके चचेरे मामा नरेंद्र मित्तल ने दूर की रिश्तेदारी में ही सिया गोयल से उसकी शादी तय करवा दी थी। केतन सिया के साथ काफी खुश था। कई वीडियो सामने आए, जिसमें वह बर्थडे सेलिब्रेशन के समय काफी खुश नजर आ रहे। सगाई होने के बाद सिया और केतन घूमने जाते थे। इसी तरह, वे पुणे के लोहागढ़ किले में घूमने गए थे, जहां से सिया ने केतन को 400 फीट ऊपर खाई से नीचे धक्का दे दिया। शुरुआत में यह हादसा लगा, लेकिन बाद में पुलिस जांच में सामने आया कि सिया ने उसे रास्ते से हटाने के लिए धक्का दिया था। सिया और उसके बॉयफ्रेंड चेतन ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि अगर सिया और केतन की शादी हो जाती तो चेतन और सिया के संबंध आगे नहीं बढ़ पाते। वह केतन से शादी नहीं करना चाहती थी। इसी वजह से दोनों ने उसे बीच रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया। सिया और चेतन ने मिलकर योजना बनाई।

दुखी थी सिया,...

अंतिम संस्कार के बाद जब सिया उसके घर पहुंची। वहां पर केतन की बहन ने उससे कई सवाल जवाब किए। इसमें वह फंस गई और जो जवाब दिए, उससे केतन की बहन संतुष्ट नहीं हुई और उसको शक हो गया। यह बात उसने परिवार को बताई, जिसके बाद पुलिस का दरवाजा खटखटाया गया। पुलिस ने सिया गोयल के मोबाइल, डेटा, कॉल आदि रिकॉर्ड के जरिए जांच की तो पता चला कि सच्चाई कुछ और ही है। सिया ने केतन को रास्ते से हटाने के लिए उसका मर्डर किया।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744225

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- होटल में काम करने हेतु कम्प्यूटर जानकार काउन्टर स्टाफ, अच्छे वेटर स्टाफ, टेबल सफाई, वेतन योग्यतानुसार रहने खाने की उत्तम व्यवस्था सम्पर्क करें- पाण्डेय स्वीट्स, अशोक नगर चौक बिलासपुर 9907748408 (41250)

आवश्यकता है- दुकान में सामान निकालने, पैक करने के कार्य हेतु कर्मचारियों की हैं आवश्कता है अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों सम्पर्क कर सकते हैं। पता- जी.एम. ट्रेडर्स, श्याम टॉकीज रोड, बिलासपुर 8435802555 (41213)

आवश्यकता है- पेन्ट दुकान में कार्य हेतु लड़का चाहिए दुकान में ही सेल्स और मेनेजमेंट हेतु पेन्ट की जानकारी वाली लड़की चाहिए वेतन याग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नूतन चौक सरकण्डा बिलासपुर 88270 68080 (41249)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार बिलासपुर 98279 23507 (41246)

आवश्यकता है- निजी कार चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी नशामुक्त 25वर्ष से 45वर्ष के ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- Cross Road Business Park Vypaar Vihar Bilaspur 9644644754 (41239)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर उज्जैन इंदौर उदयपुर मे रहकर काम कर सके सैलरी 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ महीना 25000 कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट सम्पर्क करें-7777800422 9993044523 (366)

आवश्यकता है- थोक दवाई एजेन्सी में कार्य करने हेतु सेल्समैन, माल निकालने, पैकिंग हेतु अनुभवी लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बंगाल ड्रग हाउस, तेलीपारा, बिलासपुर 8815353022 (41245)

आवश्यकता है- डिजिटल पब्लिक स्कूल मंगला बिलासपुर में लेखांकन, फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, गणित, विज्ञान एवं नर्सरी से पांचवी पढ़ाने हेतु शिक्षक, शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। प्रशिक्षित, अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9907556205 (41247)

आवश्यकता है-डेंटल क्लिनिक मे काम करने के लिए लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। पता- पुराना बस स्टैंड के पास सम्पर्क करें-78791 11555 (41216)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41226)

आवश्यकता है- उमा एजेन्सी में दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं ऑटो, छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- विजय नगर देवरीखुर्द बिलासपुर 93015 17722 (41251)

आवश्यकता है- होटल में कार्य हेतु (लड़का)- 1, रिसेप्शनिस्ट-2 हाउस कीपिंग (लड़का/ लड़की) चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार+ रहना खाना सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से 7बजे, राजकिशोर नगर बिलासपुर 6263063968 (41248)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। लाइसेन्स, बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 (41235)

आवश्यकता है- सुरक्षा एजेन्सी के अन्तर्गत कार शोरुम में इच्छुक गार्ड (आयु 30र्ष से 45वर्ष एवं ऊंचाई 5'-5" हो तथा योग्यता 12वीं पास होना चाहिए। वेतनमान 11500 से शुरु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बहतराई स्टेडियम चौक 9981630084 99816 30042 (41233)

आवश्यकता है- अनुभवी कुक एवं रूम सर्विस हेतु वेटर्स की तुरंत आवश्यकता है संपर्क हॉटल शिवनेरी सीएमडी कॉलेज के सामने लिंक रोड बिलासपुर (41231)

आवश्यकता है- हरिअमृत मैरिज रिसार्ट में कार्य करने हेतु सुपरवाईजर की आवश्यकता हैं अनुभवी को प्राथमिकता पता- सीपत रोड मोपका बिलासपुर 98271-14005 (सम्पर्क समय- सुबह 10बजे से 1बजे, शाम 4बजे से 6बजे) (41229)

आवश्यकता है- घरेलू सभी कार्य हेतु बाई, नौकर एवं माडर्न एजूकेशनल एकेडमी स्कूल में कार्य करने हेतु आया की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तुरन्त सम्पर्क करें- 7223890879, 9301275222 (41234)

आवश्यकता है- होटल पर्ल इन सकरी और कोनी में निम्न पदों पर आवश्यकता है। (1) मैनेजर- 2पद (2) रिसेप्शनिस्ट- 6पद (3) रूम सर्विस- 10पद (4) सफाई कर्मचारी- 6पद। सम्पर्क करें- 7509113355 (41232)

आवश्यकता है-नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं सफाईकर्मी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से 2बजे संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 7024853558 (41224)

आवश्यकता है- सीए आफिस में चपरासी की आवश्यकता है। सुबह 8.30 से शाम 8.30 बजे, 10वी पास, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- सीए दिनेश अग्रवाल मेन रोड विद्या नगर बिलासपुर 9300501028, 7440969033 (41240)

आवश्यकता है-बागेश्वर बालाजी कोल एण्ड ट्रान्सपोर्ट में फिल्ड वर्क हेतु लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 8516900999 (41227)

आवश्यकता है-बिलासपुर लॉज में मैनेजर 1 पद, आयु 25 वर्ष से ऊपर वेतन 10000 से ऊपर योग्यता/ समय अनुसार एवं अनुभवी बिजली मिस्त्री तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9406390898, 98279 40898 (41225)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य करने के लिए (महिला/ युवती) कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 15000 से 20000 तक सम्पर्क करें- 8817395214 (41218)

आवश्यकता है-घर पर खाना बनाने हेतु अनुभवी लेडी कुक एवं गार्डन की देखभाल के लिए माली की आवश्यकता है। स्थान- बिलासपुर, सम्पर्क करें- 9993537989 (41190)

आवश्यकता है-रायगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित 24×7 कन्विनियंस स्टोर/ फूड स्टॉल पर कार्य करने हेतु युवक, युवतियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- गौरव सिंह 7879226916 (41220)

आवश्यकता है-भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें-89294 49955 (63586)

आवश्यकता है- तुरंत सिलतरा रायपुर स्टील प्लांट परमानेंट हेल्पर 70, वेल्डर 10, फिटर 10, रिगर 10, ड्यूटी 8 घंटे, पी एफ, एसआईसी, बोनस, साप्ताहिक छुट्टी, वेतन -14000/- ठेकेदार मो 7869284963, 93292 80863, 07883556724 (304)

आवश्यकता है-नाश्ता बनाने के लिए ऑल राउंडर कुक की आवश्यकता है (जो नशा नहीं करता हो) सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता एण्ड टिफिन सेन्टर दिल्ली आईएएस अकादमी के पास मंगला बिलासपुर 97556 55055 (41222)

आवश्यकता है- मंगला चौक के पास प्रसूति गृह में GNM/ BSC नर्सिंग क्रिश्चन/ अन्य महिला कर्मी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7693807006, 9826134710 (41112)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कम्पनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, हेतु आवेदन करे 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 42 सैलरी26500 से 45500 आवेदन हेतु मार्क शीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो,व्हाट्सएप/ कॉल करे- 8400406891 (091)

किराया

किराया-बिलासपुर व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट किराये पर उपलब्ध (पार्किंग सुविधा) सम्पर्क करें- 9589740766, 94255 30355 (40953)

बेचना

बेचना है-4BHK, 4लेटबाथ 2मंजिला नया लक्जरियस मकान 1525 वर्गफीट दो कार पार्किंग गार्डन वॉश एरिया पोर्च, रघु विहार अशोक नगर सरकंडा, 2BHK फर्स्ट फ्लोर फ्लैट विजया रीजेंसी, विजयापुरम, सरकंडा सम्पर्क- 97520 11980 (41228)

बेचना है-बिक्री हेतु फर्स्ट फ्लोर 3BHK फ्लैट, वैष्णवी विहार, श्याम रेजीडेंसी फेज-1, उसलापुर, बिलासपुर 1500 वर्गफीट, रेडी-टू-मूव, कवर्ड पार्किंग, गेटेड कॉलोनी कीमत 31.5लाख नेगोशिएबल सम्पर्क करें-9131948149, 7999461010 (41223)

बेचना है-(साईं आनंदम शादी भवन के पास प्रकृति विहार 50×60 डायवर्टेड प्लॉट बाउंड्रीवॉलयुक्त) (घुरू गोकुलधाम विभिन्न साइज डायवर्टेड प्लॉट) (लोखंडी ऊषाउपवन कॉलोनी के सामने 18000 वर्गफुट जमीन) (चकरभाठा एयरपोर्ट के पास विभिन्न साइज प्लॉट) (मोपका चावला ग्रीन के सामने 25×50 के 3प्लॉट) (आरटीओ कार्यालय के पीछे 2000 वर्गफुट डायवर्टेड प्लॉट) (शांति नगर मकान) (ग्राम बहतराई (सकरी) 1एकड़ 60 डिसमिल जमीन) (मुंगेली नाका 13×75 प्लॉट) (कोनी विभिन्न साइज प्लॉट) सम्पर्क 7035244444 (41221)

बेचना है- डायवर्टेड, अनडायवर्टेड- सीपत एनटीपीसी मटेरियल गेट से 400मी पहले बिलासपुर के तरफ सीपत बिलासपुर मुख्य मार्ग से 150 फीट अन्दर प्लाट विभिन्न साइजों में उपलब्ध है। सम्पर्क करें- 9302743074, 93292 22816 (41243)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
लिंग में टेढ़ापन
वीर्य में शुक्राणु की कमी
बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
पेशाब में धातु जाना
शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाये।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

मेस्सी मेनिया चरम पर: रिकॉर्ड के साथ अर्जेंटीना में खड़ी हुई 85 फीट ऊंची प्रतिमा

एजेंसी ▶▶ ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना पर लियोनेल मेस्सी का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है, जो उत्तरी अमेरिका में खेले जा रहे विश्व कप में अभी तक पांच गोल करके फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। इससे अर्जेंटीना में हर तरफ एक ही नाम की गूंज हो रही है और स्वाभाविक है कि वह नाम मेस्सी का है।

असल में मेस्सी के प्रति अर्जेंटीना का जुनून भव्य रूप ले चुका है। पेटागोनिया के एक दूरस्थ शहर में उनकी 26 मीटर ऊंची प्रतिमा खड़ी है तो ब्यूनस आयर्स के एक उपनगर में 1,300 से अधिक प्रशंसकों के हस्ताक्षरित एक भित्ति चित्र उस कप्तान का गुणगान करता है, जो पूरे देश को एक धागे में पिरोता है।

अब तक की सबसे बड़ी प्रतिमा

पैटागोनिया के सुदूर दक्षिणी शहर कुट्रल के बाहरी इलाके में 70 टन स्टील और लोहे से बनी मेस्सी की 26 मीटर (85 फुट) ऊंची प्रतिमा खड़ी है। यह खिलाड़ी घुटनों के बल बैठा है, उनके पैरों के बीच 2022 में जीती गई विश्व कप ट्रॉफी है और एक हाथ ऊपर उठा हुआ है। मानो वह मार्ग संख्या 22 पर यात्रा कर रहे वाहन चालकों का अभिवादन कर रहा हो। यहां तक कि पेटागोनिया की तेज हवा भी इस स्मारक को गिरा नहीं सकती, जिसका उद्घाटन 16 जून को अर्जेंटीना के विश्व कप में पहले मैच के दौरान किया गया था, जब टीम ने एक बार फिर मेस्सी के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन किया, जिन्होंने तीन गोल करके अल्जीरिया पर जीत पक्की की। स्थानीय अधिकारियों और इसे डिजाइन करने वाले मूर्तिकार का कहना है कि यह टीम के कप्तान को समर्पित अब तक की सबसे बड़ी प्रतिमा है।

अर्जेंटीना के सबसे बड़े दूत

मूर्तिकार 61 वर्षीय एल्डो बेरोइसा ने कहा, 'वह अर्जेंटीना के लिए सबसे बड़े दूत हैं। मेरे लिए एक कलाकार ही नहीं अर्जेंटीना का नागरिक होने के नाते भी यह काफी मायने रखता है।' यह आलम केवल एक शहर का नहीं है बल्कि पूरा अर्जेंटीना ही पूरी तरह से 'मेस्सी मानिया' की गिरफ्त में है। उन्होंने पहले मैच में हैट्रिक बनाई और दूसरे मैच में भी टीम की तरफ से दोनों गोल करके अपने विश्व कप में कुल गोल की संख्या 18 पर पहुंचाई। यह विश्व कप का नया रिकॉर्ड है।

बेराजेटेगुई में बना भित्ति चित्र सबसे अलग

दुनिया भर में मेस्सी की कई भित्ति चित्र हैं। हालांकि, ब्यूनस आयर्स के उपनगर बेराजेटेगुई में बना चित्र सबसे अलग है। इसमें खिलाड़ी के मुस्कुराते चेहरे के चारों ओर उनके सैकड़ों प्रशंसकों के नाम लिखे हुए हैं। लगभग छह मीटर चौड़ी और 5.5 मीटर ऊंचे (20 गुणा 18 फीट) इस भित्ति चित्र ने मेस्सी का ध्यान भी आकर्षित किया। उन्होंने इसे अद्भुत करार देते हुए उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया था, जिन्होंने इसको तैयार करने में योगदान दिया।

आज के मुकाबले

स्विट्जरलैंड बनाम कनाडा

(रात 12:30 बजे)

ग्रुप बी का यह सबसे बड़ा मुकाबला माना जा सकता है।। दोनों टीमों के चार-चार अंक हैं और विजेता टीम ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है।

बोस्निया और हर्जेगोविना बनाम कतर

(रात 12:30 बजे)

बोस्निया और हर्जेगोविना बनाम कतर मैच में दोनों टीमें एक-एक अंक के साथ उतरने वाली हैं। नॉकआउट में जाने की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए दोनों को जीतना जरूरी है।

मोरक्को बनाम हैती

(सुबह 3:30 बजे)

मोरक्को शानदार लय में है और चार अंकों के साथ ग्रुप सी में शीर्ष स्थान की दौड़ में बनी हुई है। टीम ने स्कॉटलैंड को 1-0 से हराकर अपनी मजबूती साबित की थी।

स्कॉटलैंड बनाम ब्राजील

(सुबह 3:30 बजे)

सबसे बड़ा मुकाबला ब्राजील और स्कॉटलैंड के बीच खेला जाएगा। ब्राजील चार अंकों के साथ मजबूत स्थिति में है। स्कॉटलैंड को नॉकआउट की उम्मीदें बनाए रखने के लिए कम से कम एक अंक की जरूरत पड़ सकती है।

दक्षिण अफ्रीका बनाम द.कोरिया

(सुबह 6:30 बजे)

ग्रुप ए में दक्षिण कोरिया तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। जबकि दक्षिण अफ्रीका के पास केवल एक अंक है।

चेक रिपब्लिक बनाम मेक्सिको

(सुबह 6:30 बजे)

मेक्सिको लगातार दो जीत के साथ शानदार फॉर्म में है और छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर है।

मुनोज का 'मैजिक शॉट', ढहा कांगो का अभेद्य किला

कोलंबिया ने कांगो को 1-0 से दी मात

नॉकआउट चरण में प्रवेश

एजेंसी ▶▶ गुआडालाजारा

डैनियल मुनोज ने कांगो की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदते हुए गोल दागा, जिससे कोलंबिया ने 1-0 की जीत के साथ विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने शानदार प्रदर्शन करके कोलंबिया को अधिकतर समय गोल से वंचित रखा था लेकिन आखिर में मुनोज ने 76वें मिनट में गोल कर दिया, जो निर्णायक साबित हुआ।

म्पासी ने पहले 20 मिनट में पांच मुश्किल बचाव किए। डिफेंडर से टकराकर गेंद मुनोज़ के पास पहुंची थी जिनके बाएं पैर से लगाए गए शॉट को रोकने का म्पासी के पास कोई मौका नहीं था।

विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर कोलंबिया

कोलंबिया को ग्रुप में शीर्ष पर रहने के लिए शनिवार को पुर्तगाल के खिलाफ मैच ड्रॉ करने की जरूरत होगी। यह नतीजा पुर्तगाल को नॉकआउट चरण में पहुंचाने के लिए भी काफी होगा। कोलंबिया विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर है, जो दक्षिण अमेरिकी टीमों में ब्राजील और अर्जेंटीना के बाद तीसरा सर्वश्रेष्ठ स्थान है। उसने अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 3-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी।

पैराग्वे के मिडफील्डर को मुंह पर हाथ रखना पड़ा भारी

अटलांटा। पराग्वे के मिडफील्डर मिगेल अल्मिरोन को विश्व कप के दौरान मुंह ढकने के कारण रेडकार्ड देखना पड़ा। फीफा ने पुष्टि की कि अल्मिरोन आस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को पराग्वे का आखिरी ग्रुप मैच नहीं खेल सकेंगे। फीफा ने यह भी कहा कि इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं की जा सकती है। पराग्वे की 1-0 से जीत के दौरान तुर्किये के मर्ट मूल्डर से टकराव के बाद अल्मिरोन ने अपना मुंह ढंक लिया था। नए नियमों के तहत झगड़े के दौरान अपनी बात छिपाने के लिए खिलाड़ियों को मुंह ढंकने की अनुमति नहीं है और इसका उल्लंघन करने पर तुरंत निलंबित किया जा सकता है। फीफा अध्यक्ष जियान्नी इनफेंटिनो ने रीयाल मैड्रिड और बेनफिका के बीच मैच के दौरान हुई घटना के बाद इस नियम के लिए काफी जोर दिया था। बेनफिका के जियांलुका प्रेस्टियान्नी ने मैड्रिड के विनिशियस जूनियर को अपशब्द कहने के दौरान मुंह छिपाने का प्रयास किया। बाद में उन पर छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया गया था।

क्रोएशिया से हारकर पनामा टूर्नामेंट से बाहर

टोरंटो। स्थानापन्न खिलाड़ी एंटे बुदिमिर के दूसरे हाफ के शुरू में किए गए गोल की मदद से क्रोएशिया ने पनामा को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। पनामा की यह लगातार दूसरी हार है, जिससे वह नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया है। एंटे ने खेल के 54वें मिनट में जोसिप स्टैनिसिक के घुमावदार क्रॉस पर गेंद को खाली नेट में डाल दिया। यह गोल आखिर में निर्णायक साबित हुआ और क्रोएशिया तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने में सफल रहा। क्रोएशिया अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हार गया था और उसके लिए ग्रुप एल में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में जीत हासिल करनी जरूरी थी। पनामा लगातार दो हार से टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है और दो बार विश्व कप में भाग लेने के बाद भी वह अपना पहला अंक हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

लुका ने खेला 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच

बीएमओ फील्ड में पहले हाफ की धीमी गति के बाद क्रोएशिया मध्यांतर के बाद पनामा की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में सफल रहा जब बुदिमिर ने मैदान पर आने के महज चार मिनट बाद ही गोल दाग दिया। तीन मिनट बाद ही क्रोएशिया एक और गोल करने के करीब पहुंच गया था जब अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे 40 वर्षीय लुका मोड्रिक ने मार्को पासालिक को पास दिया।

इंग्लैंड ने घाना की गोल पोस्ट पर लगाए 19 शॉट, मैच रहा 0-0

ग्रुप एल में स्थिति रोमांचक, दोनों टीमों के 4-4 अंक

फॉक्सबोरो। इंग्लैंड और घाना दोनों ने मैच के अंतिम क्षणों में गोल करने के लिए अपनी तरफ से पूरी जान लगा दी लेकिन इसके बावजूद यह मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा, जिससे विश्व का फुटबॉल के ग्रुप एल में स्थिति रोमांचक बन गई है। इंग्लैंड और घाना दोनों टीम के अब चार-चार अंक हो गए हैं। इंग्लैंड बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर है। क्रोएशिया के तीन अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड ने मैच में दबदबा बनाए रखा। उसने गोल पर 19 शॉट लगाए जबकि घाना एक बार ही ऐसा कर पाया। इंग्लैंड की टीम हालांकि अवसरों का फायदा नहीं उठा पाई। इंग्लैंड अभी तक कभी विश्व कप में अफ्रीका के किसी भी देश से नहीं हारा है। इससे पहले इन दोनों टीमों ने अपने शुरुआती मैच जीते थे। घाना ने पनामा को 1-0 से और इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया था।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्विक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ अहम मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶ मैनचेस्टर

मध्य क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी और खराब क्षेत्ररक्षण के कारण महिला टी20 विश्व कप में भारत का अभियान खतरे में पड़ गया है और ऐसे में गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच में वह इन कमजोरियों को दूर करने के लिए बेताब होगा।

भारत ने 12 टीमों के इस टूर्नामेंट में अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की फॉर्म की चिंता के साथ उतरा था लेकिन स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने काफी हद तक उन आशंकाओं को दूर कर दिया है। मंधाना ने तीन मैच में 159 रन बनाए हैं, जबकि शेफाली ने 92 रन का योगदान दिया है। दोनों बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट 154 से अधिक है। लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जो टीम के लिए नई चिंता बन गई है।

खराब क्षेत्ररक्षण खतरे में टीम इंडिया का अभियान

हरमनप्रीत, जेमिमा नहीं कर पाई अपेक्षित प्रदर्शन

कप्तान हरमनप्रीत कौर (स्ट्राइक रेट 109.09), जेमिमा रोड्रिग्स (94.11) और यस्तिका भाटिया (105.88) अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उनके तेजी से रन बनाने में नाकाम होने के कारण ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा पर तेजी से रन बनाने का दबाव बढ़ जाता है। हरमनप्रीत और जेमिमा दोनों ने तीन-तीन मैच खेले हैं और दोनों ने मिलकर सिर्फ 11 चौके लगाए हैं। उन्होंने अब तक एक भी छक्का नहीं लगाया है। वहीं यस्तिका ने दो पारियों में सिर्फ तीन चौके लगाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दी पाकिस्तान को 113 रन से करारी शिकस्त

लीड्स। ऑस्ट्रेलिया ने एलिस पेरी के ऑलराउंड प्रदर्शन की मदद से पाकिस्तान को 113 रन से करारी शिकस्त देकर महिला टी20 विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक अपने चारों में जीते हैं लेकिन उसकी सेमीफाइनल में जगह पक्की नहीं हुई है। ग्रुप के प्रतिद्वंद्वी दक्षिण अफ्रीका और भारत भी चार-चार जीत हासिल कर सकते हैं और ऐसे में अंतिम चार में पहुंचने वाली टीम का फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। ऑस्ट्रेलिया का आखिरी मैच रविवार को लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ होगा। ऑस्ट्रेलिया अभी तक हमेशा इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचा है। पेरी ने 48 गेंद पर नौ चौके और एक छक्के की मदद से 71 रन बनाए। पेरी और जॉर्जिया वोल (39) ने दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। एनाबेल सदरलैंड (27) और निकोला कैरी (26) ने भी उपयोगी योगदान दिया। इससे ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 199 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान 13.4 ओवर में 86 रन पर आउट हो गया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए।

शब्द पहेली - 6267

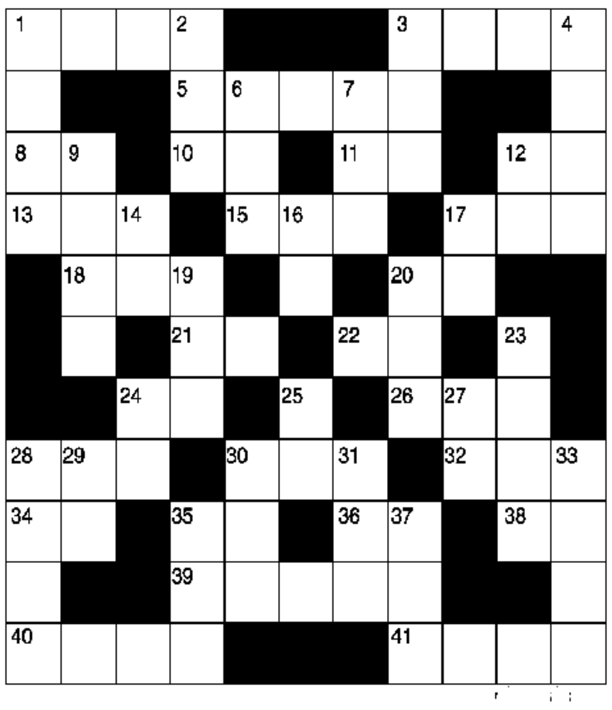

बाएँ से दाए-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अद्द्द, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -6266 का हल

सूडोकु नवताल- 6277

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6276 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

24- JUN- K&C- MAIN- Pg- 12 SARA SANSAR_Layout 1 6/24/2026 11:34 PM Page 1

चांद पर पानी का महासागर? इसरो और नासा का चौंकाने वाला खुलासा!

नई दिल्ली। 8 जून 2026 को प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक रिसर्च पेपर ने पूरी दुनिया के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिकों ने मिलकर एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने इंसानी इतिहास के सबसे बड़े सपने—यानी चांद पर बसने के सपने—को हकीकत के बेहद करीब ला दिया है। वैज्ञानिकों को चांद के सबसे रहस्यमयी हिस्से, यानी दक्षिणी ध्रुव के नीचे प्राचीन बर्फ की विशालकाय नदियां और झीलें मिली हैं। यह कोई मामूली नमी नहीं है, बल्कि पानी का वह विशाल भंडार है, जो भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों की प्यास बुझाएगा और रॉकेट का ईंधन बनेगा!

एक पल के लिए सोचिए, आप लद्दाख की कड़कड़ाती ठंड में जमे हुए पानी को देख रहे हैं। चांद के गड्ढों में भी कुछ ऐसा ही माहौल है, जहां अरबों सालों से सूरज की रोशनी नहीं पड़ी। तापमान शून्य से 230 डिग्री सेल्सियस नीचे रहता है। ऐसे में यह खोज मानवता के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

क्या है यह नई खोज और यह पहले से अलग क्यों है?

हम जानते हैं कि साल 2008 में भारत के चंद्रयान-1 ने पहली बार दुनिया को बताया था कि चांद पर पानी मौजूद है। लेकिन, वह खोज केवल सतह पर मौजूद पानी के अणुओं तक सीमित थी। वह पानी ऐसा था जिसे आसानी से निकालना असंभव था। लेकिन, जून 2026 की यह नई खोज पूरी तरह से अलग है। इस बार वैज्ञानिकों ने ड्यूल-फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिसे चंद्रयान के नवीनतम ऑर्बिटर और नासा के लूनर रिकोनिसेंस ऑर्बिटर से नियंत्रित किया जा रहा था। इस रडार की किरणें चांद की पथरीली सतह को चीरती हुई 15 मीटर गहराई तक चली गईं। वहां जो दिखा, उसने वैज्ञानिकों के होश उड़ा दिए। चांद के 'शैकलटन क्रेटर' के ठीक नीचे विशालकाय टेढ़े-मेढ़े चैनल मिले हैं, जो कभी बहने वाली बर्फ की नदियों की तरह दिखते हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह पानी अरबों साल पहले धूमकेतुओं के टकराने से यहां जमा हुआ था और फिर चांद की धूल के नीचे हमेशा के लिए सुरक्षित हो गया। इसे हम सरल भाषा में 'चंद्रमा का भूमिगत ग्लेशियर' कह सकते हैं।

आखिर कैसे हुआ यह चमत्कार?

इस ऐतिहासिक शोध पत्र के सह-लेखक और इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के. श्रीधरन (बदला हुआ नाम) का कहना है- 'हमने हमेशा चांद को एक सूखा रेगिस्तान माना था। लेकिन, इस नए रडार डेटा ने साबित कर दिया है कि चांद के भीतर पानी की पूरी सभ्यता दबी हुई है। यह पानी इतनी भारी मात्रा में है कि इससे भविष्य के मंगल अभियानों के लिए ईंधन डिपो चांद पर ही बनाया जा सकता है।' इस खोज की सबसे खास बात यह है कि यह बर्फ बेहद शुद्ध रूप में है। इसमें धूल और चट्टानों की मिलावट बहुत कम है। इसका मतलब है कि भविष्य में जब हमारे अंतरिक्ष यात्री चांद पर उतरेंगे, तो उन्हें इस बर्फ को पिघलाकर पानी बनाने में बहुत कम ऊर्जा खर्च करनी पड़ेगी। इस पानी को इलेक्ट्रोलेसिस की प्रक्रिया से गुजारकर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ा जा सकता है। ऑक्सीजन से हम सांस ले सकेंगे और लिक्विड हाइड्रोजन का उपयोग रॉकेट ईंधन के रूप में किया जा सकेगा। जरा सोचिए, चांद से ही रॉकेट में ईंधन भरकर हम मंगल और उससे भी आगे की यात्रा पर निकल सकेंगे!

रोचक खबरें

'चूहों के रिश्तेदार' हैं ये लोग, रहते हैं बिलों में, रेंग-रेंगकर जाते हैं घर के अंदर!

बंकरों में जन्म से लेकर मरने तक रहते हैं लोग

मनीला। दुनिया के कई हिस्सों में गरीबी इंसानों को जानवरों जैसी जिंदगी जीने पर मजबूर कर देती है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में एक ऐसा समुदाय है जिसे लोग 'मोल पीपल'यानी तिलचट्टे या चूहों वाले लोग कहते है। ये लोग जमीन के नीचे फ्रीवे और हाईवे के नीचे बनी स्टॉर्म ड्रेन और सीवर टनल्स में रहते है। उन्हें घर जाने के लिए रेंगना पड़ता है। मनीला के सान एंड्रेस बुकिड इलाके में एक बड़ी सुरंग है, जहां 100 से ज्यादा परिवार यानी करीब 300-400 लोग रह रहे है। ये सुरंगें मूल रूप से बाढ़ नियंत्रण के लिए बनाई गई थीं, लेकिन गरीबी ने इन्हें आवास बना दिया। लोग प्लाईवुड, पन्नी और बांस से छोटे-छोटे कमरे बनाकर रह रहे है। अंदर घुसने के लिए छोटे-छोटे छेद हैं, जिनसे रेंगकर अंदर जाना पड़ता है। यहां रहने वाले लोगों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी शामिल हैं। कई बच्चे इसी अंधेरे में पैदा हुए हैं और यहीं बड़े हो रहे है। वे स्कूल जाते हैं तो ऊपर की दुनिया देखते हैं, लेकिन घर वापस इसी बिल में आते है। सुरंग के अंदर नमी, बदबू, चूहे और कॉकरोच हर तरफ है। जब बारिश होती है तो पानी भर जाता है और सब कुछ तबाह हो जाता है। एक रहने वाले एडविन ने बताया, 'किराया महंगा होने के कारण हम यहां आ गए। यहां कोई नियम नहीं, कोई सीमा नहीं है। चूहे और कॉकरोच हमारे घर में घुस आते हैं। लेकिन ,ऊपर किराया देना असंभव है।' कई परिवार दशकों से यहीं रह रहे हैं। कुछ लोग कहते हैं कि वे यहां अस्थायी रूप से आए थे।

समुद्री दुनिया का सबसे खतरनाक शिकारी है सी स्पाइडर

नई दिल्ली। समुद्र की गहराइयों में छिपे अनगिनत रहस्य हमें बार-बार चौंकाते है। इनमें से एक है सी स्पाइडर, जिसे समुद्री दुनिया का 'रेहमान डकैत'कहा जा सकता है। फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत को बिना कोई भनक लगाए दुश्मन को मारने वाला शिकारी दिखाया गया था। ठीक वैसा ही यह समुद्री जीव भी है, जो चुपके से शिकार पर हमला करता है, अंदर का सारा पदार्थ चूस लेता है और आगे बढ़ जाता है। सी स्पाइडर को वैज्ञानिक नाम पाइक्नोगोनिडा वर्ग के अंतर्गत रखा गया है। यह असल में मकड़ी या केकड़े का रिश्तेदार है, लेकिन दिखने में बहुत अलग है।

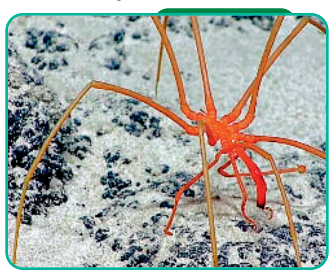

इसके शरीर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका मुख्य शरीर (ट्रंक) बहुत छोटा होता है। इतना छोटा कि पेट और फेफड़े जैसे अंगों के लिए जगह ही नहीं बचती। इसलिए इसके पाचन तंत्र और प्रजनन अंग मुख्य रूप से इसकी लंबी टांगों में फैले रहते है। यह बिना पारंपरिक पेट के भी जिंदा रहता है। ऑक्सीजन लेने के लिए फेफड़े या गिल्स नहीं है। यह अपनी टांगों के जरिए सीधे पानी से ऑक्सीजन सोख लेता है। शरीर का बड़ा हिस्सा पारदर्शी होता है, जिससे अंदर के अंग आसानी से दिखाई दे सकते है। सी स्पाइडर के पास दांत नहीं होते. इसके बजाय उसके पास एक लंबा, नीडल जैसा प्रोबॉस्किस होता है। यह शिकार (जैसे स्पंज, जेलीफिश, एनिमोन आदि) के शरीर में घुसा देता है और अंदर के सारे तरल पदार्थ तथा अंगों को चूसकर खा जाता है। यह प्रक्रिया इतनी साइलेंट और धीमी होती है कि शिकार को पता भी नहीं चलता।

सूअर के मांस को कई सालों तक रखते हैं संभालकर, फिर चाव से खाते हैं लोग

नई दिल्ली। जब बात मीट की आती है तो ज्यादातर लोग कहते हैं कि ताजा मांस ही सबसे अच्छा और सुरक्षित होता है, पुराना मांस बैक्टेरिया से भर जाता है और खाने लायक नहीं रहता। लेकिन, दुनिया के कुछ हिस्सों में यह नियम उल्टा है। यहां लोग सूअर का मांस जानबूझकर लंबे समय तक सड़ने-फर्मेंट होने देते हैं। जितना पुराना, उतना महंगा और स्वादिष्ट! यह अनोखी परंपरा सदियों से चली आ रही है। पूरी प्रक्रिया काफी लंबी और खास होती है। सबसे पहले सूअर को मारकर उसके अंदर के अंग निकाल दिए जाते हैं। फिर उसके शरीर की गुहा को मकई से भर दिया जाता है। पूरा सूअर जमीन में गड्ढा खोदकर दबा दिया जाता है। कई दिनों या कई हफ्तों तक यह मांस भूमिगत रहता है, जहां फर्मेंटेशन की प्रक्रिया चलती है। जमीन से निकालने के बाद सूअर को उल्टा लटका दिया जाता है। नीचे आग जलाकर धीरे-धीरे स्मोकिंग की जाती है। यह प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। इसका नतीजा? बेहद नरम, स्वाद से भरपूर और अनोखा मांस जो सामान्य मीट से बिल्कुल अलग स्वाद देता है। इस परंपरा के जानकार बताते हैं कि लंबे समय तक फर्मेंटेशन और स्मोकिंग से मांस में खास प्रकार के एंजाइम्स और बैक्टीरिया काम करते हैं, जो स्वाद को गहरा और रिच बनाते हैं। कई शेफ और फूड एक्सपर्ट इसे 'अल्टीमेट फ्लेवर डेवलपमेंट' मानते हैं। कुछ जगहों पर यह मांस सामान्य मीट से कई गुना महंगा बिकता है। यह तरीका मुख्य रूप से कुछ ट्रेडिशनल कम्युनिटी में प्रचलित है, जहां लोग पीढ़ी दर पीढ़ी इसे अपनाते आ रहे हैं। मांस को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की यह प्राचीन तकनीक है, जो पहले बिना फ्रिज के जमाने में विकसित हुई थी।

एक बार काटने पर ले सकता है 100 लोगों की जान

कैनबरा। सांप को दुनिया के सबसे खतरनाक जानवरों में गिना जाता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, दुनिया में हर साल करीब 54 लाख लोगों को सांप काटते हैं। इनमें 18 से 27 लाख मामलों में जहर शरीर में फैलता है। सांप घने वर्षावनों से लेकर खेती की जमीन और रेगिस्तान तक सब जगह मिलते हैं। दुनिया के सबसे खतरनाक और जहरीले सांपों की 10 प्रजातियों के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

ब्लैक मम्बा से किंग कोबरा तक, दुनिया के 10 सबसे जहरीले सांप

इनलैंड ताइपन (ऑस्ट्रेलिया)

दुनिया का सबसे जहरीला सांप इनलैंड ताइपन माना जाता है। आमतौर पर मध्य ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले इस सांप का जहर इतना खतरनाक होता है कि एक बार काटने पर यह 100 लोगों की या फिर 1,00,000 चूहों की जान ले सकता है। हालांकि, यह सांप शर्मीला होता है और बहुत कम बाहर निकलता है।

ब्लैक माम्बा (अफ्रीका)

अफ्रीका का सबसे घातक सांप ब्लैक माम्बा (डेंड्रोस्पिस पॉलीलेपिस) जहर की सिर्फ दो बूंदों से व्यक्ति को मार सकता है। मुंह के अंदर गहरे काले रंग के कारण इसे ब्लैक माम्बा कहा जाता है। इसकी लंबाई औसत 8 फीट (2.5 मीटर) होती है। यह सांप 12 मील प्रति घंटे (19 किमी/घंटा) की गति से चल सकता है।

बैंडेड क्रेट (एशिया)

बैंडेड क्रेट कोबरा का रिश्तेदार है और बहुत जहरीला होता है। इसका जहर नर्वस सिस्टम पर हमला करता है और पीड़ित को हमेशा के लिए लकवाग्रस्त कर सकता है। क्रेट रात में सक्रिय होते हैं। रात में गलती से उन पर पैर पड़ जाने से काटने की कई घटनाएं होती हैं।

रसेल्स वाइपर (दक्षिण एशिया)

रसेल्स वाइपर भारत के चार सबसे खतरनाक सांपों में से एक है। भारत में सांप के काटने से होने वाली ज्यादातर मौतों के लिए यही जिम्मेदार है। इसके जहर से ब्लीडिंग और किडनी फेल हो सकती है, जिससे मौत हो जाती है।

ईस्टर्न ब्राउन स्नेक (ऑस्ट्रेलिया)

ऑस्ट्रेलिया में सांप के काटने से होने वाली ज्यादातर मौतें ईस्टर्न ब्राउन स्नेक की वजह से होती हैं। यह तेजी से चलने वाला सांप है और आम तौर पर खेतों में पाया जाता है। बगीचों, हाइकिंग ट्रेल्स पर सांप का दिखना आम बात है।

फेर-डी-लांस (दक्षिण अमेरिका)

फेर-डी-लांस को लैटिन अमेरिका के सबसे खतरनाक सांपों में गिना जाता है क्योंकि इसका जहर टिशू (ऊतकों) को नष्ट कर देता है। कोस्टा रिका और ब्राजील के रेनफॉरेस्ट इलाकों में ये पाया जाता है।

बूमस्लैंग (अफ्रीका): बूमस्लैंग देखने में मासूम और नुकसान ना पहुंचाने वाला सांप लगता है, इसका जहर जानलेवा अंदरूनी ब्लीडिंग का कारण बन सकता है। यह उन खतरनाक सांपों में से एक है, जो पेड़ों पर छिपे रहते हैं।

कोस्टल ताइपन (ऑस्ट्रेलिया-पापुआ न्यू गिनी) कोस्टल ताइपन दुनिया के सबसे तेज और सबसे जहरीले सांपों में स है। यह ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के तटीय जंगलों और गन्ने के खेतों में पाया जाता है।

किंग कोबरा (दक्षिण-पूर्व एशिया)

लंदन का नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम किंग कोबरा को दुनिया का सबसे लंबा विषैला सांप कहता है। यह तीसरा सबसे जहरीला सांप भी है। इसकी लंबाई 18 फीट हो सकती है। किंग कोबरा 100 मीटर की दूरी तक अपने शिकार को देख सकता है। किंग कोबरा अपने शिकार में इतना ज्यादा जहर छोड़ता है कि एक वयस्क हाथी कुछ घंटों में मर जाता है।

सॉ-स्केल्ड वाइपर (अरब, अफ्रीका, एशिया)

सॉ-स्केल्ड वाइपर इस लिस्ट में चौथे नंबर पर है। इसके बारे में कहा जाता है कि यह सबसे ज्यादा इंसानी मौतों के लिए जिम्मेदार है। यह अक्सर इंसानों के आसपास रहता है। ऐसे में इसके काटने के केस बहुत ज्यादा होते हैं। छोटे आकार का यह सांप भारत और पाकिस्तान के अलावा अफ्रीका और मध्य पूर्व में भी पाया जाता है।

4,500 साल पुराने गीजा पिरामिड इलेक्ट्रिक सिग्नल को आगे नहीं जाने दे रहा

काहिरा। मिस्र के गीजा पिरामिड दुनिया के वो अजूबे हैं, जो सैकड़ों सालों से इंसानों को हैरान करते आए हैं। जब भी हम सोचते हैं कि हमने पिरामिडों के हर कोने को जान लिया है, तब कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हैरान कर देते हैं। हाल ही में वैज्ञानिकों ने गीजा के वेस्टर्न सिमेट्री यानी शाही कब्रिस्तान के नीचे कुछ ऐसा खोज निकाला है, जिसने आर्कियोलॉजिस्ट्स को भी हैरान कर दिया है। हाई-टेक रडार और बिजली के उपकरणों के दम पर जब अंदर झांका, तो वहां सिर्फ एक प्राचीन ढांचा ही नहीं मिला, बल्कि कुछ ऐसा भी टकराया जो इलेक्ट्रिक फ्लो को सीधे तौर पर रोक रहा है! वैज्ञानिकों को जमीन के नीचे एक ऐसी रहस्यमयी आकृति मिली है जो लगभग 4,500 साल पुरानी हो सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी बड़े व्यक्ति का मकबरा हो सकता है, जो सदियों से जमीन के नीचे दफन है।

हाई-टेक गैजेट्स से खुला राज

इस खोज के लिए वैज्ञानिकों ने किसी खुदाई का सहारा नहीं लिया, बल्कि एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया। तोहोकू यूनिवर्सिटी के मोटोयुकी सातो के नेतृत्व में रिसर्चर्स ने ग्राउंड-पेनिट्रेटिंग रडार और इलेक्ट्रिकल रेजिस्टिविटी टोमोग्राफी जैसी तकनीकों से जमीन के अंदर स्कैनिंग की। यह स्कैनिंग उस जगह पर हुई, जहां प्राचीन काल में शाही परिवार के सदस्यों और बड़े अधिकारियों को दफनाया जाता था।

सिर्फ इतना ही नहीं...

हैरानी वाली बात तो इस एल शेप वाली आकृति के ठीक नीचे एक और बहुत बड़ी रहस्यमयी आकृति मिली है। जब वैज्ञानिकों ने वहां बिजली का प्रवाह समझने की कोशिश की, तो सामने आया कि वह हिस्सा बिजली के बहाव को रोक रहा है।

जमीन के नीचे क्या मिला?

स्कैनिंग के दौरान वैज्ञानिकों को जमीन से लगभग 6.5 फीट की गहराई पर एक एल शेप की बनावट दिखाई दी। यह करीब 33 फीट लंबी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका आकार एकदम सटीक और ज्यामितीय है, जिसका मतलब है कि यह कोई प्राकृतिक रूप से बनी चीज नहीं है, बल्कि इसे इंसानों ने ही बनाया है। ऐसा लगता है कि बनाने के बाद इसे रेत से भर दिया गया था।

क्या यह किसी गुप्त तहखाने का रास्ता है?

आर्कियोलॉजिस्ट्स का मानना है कि ऊपर बनी एल आकार की आकृति दरअसल नीचे छिपी उस बड़ी रहस्यमयी जगह का एंट्री गेट हो सकती है। वैज्ञानिक अभी पक्के तौर पर यह नहीं कह रहे हैं कि यह कोई मकबरा ही है, क्योंकि सिर्फ रडार और स्कैनिंग से अंदर क्या है, इसका पता नहीं लगाया जा सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अब इस रहस्य से पर्दा उठाने का इकलौता तरीका खुदाई ही है। जब तक खुदाई नहीं होती, तब तक गीजा के पिरामिडों के नीचे छिपा यह राज एक रहस्य ही बना रहेगा।

वैज्ञानिकों के पास फिलहाल इसकी दो वजहें हैं-

- या तो वहां रेत और कंकड़-पत्थरों का कोई अजीब मिश्रण है।
- या फिर वहां जमीन के अंदर कोई बहुत बड़ा खाली कमरा या खोखली जगह है।

10 साल अंडे देती है ये मछली फिर अचानक बन जाती है मर्द

टोक्यो। समुद्र की गहराइयों में छिपे रहस्य इंसान को बार-बार अचंभित करते हैं। जापान के समुद्री रीफ्स में रहने वाली कोबुदाई मछली इन्हीं अनोखे चमत्कारों में से एक है। यह मछली जन्म से लेकर लगभग 10 साल तक मादा रहती है और अंडे देती है। लेकि,न 10 साल बाद उसमें एक भयानक और हिंसक जैविक परिवर्तन होता है और वह अचानक नर में बदल जाती है। कोबुदाई पहले शांत और साधारण दिखने वाली मादा होती है। लेकिन, उम्र बढ़ने के साथ उसका सिर बड़ा और भारी हो जाता है, जबड़े मजबूत होते हैं, रंग गहरा हो जाता है और वह आक्रामक नर बन जाती है। नर बनने के बाद वह दूसरी मादाओं के साथ संबंध बनाती है और समूह की मालिक बन जाती है।

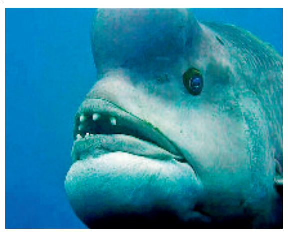

क्यों होता है यह बदलाव?

प्रकृति ने इस मछली को इस तरह डिजाइन किया है ताकि प्रजनन की सफलता बढ़ सके। छोटी उम्र में मादा रहकर ज्यादा अंडे देने का फायदा मिलता है। जब शरीर बड़ा और मजबूत हो जाता है तब नर बनकर वह दूसरी मादाओं की रक्षा कर सकती है और अपने जीन को आगे बढ़ा सकती है। यह बदलाव इतना तेज होता है कि वैज्ञानिकों ने इसे 'हिंसक जैविक घड़ी' का नाम दिया है।

दिखने में बेहद अनोखी

कोबुदाई का चेहरा इंसान जैसा दिखता है, जिस वजह से इसे कभी-कभी 'फिश विद ह्यूमन फेस' भी कहा जाता है। नर बनने के बाद उसका सिर और भी बड़ा हो जाता है, जो दूसरे नरों से लड़ने में काम आता है। यह मछली जापान के समुद्री क्षेत्रों में पाई जाती है और वहां की समुद्री जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, मादा से नर बनने वाली कोबुदाई अकेली नहीं है। समुद्र में कई मछलियां और जीव ऐसे हैं जो जेंडर बदल सकते हैं। क्लाउनफिश भी इसी प्रक्रिया का उदाहरण है। लेकिन, कोबुदाई का बदलाव आकार और आक्रामकता के मामले में सबसे प्रभावशाली माना जाता है।

शादी के महज 72 घंटे बाद तलाक! 37 लाख रुपए लुटाने के बाद दूल्हे के साथ हुआ बड़ा खेल

बीजिंग। आजकल जल्दबाजी में फैसले लेना कितना भारी पड़ सकता है, इसका एक जीता-जागता उदाहरण चीन के झेजियांग से सामने आया है। यहां एक व्यक्ति के साथ शादी के नाम पर कुछ ऐसा धोखा हुआ कि उसकी कहानी सोशल मीडिया पर हर तरफ वायरल हो रही है। शादी के महज 3 दिन बाद ही इस रिश्ते का ऐसा अंत हुआ कि अब मामला कोर्ट-कचहरी तक पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कहानी 'गु'नाम के एक चीनी शख्स की है, जिन पर परिवार की तरफ से शादी का काफी दबाव था। थक-हारकर उन्होंने एक लोकल मैरिज ब्यूरो का सहारा लिया और 200 युआन (यानी 2,700 रुपए से अधिक) देकर रजिस्ट्रेशन करा लिया। ब्यूरो ने उनकी बात 30 साल की एक महिला से करवाई। अजीब बात यह रही कि दोनों आमने-सामने कभी मिले ही नहीं। सिर्फ 5 मिनट की एक वीडियो कॉल हुई, और उसमें भी लड़के के सवालों के जवाब लड़की से ज्यादा मैरिज ब्यूरो वाले दे रहे थे। लड़की ने दावा किया कि उस पर कोई कर्ज नहीं है और वह पूरी तरह स्वस्थ है। गु के परिवार ने ब्यूरो की बातों पर भरोसा कर लिया और शादी पक्की हो गई।

पानी की तरह बहाया पैसा

इस 'चट मंगनी पट ब्याह'के लिए गु के परिवार ने दिल खोलकर पैसा खर्च किया। शादी के पूरे तामझाम में 265,000 युआन (यानी लगभग 37 लाख रुपए) फूंक दिए गए। इसमें से करीब 10 लाख रुपए लड़की वालों को ब्राइड प्राइस यानी दहेज का एक रूप के तौर पर दिए गए और लगभग 22 लाख रुपए की भारी-भरकम रकम मैरिज ब्यूरो ने अपनी फीस के नाम पर वसूली।

अब कोर्ट में चल रहा है हाई वोल्टेज ड्रामा!

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com